निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र विचार व अपराध निरोधक मुख्य हिन्दी राष्ट्रीय समाचार पत्र

दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा

DELHI CRIME WA BHRASHTACHAR VIRODHI MORCHA

Website- Delhicrimepress.in
Email-info@delhicrimepress.in

RNI No. DELHIN/2005/15378 | DCP Lic. No. F-2(D-9)PRESS/2005 | वर्ष-01 | वीरवार 28 अप्रैल 2022 | पीडीएफ अंक-08 | पृष्ठ-8 | मूल्य-निःशुल्क

मौसम

अधिकतम – 44 सूर्योदय – 5 : 44
न्यूनतम – 30 सूर्यास्त – 6 : 55

सोना चांदी

सोना – 53315.00 प्रति 10 ग्र चांदी – 65450.00 किलो

अर्थसार

सैंसेक्स – 56819.39 निफ्टी – 17038.40
रु/यूएस डॉलर – 76.62 रु/यूरो – 80.78

न्यूज फ्लैश

नए वैरिएंट बिगाड़ सकते हैं हालात मुख्यमंत्रियों से बैठक में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले दो हफ्तों में कुछ राज्यों में जिस प्रकार से कोविड-19 संक्रमण के मामले बढ़े हैं। उससे स्पष्ट है कि कोरोना की चुनौती अभी पूरी तरह टली नहीं है, लिहाजा देशवासियों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों, केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपालों और प्रशासकों के साथ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से कोरोना महामारी की ताजा स्थिति की समीक्षा के बाद अपने संबोधन में यह बात कही। उन्होंने कहा, 'जिस तरह से पिछले दो हफ्तों में कुछ राज्यों में मामले बढ़े हैं उससे ये स्पष्ट है कि कोरोना की चुनौती अभी पूरी तरह टली नहीं है। ओमीक्रोन और उसके सब वैरिएंट्स किस तरह गम्भीर परिस्थिति पैदा कर सकते हैं, यह यूरोप के देशों में हम देख सकते हैं।' प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में कुछ देशों में कोरोना के विभिन्न स्वरूपों की वजह से कुछ लहरें भी आई, लेकिन भारत ने कई देशों की तुलना में हालात पर काफी बेहतर नियंत्रण रखा है। उन्होंने कहा, 'इन सब के बावजूद पिछले दो हफ्ते से जिस तरह से कुछ राज्यों में मामले बढ़ रहे हैं, उससे हमें सतर्क रहना है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में टीकाकरण ने बहुत अहम भूमिका निभाई है। यह बैठक ऐसे समय में हुई है, जब भारत में पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के 2,927 नए मामले आए। इसके साथ ही देश में कोरोना वायरस से अब तक संक्रमित हो चुके लोगों की संख्या बढ़कर 4,30,65,496 हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह आठ बजे जारी आंकड़ों के अनुसार भारत में संक्रमण से 32 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,23,654 हो गई है। देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 16,279 हो गई है, जो कुल मामलों का 0.04 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक संक्रमण की दैनिक दर 0.58 प्रतिशत और साप्ताहिक दर 0.59 प्रतिशत है जबकि कोविड-19 से मृत्यु दर 1.22 प्रतिशत है। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 188.19 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी है।

दिल्ली और लखनऊ के बीच 10 मई से दौड़ेगी डबल डेकर ट्रेन

नई दिल्ली। दिल्ली और लखनऊ के बीच 10 मई से डबल डेकर ट्रेन की सुविधा उपलब्ध होगी। रेलयात्रियों की सुविधा के लिए यह ट्रेन सप्ताह में चार दिन चलाई जाएगी। उत्तर रेलवे के प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि रेलगाड़ी संख्या 12583 लखनऊ-आनंद विहार टर्मिनल डबल डेकर लखनउ से सुबह 4.55 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन दोपहर 12.55 बजे आनंद विहार पहुंचेगी। वहीं रेलगाड़ी संख्या 12584 आनंद विहार टर्मिनल से दोपहर 2.05 बजे रवाना होकर उसी दिन रात्रि 10.30 बजे लखनऊ पहुंचेगी। यह ट्रेन सप्ताह में 4 दिन (मंगलवार, गुरुवार, शुक्रवार और रविवार) चलेगी। इसका ठहराव बरेली, मुरादाबाद तथा गाजियाबाद स्टेशन पर होगा।

एमसीडी की लापरवाही से भलस्वा डंप यार्ड में लगी आग, मामले की होगी जांच : राय

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि राजधानी के भलस्वा डंप यार्ड में लगी आग के लिए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) जिम्मेदार है। मंत्री ने बुधवार को मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि इस मामले की जांच कराई जाएगी और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। राय ने कहा कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (डीपीसीसी) को 24 घंटे में जांच कर रिपोर्ट जमा करने का आदेश दिया है। राय ने कहा कि पिछले दिनों गाजीपुर लैंडफिल साइट पर आग लगी थी और बीते मंगलवार

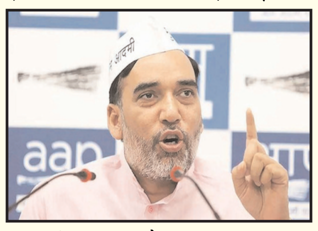

शाम को भलस्वा लैंडफिल साइट पर आग लगी। इससे साफ है कि भ्रष्टाचार मे डूबी दिल्ली नगर निगम ने कूड़े के निस्तारण को लेकर अभी तक कोई काम नहीं किया है। इनकी लापरवाही से दिल्ली में कूड़े के पहाड़ खड़े हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि भलस्वा लैंडफिल साइट पर कल शाम आग लग गई थी। जिसको लेकर आम आदमी पार्टी ने एमसीडी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आप का कहना है कि बीते 15 वर्षों में एमसीडी की लापरवाही से दिल्ली में कूड़े के पहाड़ बन गए हैं। इसके निस्तारण को लेकर भाजपा शासित निगम के पास कोई ठोस योजना नहीं है।

दिल्ली के बवाना में दो लोगों की सीवर में गिरने से मौत

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के बवाना इलाके में बालाजी चौक के पास दो लोगों की सीवर में गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। सूचना पर दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और दोनों को बाहर निकालकर अस्पताल भेजा जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों का नाम चितरंजन और अब्दुल कलाम बताया जा रहा है। दमकल विभाग के एक अधिकार ने बताया कि बुधवार सुबह 11:25 बजे बवाना इलाके में बालाजी चौक पर गंगा टोली मंदिर के पास बचाव के बारे में एक कॉल प्राप्त हुई जिसके बाद तुरंत दो दमकल की गाड़ियों को घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया। यहां पहुंचे ही बचावा टीम ने सीवर में गिरे दो लोगों को बाहर निकाला और घायल अवस्था में उन्हें महर्षि बाल्मीकि अस्पताल भेजा गया। यहां पर डॉक्टरों ने उन दोनों को मृत घोषित कर दिया। इससे पहले, बीते 29 मार्च को संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर में सीवर से गुजर रही टेलीफोन केबल की मरम्मत करने उतरे तीन मजदूरों समेत चार लोगों की मौत हो गई थी। मृतकों में दो मजदूर थे जो एमटीएनएल के कॉन्ट्रैक्ट पर सीवर लाइन में तार बिछाने का काम कर रहे थे। वहीं, एक ठेकेदार सुरेश और एक रिक्शा चालक सतीश था जो घटना के वक्त वहीं मौजूद था। जानकारी के अनुसार, जब मजदूर सीवर लाइन के अंदर फंस गए तो सतीश इनकी आवाज सुनकर उनको बचाने के लिए आया और वह भी इस हादसे का शिकार बन गया।

सत्य साईं बाबा ने अध्यात्म को मानव सेवा से जोड़ने का अनूठा काम किया : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को फिजी में श्री सत्य साई संजीवनी चिल्ड्रन हार्ट हॉस्पिटल के उद्घाटन कार्यक्रम में कहा कि सत्य साईं बाबा ने अध्यात्मवाद को कर्मकांडों से मुक्त किया और इसे लोगों के कल्याण से जोड़ने का अनूठा काम किया है। उन्होंने इस अस्पताल को दोनों के बीच पारस्परिक रिश्तों और प्रेम का प्रतीक बताते हुए कहा कि ये भारत और फिजी की साझा यात्रा का एक और अध्याय है। प्रधानमंत्री मोदी वीडियो संदेश के माध्यम से उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें बताया गया कि चिल्ड्रन हार्ट हॉस्पिटल न सिर्फ फिजी में बल्कि पूरे दक्षिण प्रशांत क्षेत्र में पहला चिल्ड्रन हार्ट हॉस्पिटल है। एक ऐसे क्षेत्र के लिए, जहां हृदय से जुड़ी बीमारियां बड़ी चुनौती हों, ये अस्पताल हजारों बच्चों को नया जीवन देने का माध्यम बनेगा। उन्होंने इस बात से संतोष व्यक्त किया कि यहां हर बच्चे को न केवल विश्व स्तरीय इलाज दिया जाएगा, बल्कि सभी सर्जरी भी मुफ्त की जाएगी। प्रधानमंत्री ने श्रद्धांजलि श्री सत्य साईं बाबा को नमन करते हुए कहा कि मानवता की सेवा के लिए उनके द्वारा रोपा गया बीज आज वटवृक्ष के रूप में लोगों की सेवा कर रहा है। दो दशक पहले गुजरात में आये भूकंप के दौरान बाबा के अनुयायियों द्वारा पीड़ितों की सेवा का उल्लेख करते हुए कहा कि गुजरात के लोग उसे कभी भूल नहीं सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे स्वयं को सौभाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें सत्य साईं बाबा का सान्निध्य मिलता रहा। परोपकार को सज्जनों की शक्ति बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मानव मात्र की सेवा, जीव मात्र का कल्याण यही हमारे संसाधनों का एक मात्र उद्देश्य है। इन्हीं उद्देश्यों पर भारत और फिजी की साझी विरासत खड़ी हुई है। इन्हीं आदर्शों पर चलते हुए कोरोना महामारी जैसे कठिन समय में भी भारत ने अपने कर्तव्यों का पालन किया है। 'वसुधैव कुटुंबकम' यानि पूरे विश्व को अपना परिवार मानते हुए भारत ने दुनिया के 150 देशों को दवाएं भेजी, जरूरी सामान भेजा, अपने करोड़ों नागरिकों की चिंता के साथ-साथ भारत ने दुनिया के अन्य देशों की भी चिंता की। हमने करीब 100 देशों को 100 मिलियन वैक्सीन भेजी हैं। इस प्रयास में फिजी को भी अपनी प्राथमिकता में रखा। प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के बीच गहरे संबंधों का हवाला देते हुए कहा कि दोनों देशों को अलग करने वाले विशाल महासागर के बावजूद, हमारी संस्कृति ने हमें जोड़े रखा है और हमारे संबंध आपसी सम्मान और लोगों के बीच मजबूत संबंधों पर आधारित हैं। उन्होंने भारत को फिजी के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान करने के अवसर मिलने के विशेषाधिकार को स्वीकार किया। प्रधानमंत्री मोदी ने आज फिजी के प्रधानमंत्री फ्रैंक बैनीमारामा को उनके जन्मदिन पर बधाई दी और उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में दोनों देशों के बीच संबंध और मजबूत होते रहेंगे।

किसानों की आमदनी में दो से दस गुना तक हुई बढ़ोतरी : तोमर

नई दिल्ली। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि बीते छह से सात वर्षों में किसानों की आय में दो से दस फीसदी का इजाफा हुआ है। तोमर ने बुधवार को दिल्ली में 'किसान भागीदारी प्राथमिकता हमारी' कार्यक्रम के तहत फसल बीमा पाठशाला को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतिशील किसानों को गांव-गांव जाकर किसानों को खेती के प्रति जागरूक करना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों के उत्पाद का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर भुगतान किया जा रहा है। तोमर ने कहा कि एक समय देश में खाद्यान्न का अभाव था। लेकिन अब देश में जरूरत से अधिक अनाजों का पैदावार हो रह है और बागवानी फसलों का रिकार्ड उत्पादन हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश से 04 लाख करोड़ रुपये मूल्य से अधिक के कृषि उत्पादों का निर्यात किया जा चुका है। यह सब किसानों के अथक मेहनत से ही संभव हो पाया है। तोमर ने कहा कि वर्ष 2016 में किसानों के आर्थिक हितों को ध्यान में रखकर शुरू की गई प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी फसल बीमा योजना है। जिसका सीधा लाभ देश के करोड़ों किसानों को प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत फसल बीमा पॉलिसियों के वितरण अभियान "मेरी पॉलिसी, मेरे हाथ" का शुभारंभ गत 26 फरवरी को होने के बाद 15 अप्रैल तक 1.80 करोड़ आवेदकों को पॉलिसी वितरण किया गया। उल्लेखनीय है कि इस कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री तोमर ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के मुद्दे पर बातचीत की। इस दौरान जबलपुर मध्यप्रदेश के एक किसान राम पूजन पटेल ने मंत्री को बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में प्रीमियम के तौर पर 2,232 रुपए जमा किया और फसल के नुक्सान पर उन्होंने बीमा के तौर पर 61,474 रुपए प्राप्त किए।

भारत से अपने कारोबार समेट रहे हैं वैश्विक ब्रांड : राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार के 'हेट इन इंडिया' के कारण वैश्विक ब्रांड देश से धीरे-धीरे अपने कारोबार समेट रहे हैं। मोदी सरकार आने के बाद से सात वैश्विक ब्रांडों ने अपना कारोबार देश से समेट लिए। राहुल ने कहा कि यहां 09 फैक्ट्रियां बंद हुई 649 डीलरशिप समाप्त हो गए और 84,000 नौकरियां चली गईं। राहुल ने बुधवार को ट्वीट कर मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि "हेट-इन-इंडिया और मेक-इन-इंडिया एक साथ नहीं रह सकते"। राहुल ने कहा कि बीते कुछ वर्षों में जिस तरह से वैश्विक ब्रांडों ने भारत से अपने कारोबार समेटे हैं वह चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में शेवरले ने देश से अपना कारोबार समेटा, वर्ष 2018 में मैन ट्रक्स, 2019 में फिएट और यूनाइटेड मोटर्स, 2020 में हार्ले डेविडसन, 2021 में फोर्ड और 2022 में डैटसन कंपनी ने भारत में अपना कारोबार बंद कर दिए। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने मंगलवार को भी रोजगार के मुद्दे पर भारत सरकार पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि 75 सालों में पीएम मोदी देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिनके मास्टर स्ट्रोक से 45 करोड़ से अधिक लोग नौकरी पाने की उम्मीद ही छोड़ चुके हैं।

'आप' ने भाजपा कार्यालय पर किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने भाजपा की अवैध वसूली के खिलाफ बुधवार को भाजपा कार्यालय पर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी के तीनों एलओपी और हजारों कार्यकर्ताओं ने भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आम आदमी पार्टी का कहना है कि भाजपा के लोग दिल्लीवालों को धमका रहे हैं कि हमें पैसे दो, नहीं तो तुम्हारा घर तुड़वा देंगे। लेकिन आम आदमी पार्टी दिल्लीवालों के साथ है और भाजपा को दिल्ली में ऐसी गुंडागर्दी करने नहीं देगी। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि पूरी दिल्ली से हमें शिकायतें आ रही हैं कि भाजपा के नेता दिल्ली के सभी घरों में कमी निकाल रहे हैं। किसी से कह रहे हैं कि आपके घर में यह समस्या है, छज्जा गलत बनवाया है, नाली खुली हुई है। यदि आपको अपना घर नहीं तुड़वाना है तो हमें इतना पैसा दो, अन्यथा आपके घर पर बुलडोजर चलवा देंगे। आज इन्होंने तीन वार्ड में उगाही का काम शुरू कर दिया है। 15 सालों से एमसीडी में भाजपा है।

नॉर्थ एमसीडी के नेता प्रतिपक्ष विकास गोयल ने कहा कि भाजपा पूरी तरह से भारतीय गुंडा पार्टी बन चुकी है। भाजपा के सभी नेता, चाहे वह प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता हों, उनके पार्षद हों, स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन हों, उनके जोन के चेयरमैन हों, जिस प्रकार से वह लोग दिल्लीवालों को डरा-धमका रहे हैं कि हमें पैसे दो नहीं तो आपका घर तोड़ दिया जाएगा। दुकानों को कन्वर्जन शुल्क, हाउस टैक्स के नोटिस भेजे जा रहे हैं और उसकी आड़ में अवैध उगाही की जा रही है। इसलिए आम आदमी पार्टी सड़कों पर उतरी है। साउथ एमसीडी के नेता प्रतिपक्ष प्रेम चौहान ने कहा कि जिस प्रकार भाजपा ने बुलडोजर की राजनीति शुरू की है, वह बिल्कुल गलत है। पहले खुद अवैध निर्माण करवाए और अब उन्हीं लोगों को बुलडोजर की धमकी देकर फिर से उगाही करने में लगे हुए हैं। यह काम तो तभी करवाना चाहिए था जब अवैध निर्माण हो रहे थे लेकिन तब तो उगाही का लालच था। यदि आपको बुलडोजर चलाना ही है तो गरीबों के घरों पर नहीं बल्कि भाजपा के नेताओं के घरों पर चलाना चाहिए। इसी क्रम में ईस्ट एमसीडी के नेता प्रतिपक्ष मनोज त्यागी ने कहा कि उगाही के लालच में भाजपा ने पूरी दिल्ली में कोहराम मचाकर रखा हुआ है। आम आदमी पार्टी मांग करती है कि अवैध निर्माण होने देने के लिए भाजपा के तमाम नेता सामूहिक रूप से दिल्ली की जनता से माफी मांगे।

केंद्रीय विद्यालयों में कक्षा एक में दाखिले की न्यूनतम उम्र सीमा 6 साल बरकरार

– सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की न्यूनतम उम्र तय करने के खिलाफ याचिका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय विद्यालयों में आगामी सत्र के लिए कक्षा एक में दाखिले के लिए न्यूनतम उम्र 6 साल तय किए जाने के नियम के खिलाफ दायर याचिका बुधवार को खारिज कर दी। जस्टिस संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली बेंच ने दिल्ली हाई कोर्ट के सिंगल बेंच के आदेश के खिलाफ दायर याचिका को खारिज करने का आदेश दिया। याचिका एक नाबालिग छात्र रियानिश रविंद्र श्रीपाद के पिता ने दायर की थी। दिल्ली हाई कोर्ट की सिंगल बेंच ने 11 अप्रैल को अपने फैसले में केंद्रीय विद्यालयों में आगामी सत्र के लिए कक्षा एक में दाखिले के लिए न्यूनतम उम्र 6 साल तय किए जाने के नियम के खिलाफ दायर याचिका खारिज की थी। सिंगल बेंच के आदेश के खिलाफ कई याचिकाकर्ताओं ने डिवीजन बेंच का दरवाजा खटखटाया था। डिवीजन बेंच ने भी याचिकाकर्ताओं की याचिका खारिज कर दी थी। केंद्रीय विद्यालय संगठन ने हाईकोर्ट में दाखिल हलफनामे में कहा था कि कक्षा एक में दाखिले की न्यूनतम उम्र सीमा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मुताबिक होनी चाहिए। कक्षा एक में दाखिले की न्यूनतम उम्र पांच साल से बढ़ाकर छह साल करने से शिक्षा के अधिकार कानून का कोई उल्लंघन नहीं होता है। केंद्र सरकार ने केंद्रीय विद्यालय में कक्षा एक में दाखिले की न्यूनतम उम्र सीमा पांच से बढ़ाकर छह साल और अधिकतम आयु सीमा सात से बढ़ाकर आठ साल करने के आदेश का बचाव करते कहा था कि ये राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत किया गया है। केंद्र सरकार ने कहा था कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को हर केंद्रीय विद्यालय को लागू करना अनिवार्य है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का पैराग्राफ 4.1 के मुताबिक 5 3 3 4 का प्रावधान किया गया है। इसके तहत तीन से आठ साल तक फाउंडेशन चरण होगा। पहला तीन साल आंगनवाड़ी या प्री-स्कूल का, दो साल प्राइमरी स्कूल का जैसे कक्षा एक से दो तक।

कोरोना के बढ़ते मामलों पर गंभीर नहीं केजरीवाल सरकार : नेता प्रतिपक्ष

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि राजधानी दिल्ली में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं लेकिन दिल्ली की केजरीवाल सरकार इसको लेकर गंभीर नहीं है। बिधूड़ी ने बुधवार को एक बयान जारी कर कहा कि मार्च के पहले सप्ताह में दिल्ली में पॉजिटिविटी रेट आधा प्रतिशत से भी कम हो गया था और प्रतिदिन आने वाले मामले भी 100 से कम हो गए थे लेकिन अब मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है और पॉजिटिविटी रेट फिर से 5 प्रतिशत से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि मंगलवार को राजधानी में 1200 से अधिक नए कोरोना के मरीजों का पता चला। जिसका अर्थ यह है कि कोरोना पर काबू पाने के प्रयासों में सफलता नहीं मिल रही बल्कि दिल्ली चौथी लहर की तरफ बढ़ रही है। ऐसे में दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री कहते हैं कि स्थिति सामान्य है। बिधूड़ी ने सवाल उठाया है कि क्या सरकार को तभी चिंता होगी, जब लोगों को अस्पतालों में दाखिल होने की नौबत आ जाए? आखिर सरकार इससे पहले एहतियाती कदम क्यों नहीं उठा रही? उन्होंने कहा कि ज्यादातर स्कूलों से बच्चों, शिक्षकों और अन्य स्टाफ के कोरोना से संक्रमित होने की खबरें आने लगी हैं। सरकार ने नई गाइडलाइंस बनाई हैं लेकिन जिन बच्चों को अभी तक वैक्सीन नहीं लग पाई, उन्हें क्यों खतरे में डाला जा रहा है। उनके लिए ऑनलाइन क्लास की व्यवस्था क्यों नहीं की गई? बिधूड़ी ने कहा कि पिछली तीन लहरों में सरकार की लापरवाही के कारण हालात लगातार बिगड़ते रहे हैं। कम से कम इस बार तो सरकार समय पर एहतियाती कदम उठाए ताकि दिल्ली कोरोना के कहर से बच सके।

प्रधानमंत्री अगले महीने जर्मनी, डेनमार्क और फ्रांस की तीन दिवसीय यात्रा पर जायेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 02-04 मई को जर्मनी, डेनमार्क और फ्रांस की आधिकारिक यात्रा करेंगे। इस वर्ष यह प्रधानमंत्री की पहली विदेश यात्रा होगी। बर्लिन में प्रधानमंत्री जर्मनी के चांसलर ओलाफ स्कोल्ज के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। दोनों नेता भारत-जर्मनी अंतर-सरकारी परामर्श (आईजीसी) के छठे संस्करण की सह-अध्यक्षता भी करेंगे। अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री और चांसलर स्कोल्ज संयुक्त रूप से एक बिजनेस कार्यक्रम को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री जर्मनी में भारतीय समुदाय को संबोधित करेंगे और उनके साथ बातचीत करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार 2021 में भारत और जर्मनी ने राजनयिक संबंधों की स्थापना के 70 साल पूरे होने का जश्न मनाया था। दोनों देश 2000 से रणनीतिक साझेदार हैं।

प्रधानमंत्री की यात्रा व्यापक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने और दोनों सरकारों के लिए आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का एक अवसर होगी। इसके बाद प्रधानमंत्री डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेट फ्रेडरिक्सन के निमंत्रण पर आधिकारिक यात्रा पर कोपेनहेगन जायेंगे। वह डेनमार्क द्वारा आयोजित किए जा रहे दूसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे। प्रधानमंत्री भारत-डेनमार्क व्यापार मंच में भी भाग लेंगे और भारतीय समुदाय को भी संबोधित करेंगे। दूसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री अन्य नॉर्डिक देशों के नेताओं - आइसलैंड की प्रधानमंत्री कैटरीन जैकोब्दोतिर, नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर, स्वीडन की प्रधानमंत्री मैग्डेलेना एंडरसन और फिनलैंड की प्रधानमंत्री सना मारिन के साथ भी बातचीत करेंगे। शिखर सम्मेलन में महामारी के बाद आर्थिक सुधार, जलवायु परिवर्तन, नवाचार और प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, विकसित वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य और आर्कटिक क्षेत्र में भारत-नॉर्डिक सहयोग जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। पहला भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन 2018 में स्टॉकहोम में हुआ था। प्रधानमंत्री 04 मई को अपनी वापसी यात्रा पर थोड़े समय के लिए पेरिस में रुकेंगे और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात करेंगे। भारत और फ्रांस इस साल अपने राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष मना रहे हैं और दोनों नेताओं के बीच बैठक सामरिक साझेदारी का एक अधिक महत्वाकांक्षी एजेंडा निर्धारित करेगी।

दिल्ली में भाजपा ने बदला मोहम्मदपुर गांव का नाम

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली इकाई ने बुधवार को बताया कि उन्होंने दक्षिण दिल्ली के मोहम्मदपुर गांव का नाम बदलकर माधवपुरम कर दिया है। उनका कहना है कि आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने दक्षिण दिल्ली नगर निगम के प्रस्ताव पर कार्रवाई नहीं की थी। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ गांव के प्रवेश द्वार पर 'माधवपुरम में आपका स्वागत है' लिखा हुआ एक बोर्ड लगाया। गुप्ता ने अपने आधिकारिक ट्विटर पर कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा मोहम्मदपुर गांव के नामकरण का प्रस्ताव निगम में पास होने के बाद आज गांव के नामकरण की प्रक्रिया को पूरा किया। अब से यह गांव मोहम्मदपुर की जगह माधवपुरम नाम से जाना जाएगा। आजादी के 75 वर्ष बाद भी गुलामी का कोई प्रतीक चिह्न हमारा हिस्सा हो, ये कोई भी दिल्लीवासी नहीं चाहता।

सम्पादकीय

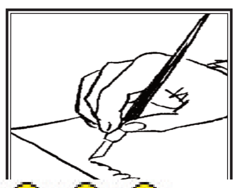

सोशल मीडिया और मृगतृष्णा

आज हर कोई किसी न किसी रूप में सोशल मीडिया के इर्द-गिर्द चहलकदमी करता नजर आता है। दुनिया की बड़ी आबादी विशेषकर नई पीढ़ी सोशल मीडिया के किसी न किसी प्लेटफार्म की उपभोक्ता बन चुकी है। सोशल मीडिया हमारे जीवन पर हावी होता जा रहा है। स्मार्ट होती दुनिया में हर कोई स्मार्ट फोन के सहारे घर अथवा पार्क में अकेला बैठकर भी पूरी दुनिया से जुड़ना चाहता है। प्रसिद्ध होना चाहता है। अपने मनोरंजन अथवा पसन्द आने वाले फीचर्स को देखना और सुनना चाहता है। अब इस बात को किसी भी सूरत में नकारा नहीं जा सकता है कि सोशल मीडिया जीवन का हिस्सा बन चुका है। लेकिन सोशल मीडिया के इस चकाचौंध से दूरी भी बहुत जरूरी है, अन्यथा हम सोशल मीडिया के चक्रव्यूह में कब उलझ कर रह जाएंगें, यह पता ही नहीं चलेगा। सोशल मीडिया के उपयोग की अपनी सीमाएं और मयार्दाएं हैं, जिसका ज्ञान और पालन बहुत ही जरूरी है, नहीं तो घर, परिवार, समाज और देश विघटित हो जाएगा। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर व्हाट्सऐप, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, लिंक्डइन, स्नैपचैट, यूट्यूब सहित कई तमाम अनगिनत वेबसाइटें सोशल मीडिया का ही रूप है। जहां हमें एक बार प्रवेश के बाद देखते-देखते सुबह से दोपहर, दोपहर से शाम और शाम से रात कब हो जाती है, इसका पता ही नहीं चलता है। अमूमन देखने में आता है कि प्रतिदिन पांच घंटे से भी अधिक का हमारा अमूल्य समय हाथ से रेत की तरह फिसल कर चला जाता है और हम हाथ मलते ही रह जाते हैं। सोशल मीडिया की मृगतृष्णा में हर कोई वन के मृग की तरह फंसता और भटकता जा रहा है। सोशल मीडिया के अधिक उपयोग के चलते हमारी आंखों और दिमाग पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। सोशल मीडिया की वर्चुअल दुनिया में जकड़े रहने से परिवारों का विघटन, पति-पत्नी में आपसी कलह, डिप्रेशन, मानसिक तनाव के मामले सामने आ रहे हैं। सोशल मीडिया के दुष्परिणाम के रूप में विकृत मानसिकता उभर कर सामने आई है, इससे अपराध भी बढ़ रहे हैं। साइबर बुलिंग, हैकिंग, हेट स्पीच, डेटा चोरी, राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अपराधों का खतरा बढ़ता जा रहा है। लोग बिना किसी जांच-पड़ताल के मुद्दों को जाति, धर्म, संप्रदाय में बांट कर वास्तविकता और संविधान की मूल भावना को दरकिनार करके असभ्य एवं अमर्यादित भाषा में टिप्पणी करने लगते हैं। युवा किताबों से दूर होकर प्रायोजित खबरों के मकड़जाल में फंसकर भ्रमित हो रहे हैं। वहीं सोशल मीडिया का एक सकारात्मक पक्ष भी है कि सकारात्मक भूमिका से किसी भी व्यक्ति, संस्था, समूह और देश आदि को आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक तथा राजनीतिक रूप से समृद्ध बनाया जा सकता है। सोशल मीडिया के माध्यम से आज का युवा जहां अपने करोबार को नई ऊंचाइयां दे रहा है, वहीं आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक, शैक्षिक आदि क्षेत्रों से जुड़े लोग भी अपने सपनों को साकार कर रहे हैं। सोशल मीडिया का अधिक उपयोग युवाओं को डिप्रेशन की तरफ ले जा रहा है। कितने शेयर और कितने लाइक्स की चिंता युवाओं को मानसिक रूप से प्रभावित करती है। ऑनलाइन ट्रोलिंग आजकल एक आम बात हो गई है। ट्रोलिंग के चलते कितने युवा डिप्रेशन और तनाव का शिकार हो रहे है। आज जहां युवा पीढ़ी को सोशल मीडिया के उपयोग के प्रति पूर्ण रूप से सजग रहना है, वहीं नई पीढ़ी अर्थात बच्चों को भी सोशल मीडिया से दूर रखना इस दौर की सबसे बड़ी चुनौती है। इसका हम सबको विशेषकर अभिभावकों को चिंतन-मंथन करते हुए सामना करना जरूरी हो गया है। यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी सिडनी के शोधकताओं ने फेसबुक, ट्विटर एवं इंस्टाग्राम जैसी साइटों के उपयोग से चिंता, अवसाद, आत्महत्या के लिए उकसाने वाला विचार, साइबर स्टॉकिंग, ईर्ष्या, सूचना अधिभार एवं ऑनलाइन सुरक्षा की कमी सहित 46 प्रकार के हानिकारक प्रभावों का खुलासा किया है। इसके अलावा लोग सुरक्षा और प्राइवेसी की चिंता से भी परेशान रहते हैं। वैश्विक महामारी कोरोना लॉकडाउन में बच्चों की पढ़ाई ऑनलाइन होने से सोशल मीडिया में बच्चों की रुचि बढ़ गई है। बच्चे मूल रूप से इतने परिपक्व नहीं होते है कि सोशल मीडिया में उनके लिए क्या हितकर और क्या अहितकर, यह समझ सकें। ऐसे में सोशल मीडिया का उपयोग करने वाले युवाओं को सचेत होने के साथ-साथ बच्चों का भी विशेष ख्याल रखने की अहम जरूरत है। इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेंस पॉलिसीज एंड पॉलिटिक्स द्वारा यूथ ऑनलाइन लर्निंग आगेर्नाइजेशन एवं सोशल मीडिया मैटर्स संस्थान की सहायता से किए गए सर्वे का निष्कर्ष है कि बच्चों में इंटरनेट पर प्राइवेसी और सुरक्षा सम्बंधित जागरुकता की कमी है।

हिजाब विवाद : मुस्लिमों छात्राओं के साथ एक षड्यन्त्र

लेखक-डॉ विश्वास चौहान /ईएमएस

कर्नाटक में हाईकोर्ट के फैसले के बावजूद हिजाब के मुद्दे (Hijab Row) पर कुछ साम्प्रदायिक कट्टरपन्थियों की असंवेधानिक जिद बरकरार है. कर्नाटक में हाल ही में12वीं कक्षा की दो छात्राओं को उनके परिजनों ने कुछ जाहिल मुल्ले मोलवियों के दबाव में आकर 12 वीं की परीक्षा दिलाने से वंचित करा दिया, क्योंकि माननीय कर्नाटक उच्च न्यायालय के निर्णयानुसार उन्हें विद्यालय ने हिजाब के साथ परीक्षा हॉल में बैठने की अनुमति नहीं दी। कर्नाटक में शासकीय विद्यालयों के ड्रेस कोड को हिन्दू धर्म सहित सभी भारतीय एवम विदेशी मत पन्थों द्वारा मान्य कर अनुशासन पूर्वक पालन किया जाता रहा है। लेकिन एकाएक स्कूल गणवेश या यूनिफार्म के अनुशासन का विरोध कर हिजाब की जिद करने के पीछे पाकिस्तान परस्त भारत विरोधी मुस्लिम एजेंडा पता चला है। जिसके अनुसार पाकिस्तान की मंशा है कि मुस्लिम बच्चियों को शिक्षा से दूर कर भारत के मुस्लिमो को राष्ट्रविरोधी अलगाव वाद की ओर ले जाना है। इस उद्देश्य के लिए कुछ मस्जिदों मदरसों में बैठे कुछ संदिग्ध बांग्लादेशी और पाकिस्तानी मुल्ले मौलवी तथा भारत टुकड़े गैंग के वामपंथी गिरोह कार्य कर रहे हैं। भारत की वर्तमान केंद्र सरकार का मानना है कि एक कन्या पढ़ाने पर पूरा परिवार शिक्षित हो जाता है। कारण यह है कि जहाँ पुरुष स्वयं की जीवन-यापिका पर ध्यान देगा, वही स्त्री बच्चो को शिक्षित, सुरक्षित और सुसंस्कृत करने में अपना ध्यान लगाएगी। सरकार का मानना है कि अगर मुस्लिम समाज को कट्टरपंथी मकडजाल से निकालना है तो उनका आधुनिकीकरण करना चाहिए । उनकी महिलाओ को पढ़ाइये उन्हें देर से विवाह के फायदे के लिए प्रोत्साहित कीजिए। बाकी का कार्य वे स्वयं कर लेंगी। पढ़ी-लिखी महिला देर से विवाह करती है उसे परिवार नियोजन के बारे में जानकारी है वह अपना परिवार छोटा रखती है और दो बच्चो के बीच में कुछ वर्ष का गैप भी मेंटेन कर सकती हैं। इस दृष्टि से अध्ययन करने पर सरकार को पता चला कि मुस्लिम लड़कियों में स्कूल छोड़ने की (ड्रॉपआउट) दर 70 प्रतिशत से अधिक थी और यह स्थिति 70 वर्षों तक बनी रही। इन परिस्थितियों को सुधारने के लिए मोदी सरकार ने स्वच्छ भारत मिशन शुरू किया, गांवों में और स्कूल जाने वाली लड़कियों के लिए स्कूल में शौचालय बनवाए। इस दृष्टि से केन्द्र सरकार द्वारा भारत मे खासतौर से मुस्लिम छात्राओ के लिए निम्नानुसार अन्य कई योजनाएं भी संचालित की गई।

1. मैट्रिक पूर्व छात्रवृत्ति योजना
2. मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति योजना
3. मेरिट सह साधन आधारित छात्रवृत्ति योजना
4. मौलाना आजाद राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति योजना
5. पढ़ो परदेश
6. बेगम हजरत महल राष्ट्रीय छात्रवृत्ति
7. नई मंजिल
8. राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास वित्त निगम की शैक्षिक ऋण योजना
9. प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम

उक्त योजनाओ सहित मोदी सरकार ने 2014-15 से अब तक अल्पसंख्यक विद्यार्थियों के शैक्षिक सशक्तीकरण के लिए 5.01 करोड़ छात्रवृत्ति भी मंजूर की है। इस पर 14 हजार 643 करोड़ रुपए भी खर्च किए गए हैं। इसमें 2.60 करोड़ मुस्लिम छात्राएं भी शामिल है। मोदी सरकार के प्रयासों का परिणाम यह हुआ कि अब मुस्लिम छात्राओ की स्कूल से ड्रॉपआउट दर 70 प्रतिशत से गिरकर लगभग 30 प्रतिशत हो गई है। अभी भी केंद्र सरकार उनकी ड्रॉपआउट दर को कम करने के लिए लगातार काम कर रही है। मोदी सरकार के प्रयासों से यह भी पता चला कि भारत की जनसँख्या वृद्धि दर रिप्लेसमेंट लेवल के नीचे आ गयी है। अर्थात प्रति महिला दो बच्चे हो रहे है (total fertility rate - TFR); जबकि जनसँख्या स्थिर रखने के लिए 2.2 बच्चे होना चाहिए। यहां तक कि मोदी सरकार के प्रयासों से मुस्लिम बहुल लक्षद्वीप में TFR केवल 1.4 एवं केरल में 1.8 रह गया है। बिहार (3), मेघालय (2.9), उत्तर प्रदेश (2.4), झारखण्ड (2.3), और मणिपुर (2.2) को छोड़कर, बाकी राज्यों में जनसँख्या तेजी से गिर रही है। इन राज्यों में भी जनसँख्या का वृद्धि दर अगले दो-तीन वर्ष में 2.2 से कम हो जायेगी। कुछ मुस्लिम कट्टरपंथीयों के मन में कथित "काफिरो" से भी अधिक घृणा अपने समाज की पढ़ी-लिखी महिला के प्रति है। जिसके सेंकडो उदाहरण हैं । आप भी यदि चाहें तो एक बार सोशल मीडिया या टीवी पर बहस देखिए कि किस प्रकार से सुशिक्षित मुस्लिम महिलाये कट्टरपंथियों के विरूद्ध आवाज उठा रही है। यही कारण है कि मुस्लिम बच्चियों को स्कूल न भेजने के लिए इन कुछ मुल्ले मोलवियों के द्वारा स्कूलों के नियमों को शरीयत से जोड़कर भावनाएं भड़काकर मुस्लिम बिटियाओं को शिक्षा से दूर करने का प्रयास हो रहा है। वहीं दूसरी ओर मदरसों की धकेलने का प्रयास हो रहा है। मुस्लिम समाज के समझदार, पढे लिखे तबके को समाज में हिजाब की कुरीति को दूर करने के लिए सामने आना चाहिए , हिजाब की बजाय बिटियाओ की तालीम की तरफदारी करना चाहिए। ताकि मोदी सरकार की मेहनत से मुस्लिम बिटियाओ की ड्राप आउट दर जो 70% से 30% पर आई है वो ओर कम हो सके। देश के विकास शांति सद्भाव में वृद्धि के लिए तथा मुस्लिम समाज सुधार में इन पढ़ीलिखी मुस्लिम बिटियाओ की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। देश मे शरीयत से ऊपर संविधान ही रहेगा, यह बात जितनी जल्दी अलगाववादी मुल्ले मोलवी समझ लें उतना ही उनके लिए ठीक रहेगा।

आज का कार्टून।

बच्चों का टीकाकरण

लेखक-सिद्धार्थ शंकर /ईएमएस

कोरोना फिर से डराने लगा है। इस बार बच्चों को अपने चपेट में ले रहा है। दिल्ली-एनसीआर में ही पिछले 10 दिनों के अंदर संक्रमित होने वालों में 25 से 30 फीसदी बच्चे हैं। कई स्कूलों में बच्चों में संक्रमण के ज्यादा मामले आने का एक कारण वैक्सीनेशन का न होना भी है। 18 साल से ऊपर के ज्यादातर लोगों को वैक्सीन लग चुकी है। बूस्टर डोज भी लगने लगी है, लेकिन छोटे बच्चों का टीकाकरण अभी नहीं हो पाया है। अब तक देश में 187 करोड़ 95 लाख 76 हजार 423 डोज लगाए जा चुके हैं। वहीं, 12-14 साल के बच्चों के मामले में पहले डोज की संख्या 2 करोड़ 70 लाख 96 हजार 975 है। जबकि, 37 लाख 27 हजार 130 दूसरे डोज लगाए गए हैं। कोरोना वायरस से बचाव के लिए बच्चों को नया हथियार मिल गया है। खबर है कि ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने 6-12 आयुवर्ग के लिए कोवैक्सीन की आपातकालीन इस्तेमाल की अनुमति दे दी है। वयस्कों के टीकाकरण में कोविशील्ड के अलावा कोवैक्सीन का भी इस्तेमाल हुआ था। फिलहाल, 15 से 18 साल के बच्चों को यह वैक्सीन दी जा रही है। कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच एक बार फिर बच्चों के टीकाकरण के प्रति ध्यान बढ़ा है। फिलहाल, कॉर्बिवैक्स 12 से 14 साल के बच्चों को दी जा रही है। भारत में 15-18 साल के बच्चों का टीकाकरण जनवरी से शुरू हो गया था। मार्च में इसे 12 साल से ऊपर के बच्चों के लिए भी हरी झंडी दी गई। कॉर्बिवैक्स के बाद कोवैक्सीन की मंजूरी मिलना टीकाकरण की दिशा में किसी बड़े कदम से कम नहीं है। विशेषज्ञ लगातार चेतावनी देते रहे हैं कि कोरोना बच्चों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। इसलिए भी बच्चों का टीकाकरण जरूरी हो गया था। अगर समय रहते बच्चों का टीकाकरण नहीं किया गया तो खतरा सामने खड़ा रहेगा। बच्चों को टीके इसलिए भी जरूरी हैं क्योंकि अब सभी राज्यों में स्कूल-कालेज खुल चुके हैं। जब बच्चे बाहर घरों से बाहर निकलेंगे, तो जाहिर है भीड़ से बचाव संभव नहीं होगा और संक्रमण का खतरा बढ़ेगा। इसलिए जितनी जल्दी 18 से कम उम्र वालों का टीकाकरण होगा, महामारी का जोखिम उतना ही कम किया जा सकेगा। कोविड का प्रकोप कुछ ठंडा पड़ने लगा, तो बहुत सारे लोगों ने मान लिया कि अब महामारी से मुक्ति मिल गई है। सरकार ने भी कोविड संबंधी ज्यादातर सख्त नियम हटा दिए हैं। मगर इसी बीच फिर से कोविड का नया बहुरूप प्रकट हो गया है। कई देशों में यह तेजी से फैल रहा है और खतरनाक भी माना जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने इसे लेकर चिंता जताई और सतर्क रहने को कहा है। उनका कहना है कि हर चार महीने पर कोरोना विषाणु का स्वरूप बदल रहा है, इसलिए किसी भी प्रकार की ढिलाई ठीक नहीं। टीकाकरण अभियान में तेजी लाना ही इसका कारगर उपाय है। ऐसे में हमारे यहां अब इसे लेकर एहतियात बरतने पर जोर बढ़ रहा है। कई राज्यों को सतर्क रहने को कह दिया गया है। इसी क्रम में अब अठारह साल से ऊपर आयु के लोगों के लिए भी एहतियाती खुराक की शुरूआत कर दी गई है। अभी तक अगली धार पर काम करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों और दूसरे कर्मचारियों और साठ साल से ऊपर के लोगों को इसे लगाया जा रहा था। अब तक करीब दो करोड़ चालीस लाख लोग एहतियाती खुराक ले भी चुके हैं। पर अब स्वाथ्य मंत्रालय ने निजी अस्पतालों में छह सौ रुपए का भुगतान कर कोविशील्ड की अतिरिक्त खुराक की मंजूरी दे दी है। अब अठारह साल से ऊपर के लोग भी एहतियाती खुराक ले सकेंगे। हमारे यहां टीकाकरण में काफी तेजी आई है और देश की अधिकतर आबादी को दोनों खुराक लग चुकी है। खुद स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक तिरासी करोड़ से अधिक यानी साठ फीसद से ऊपर लोगों का टीकाकरण पूरा हो चुका है। करीब बहत्तर फीसद लोगों को पहली खुराक दी जा चुकी है। पंद्रह साल से ऊपर के लोगों का टीकाकरण चल रहा है, उसमें भी कम से कम छियानबे फीसद लोगों को पहली खुराक दी जा चुकी है।

राजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, 'अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी।' साइरस मुस्कराए फिर बोले 'आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं।' उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, 'मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।'

सुरक्षा एवं स्वस्थता के लिये विश्व संगठन की जागरूकता जरूरी!

लेखक- डॉ. भरत मिश्र प्राची / ईएमएस)

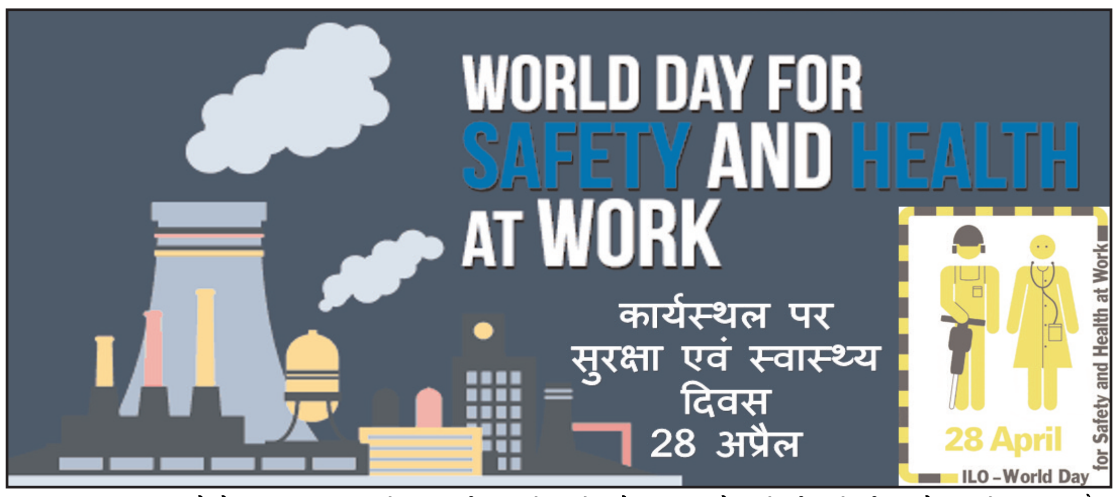

विश्वभर में आज मद में डूबा हुआ मानव नित दिन नये - नये अहितकारी अविष्कार कर स्वयं के साथ - साथ हर जीव के लिये विनाशकारी होता जा रहा है। जहां हर स्तर पर सुरक्षा एवं स्वास्थ्य को खतरा बना हुआ है। आज के समय में विनाशकारी अविष्कार हर एक के लिये खतरनाक साबित हो रहा है। इसका साक्षात उदाहरण अभी हाल ही में विश्वभर में फैली महामारी कोरोना के विभत्स हालात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता जहां अनगिनत काल के गाल में समा गये। जहां अपनों से अपने ही दूर हो गये जो आज तक पास नहीं आ सके। जहां हर स्तर पर सुरक्षा एवं स्वास्थ्य खतरे में पड़ गया। इस तरह के हालात में केवल सजगता हीं काम आई जिसने इस महा संकट काल में सुरक्षा प्रदान कर स्वस्थ्य जीवन का स्वरूप उजागर कर सकी। जहां भी असावधानी रही, कोरोना अपनी चपेट में लेता गया। अमानवीय महामारी कोरोना आने का कारण भी मदमाती रासायनिक अविष्कार का किया गया प्रयोग हीं है जिसने संपूर्ण मानव जाति को संकट में डाल दिया। कई दिनों से जारी महायुद्ध की ओर बढ़ता रूस यूक्रेन युद्ध मानव जाति के साथ - साथ हर जीव के लिये खतरनाक बनता जा रहा है जहां हठ के चलते युद्ध थमने का नाम ही नहीं ले रहा। इस युद्ध में प्रयोग में आ रहे विनाशकारी आधुनिक विस्फोटक बम से प्रदूषित वातावरण आने वाले समय में कोरोना से भी खतरनाक महामारी का संकेत दे रहा है फिर भी विश्व स्तर पर इस दिशा में मानव हित के लिये बने संगठन मौन है। जिसके कारण मानव अहितकारी रूस यूक्रेन का युद्ध निरंतर विनाश की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। आज युद्ध के साथ -साथ आतंकवादी गतिविधियां राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में तेजी से उभरती नजर आ रही हैं।

जहां धार्मिक एवं क्षेत्रवाद के उन्माद को भड़काकर अशांति फैलाने का प्रयास यहां किया जाता रहा है जिसे प्रत्यक्ष / अप्रत्यक्ष रुप से आतंकवादी गतिविधियों को पनाह किसी न किसी रुप में यहां मिलता रहा है । इस तरह के परिवेश विश्व भर में तेजी से उभरते जा रहे हैं, जहां सुरक्षा फिर से खतरे में पड़ती दिखाई दे रही है। निश्चित तौर पर इस तरह की कार्यवाही हर जगह अशांत वातावरण पैदा कर विकास मार्ग से अलग करने की सोची-समझी विश्व-स्तरीय चाल से जुड़ी लगती है। इस तरह की गतिविधियों को निश्चित तौर पर स्वार्थी तत्वों का संरक्षण मिल रहा है। जिनके लिये अर्थ सर्वोपरि है। इस तरह के हालात उन सभी के लिये शोचनीय है, जो मानवहित को सर्वोपरि मानकर चलते हैं। हम सभी है तो राजनीति है, ऐसे हालात में एक-दूसरे पर टीका-टिप्पणी करने के बजाय सभी को मिलजुलकर आतंकवादी से जुड़ी हर गतिविधियों का विरोध करना चाहिए। सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिये इस परिप्रेक्ष्य में की जा रही राजनीति से सभी को गंभीर संकट से गुजरना पड़ सकता है। इस पहलू पर विश्व स्तर पर बने मानवहितकारी संगठन को गंभीरता से विचार करना चाहिए। आज विश्व में हर स्तर पर सुरक्षा एवं स्वास्थ्य को खतरा बना हुआ है।

जिसके कारण कब महाविनाश काल आ जाय, कुछ कहा नहीं जा सकता। विश्व के हर देश के पास रासायनिक परमाणु बम सहित आधुनिक हथियार है। युद्ध की ओर बढ़ते कदम में यदि विश्व के अधिकांश देश उलझ जाएं तो विनाशकरी खतनाक परिणाम को नकारा नहीं जा सकता। इससे पूर्व इतिहास के आइने में झलकते विश्व युद्ध के विनाशकारी परिणाम को परखा जा सकता है जहां वर्षो अपंगता पग पसारती रही। आज के हालात में सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के हित में सजगता बहुत जरूरी है। इस दिशा में विश्व स्तर पर मानव हित में बने संगठन को जागरूक होकर सकरात्मक कदम उठाने की पहल करनी चाहिए जिससे किसी के हठ से पैदा हुये अहितकारी युद्ध को तत्काल रोका जा सके। इस दिशा में विश्व संगठन की सजगता एवं जागरूकता अहितकारी युद्ध एवं आतंकवाद के बढ़ते कदम पर ब्रेक लगा सकती है।

प्रसंगतः दो घड़ी धर्म की

एक नगर में एक धनवान सेठ रहता था। अपने व्यापार के सिलसिले में उसका बाहर आना-जाना लगा रहता था। एक बार वह परदेस से लौट रहा था। साथ में धन था, इसलिए तीन-चार पहरेदार भी साथ ले लिए। लेकिन जब वह अपने नगर के नजदीक पहुंचा, तो सोचा कि अब क्या डर। इन पहरेदारों को यदि घर ले जाऊंगा तो भोजन कराना पड़ेगा। अच्छा होगा, यहीं से विदा कर दूं। उसने पहरेदारों को वापस भेज दिया। दुर्भाग्य देखिए कि वह कुछ ही कदम आगे बढ़ा कि अचानक डाकुओं ने उसे घेर लिया। डाकुओं को देखकर सेठ का कलेजा हाथ में आ गया। सोचने लगा, ऐसा अंदेशा होता तो पहरेदारों को क्यों छोड़ता? आज तो बिना मौत मरना पड़ेगा। डाकू सेठ से उसका माल-असबाब छीनने लगे। तभी उन डाकुओं में से दो को सेठ ने पहचान लिया। वे दोनों कभी सेठ की दुकान पर काम कर चुके थे। उनका नाम लेकर सेठ बोला, अरे! तुम फलां-फलां हो क्या? अपना नाम सुन कर उन दोनों ने भी सेठ को ध्यानपूर्वक देखा। उन्होंने भी सेठ को पहचान लिया। उन्हें लगा, इनके यहां पहले नौकरी की थी, इनका नमक खाया है। इनको लूटना ठीक नहीं है। उन्होंने अपने बाकी साथियों से कहा, भाई इन्हें मत लूटो, ये हमारे पुराने सेठ जी हैं। यह सुनकर डाकुओं ने सेठ को लूटना बंद कर दिया। दोनों डाकुओं ने कहा, सेठ जी, अब आप आराम से घर जाइए, आप पर कोई हाथ नहीं डालेगा। सेठ सुरक्षित घर पहुंच गया। लेकिन मन ही मन सोचने लगा, दो लोगों की पहचान से साठ डाकुओं का खतरा टल गया। धन भी बच गया, जान भी बच गई। इस रात और दिन में भी साठ घड़ी होती हैं, अगर दो घड़ी भी अच्छे काम किए जाएं, तो अठावन घड़ियों का दुष्प्रभाव दूर हो सकता है। इसलिए अठावन घड़ी कर्म की और दो घड़ी धर्म की। इस कहावत को ध्यान में रखते हुए अब मैं हर रोज दो घड़ी भले का काम अवश्य करूंगा।

हरियाणा सरकार कोरोना महामारी की हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार: मनोहर लाल

-मुख्यमंत्री ने कहा- हरियाणा सरकार ने प्रीकॉशन डोज को भी किया मुफ्त

चंडीगढ़, (हि.स.)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रदेश कोरोना महामारी की हर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है। प्रदेश में बेहतर स्वास्थ्य इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया है। इसके साथ-साथ नए मेडिकल स्टॉफ की भर्ती प्रक्रिया भी जारी है। मुख्यमंत्री बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोरोना महामारी को लेकर सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ की गई चर्चा के दौरान बोल रहे थे। इस दौरान उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला व स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि कोरोना जांच, टीकाकरण, उपचार, जागरूकता व स्वास्थ्य सेवाओं का प्रबंधन पर्याप्त मात्रा में जारी है। पिछले एक सप्ताह से दिल्ली से लगते तीन जिलों में कोरोना मरीजों की संख्या में कुछ इजाफा हुआ है। बाकी प्रदेश की स्थिति की बात की जाए तो चार जिलों में शून्य मरीज हैं, जबकि शेष जिलों में मरीजों की संख्या 10 से भी कम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में फिलहाल 1960 कोरोना पॉजिटिव केस हैं, इनमें से 1380 मरीज गुरुग्राम में, फरीदाबाद में 463 और सोनीपत में 27 केस हैं। पूरे प्रदेश में 0.5 प्रतिशत पॉजिटिविटी दर है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि कोरोना टीकाकरण अभियान के अंतर्गत हरियाणा को 4 करोड़ 25 लाख डोज प्राप्त हुई थीं। इसमें से पहली डोज 100 प्रतिशत व दूसरी डोज 88 प्रतिशत लोगों को लगाई जा चुकी है। प्रीकॉशन डोज भी 43 प्रतिशत लोगों को लग चुकी है। इस डोज के लिए 18 से 59 आयु वर्ग में 250 रुपये चार्ज रखा गया था, जिसे हरियाणा सरकार ने मुफ्त करने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 से 18 आयु वर्ग के 72 प्रतिशत को पहली डोज जबकि 42 प्रतिशत को दूसरी डोज लगाई जा चुकी है। 12 से 14 आयु वर्ग के विद्यार्थियों का भी 30 प्रतिशत टीकाकरण किया जा चुका है। बैठक में मुख्य सचिव संजीव कौशल, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव डीएस ढेसी, एसीएस पीके दास, राजीव अरोड़ा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वी.उमाशंकर, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव व सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक डॉ. अमित अग्रवाल, मुख्यमंत्री की अतिरिक्त प्रधान सचिव आशिमा बराड़ व स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

13.5 हजार से बढ़ाकर 20 हजार की जाएगी टेस्टिंग - मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा में फिलहाल साढ़े 13 हजार कोरोना टेस्टिंग हो रही है, इसे बढ़ाकर 20 हजार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पीएम केयर और सीएसआर फंड से 94 आक्सीजन प्लॉट लगाए जा चुके हैं। प्रदेश के अस्पतालों में 58 हजार आइसोलेशन बेड और 15 हजार आक्सीजन बेड मौजूद हैं। केंद्र सरकार ने 602 करोड़ रुपये जो ईसीआरपी फंड उपलब्ध करवाया था, उसमें से 75 प्रतिशत का उपयोग किया जा चुका है। प्रदेश में 1252 मेडिकल अफसरों की भर्ती प्रक्रिया जारी है, 787 कम्यूनिटी हेल्थ अफसर को भर्ती कर लिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में बनाई गई 8 हजार मल्टी डिसिप्लनरी टीम को दोबारा एक्टिव कर दिया है।

अस्पतालों की फायर सेफ्टी ऑडिट करवाएं - कोरोना महामारी को लेकर सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ 24वीं बैठक लेते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दो सप्ताह से राज्यों में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ रही है। हमें इसके लिए सावधान रहने के साथ-साथ लगातार टेस्टिंग, जीनोम सिक्वेंसिंग और कोरोना के अनुरूप व्यवहार राज्यों में लागू करने की जरूरत है, ताकि जनता में किसी तरह का भय न फैले। प्रधानमंत्री ने कहा कि महामारी के दौर में अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच पहले से ज्यादा बेहतर तालमेल बनाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने जल्द से जल्द प्रदेशभर के अस्पतालों में फायर सेफ्टी ऑडिट करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य सचिव को इस संबंध में तत्काल बैठक कर इस पर अमल करने के निर्देश दिए।

हरियाणा में चौथी बार दलित नेता के हाथ में कांग्रेस की कमान

दो साल सात माह में भी संगठन नहीं बना पाई सैलजा
अशोक तंवर भी बगैर संगठन बनाए हुए थे विदा

चंडीगढ़। हरियाणा कांग्रेस ने एक बार फिर से प्रदेश में दलित कार्ड खेलते हुए पार्टी की कमान दलित नेता के हाथों में सौंप दी है। यह चौथा मौका है जब कांग्रेस अध्यक्ष की कुर्सी पर दलित नेता को बिठाया गया है। इस बार फर्क सिर्फ यह है कि यह नेता पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की मर्जी से बने हैं। इससे पहले हाईकमान द्वारा अपनी मर्जी से बिठाए गए कुमारी सैलजा व अशोक तंवर को इस पद पर कामयाबी नहीं मिल सकी है। कुमारी सैलजा 4 अक्टूबर, 2019 को प्रदेशाध्यक्ष बनी थीं। इस बीच वह अभी तक प्रदेश में अपना संगठन नहीं बना पाईं। उनसे पहले डॉ. अशोक तंवर के हाथों में कांग्रेस की कमान थी। प्रदेशाध्यक्ष पद से हटाए जाने के बाद तंवर ने कांग्रेस को ही अलविदा कह दिया था। वे वर्तमान में आम आदमी पार्टी में एक्टिव हैं। तंवर को 14 फरवरी, 2014 को प्रदेशाध्यक्ष बनाया था और वे 4 अक्टूबर, 2019 तक कुर्सी पर रहे। उनसे पहले फूलचंद मुलाना 27 फरवरी, 2007 से 10 फरवरी, 2014 तक प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। उदयभान चार बार विधायक रहे हैं। 1987, 2000 और 2005 में वे हसनपुर हलके से विधायक रहे। 2008 के परिसीमन के बाद हसनपुर सीट खत्म हो गई और उसकी जगह होडल अस्तित्व में आई। उदयभान 2014 में होडल से भी विधायक रहे। 2019 के विधानसभा चुनावों में उदयभान भाजपा प्रत्याशी जगदीश नैय्यर के मुकाबले चुनाव हार गए।

विदेशी नागरिकों के लिए लांच हुआ सु-स्वागतम ऐप

फतेहाबाद, (हि.स.)। विदेश से भारत भ्रमण या शिक्षा ग्रहण करने आने वाले नागरिकों को अब किसी प्रकार की सेवा के लिए विदेशी पंजीकरण कार्यालय के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। उन्हें हर प्रकार की सुविधा ऑनलाइन उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा सु-स्वागतम (विजीट इंडिया) मोबाइल-एप लांच की है। पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह भोरिया ने बुधवार को इस ऐप के बारे में कहा कि जिले में आने वाले विदेशी नागरिक इस एप का लाभ उठा सकते हैं। एसपी ने बताया कि भारत सरकार द्वारा विदेशी नागरिक जो भारत भ्रण पर आते हैं या आना चाहते हैं, उनकी सुविधा के लिए यह एप लांच की है। इसके माध्यम से विदेशी नागरिक अपने भारत भ्रमण को शुरू करने से लेकर अपनी वापसी तक पंजीकरण, समय अवधि बढ़वाने के लिए पंजीकरण, वीजा अवधि बढ़वाने व निकासी परमिट इत्यादि सेवाओं के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के बाद उनका स्टेटस अपने फोन पर चैक किया जा सकता है। एसपी ने बताया कि इस एप के बाद विदेशी नागरिकों को एफआरओ कार्यालय नहीं जाना पड़ेगा और वे इस एप के द्वारा सुविधाजनक तरीके से सेवाओं का लाभ ले सकेंगे। एसपी ने बताया कि फतेहाबाद पुलिस द्वारा जिले में आने वाले विदेशी नागरिकों चाहे वह शिक्षा ग्रहण करने आया हो, यहां शादीशुदा हो, किसी औद्योगिक इकाई में भ्रमण या नौकरी करता हो, को इस एप बारे जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा जिले के सभी होटल मैनेजरों को भी इस एप बारे जानकारी देकर उनके यहां आने-जाने वाले विदेशी नागरिकों को भी इस एप से अवगत करवाने के निर्देश जारी किए गए हैं। इसके अलावा विदेशी पंजीकरण क्लर्क को भी निर्देश दिए गए हैं कि उनके पास जब भी कोई विदेशी नागरिक किसी भी सेवा के लिए आवेदन करता है तो उसे इस मोबाइल एप को उसके मोबाइल में डाउनलोड करने और इस सेवा का लाभ उठाने बारे जानकारी दी जाए। एसपी ने कहा कि यह एप विदेशी नागरिकों के लिए काफी लाभकारी है और जिले में आने वाले विदेशी नागरिकों को इसका लाभ उठाना चाहिए।

हरियाणा कांग्रेस में फेरबदल, हुड्डा के करीबी उदयभान अध्यक्ष मनोनीत

सैलजा समर्थक रामकिशर गुर्जर सहित समेत चार कार्यकारी अध्यक्ष बनें

चंडीगढ़, (हि.स.)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने हरियाणा कांग्रेस का पुनर्गठन कर दिया है। लंबे समय से हाईकमान पर दबाव बना रहे भूपेंद्र सिंह हुड्डा की परोक्ष रूप से कांग्रेस प्रदेश संगठन पर पकड़ मजबूत हो गई है। पार्टी हाईकमान ने हुड्डा समर्थक पूर्व विधायक उदयभान हरियाणा कांग्रेस का नया अध्यक्ष मनोनीत किया है। वह कुमारी सैलजा का स्थान लेंगे। दरअसल, कुमारी सैलजा ने पार्टी में चल रही खींचतान के बीच 10 अप्रैल को सोनिया गांधी से मुलाकात करने के बाद अपने पद से इस्तीफा दिया था। जिसे स्वीकार करते हुए हाईकमान ने आज हरियाणा कांग्रेस में बदलाव कर दिया है। पार्टी हाईकमान ने देश के अन्य राज्यों की तर्ज पर हरियाणा में भी कार्यकारी अध्यक्ष का फामूर्ला लागू कर दिया है। जिसके तहत विधायक दल की पूर्व नेता किरण चौधरी की पूर्व सांसद बेटी श्रुति चौधरी को नंबर एक पर कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। दूसरे कार्यकारी अध्यक्ष सैलजा समर्थक एवं पूर्व मुख्य संसदीय सचिव रामकिशन गुज्जर होंगे। तीसरे नंबर पर हुड्डा समर्थक गुरुग्राम निवासी जिंदर कुमार भारद्वाज को कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी प्रकार चौथे कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में सुरेश गुप्ता को तैनात किया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा प्रदेश अध्यक्ष पद के अलावा दो कार्यकारी अध्यक्षों को भी संगठन की कमान दिलाने में कामयाब हो गए हैं।

हरियाणा के दो आईएएस के खिलाफ मामला दर्ज

-एक-दूसरे की शिकायत पर कार्रवाई, संजीव वर्मा और अशोक खेमका के मुद्दे पर दोफाड़ हुई अफसरशाही

चंडीगढ़, 27 अप्रैल (हि.स.)। हरियाणा पुलिस ने प्रदेश के दो आईएएस अधिकारियों के खिलाफ एक-दूसरे की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। यह पहला मौका है जब दो आईएएस भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भिड़ गए हैं। प्रदेश के गृहमंत्री अनिल विज आईएएस अशोक खेमका का समर्थन कर रहे हैं। अशोक खेमका 1991 बैच और संजीव वर्मा 2004 बैच के आईएएस हैं। संजीव वर्मा ने एक जांच के आधार पर अशोक खेमका के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की सिफारिश की थी। खेमका पर आरोप है कि उन्होंने वेयर हाउसिंग कारपोरेशन में एमडी के पद पर रहते हुए गलत तरीके से भर्ती की थीं। संजीव वर्मा ने इस संबंध में हरियाणा के मुख्य सचिव को भी कार्रवाई के लिए पत्र लिखा था। इसके बाद खेमका ने पंचकूला पुलिस को संजीव वर्मा के खिलाफ एक शिकायत देकर मामला दर्ज करने को कहा। मंगलवार दोपहर गृहमंत्री अनिल विज इस विवाद में कूदे ओर अशोक खेमका के साथ पंचकूला पुलिस आयुक्त कार्यालय पहुंचे। विज ने खेमका की शिकायत पर कार्रवाई के निर्देश दिए। खेमका और विज पंचकूला डीसीपी के दफ्तर भी गए थे। पंचकूला पुलिस ने मंगलवार रात कार्रवाई करते हुए हरियाणा वेयर हाउस कारपोरेशन के एमडी संजीव वर्मा की शिकायत पर अशोक खेमका सहित चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। इसी दौरान अशोक खेमका कि शिकायत पर पुलिस ने संजीव वर्मा के खिलाफ मामला दर्ज किया।

निकाय चुनावों की तैयारियों को लेकर भाजपा नेताओं की बैठक

-जिला प्रभारी जगदीश चौपड़ा ने की चुनावी तैयारियों समीक्षा की

फतेहाबाद, (हि.स.)। निकट भविष्य में होने वाले निकाय चुनावों की तैयारियों को लेकर बुधवार को जिला भाजपा कार्यालय में जिला पदाधिकारियों व मंडल अध्यक्षों की बैठक हुई। इस बैठक में भाजपा के जिला प्रभारी एवं मुख्यमंत्री मनोहर लाल के पूर्व ओएसडी जगदीश चौपड़ा ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष स. बलदेव सिंह ग्रोहा ने की। विशेष अतिथि के रूप में टोहाना निकाय चुनाव के प्रभारी व वरिष्ठ भाजपा नेता श्रीनिवास गोयल, रतिया निकाय चुनाव प्रभारी एवं प्रदेश सचिव सुरेन्द्र आर्य व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भारत भूषण गर्ग ने शिरकत की। जिला प्रभारी जगदीश चौपड़ा ने जिला भाजपा टीम द्वारा चुनावों को लेकर की गई तैयारियों की समीक्षा की तथा पदाधिकारियों मंडलाध्यक्षों को दिशा निर्देश दिए। जगदीश चौपड़ा ने कहा कि किसी समय निकाय चुनावों की घोषणा हो सकती है, इसलिए जिला के सभी पदाधिकारी व मंडल अध्यक्ष अपनी अपनी टीमों के साथ कमर कस लें। निकाय चुनावों में अपने अपने बूथों व शक्ति केन्द्रों के कार्यकताओं को मजबूती प्रदान करें। बूथ व शक्ति केन्द्र प्रमुख अपने अपने उच्च पदाधिकारी के साथ लगातार सम्पर्क बनाए रखें। बूथ मजबूत रहा तो जीत भी मजबूत होगी। इस अवसर पर जगदीश राय शर्मा, शाम कम्बोज, महेश शर्मा, शम्मी ढींगड़ा, सुखविन्द्र गोयल, सुभाष सिवाच, धनंजय अग्रवाल, डा. रणजीत ओड, राखी मक्कड़, बनवारी लाल गहलोत, राजेश जांगड़ा, चंद्रप्रकाश बजाज, जगदीप मोंगा, पवन जैन आदि जिला पदाधिकारी व सभी मंडलों अध्यक्ष मौजूद थे।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स में हरियाणा की खेल संस्कृति प्रतिबिंबित हो : अग्रवाल

Additional Principal Secretary to Chief Minister, Haryana Dr. Amit Agrawal presiding over a review meeting regarding preparations of Khelo India Youth Games-2021 through video conferencing at Chandigarh on April 27, 2022.

चंडीगढ़, (हि.स.)। विश्व में अपनी अनुकूल खेल संस्कृति के लिए विशेष पहचान रखने वाला राज्य हरियाणा, आगामी खेलो इंडिया यूथ गेम्स की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव और सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक डॉ.अमित अग्रवाल ने बुधवार को संबंधित अधिकारियों को खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2021 के आयोजन की तैयारियों में शामिल प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका एवं जिम्मेदारी को परिभाषित करते हुए एक व्यापक योजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह एक मेगा इवेंट है, इसलिए इसके आयोजन में राज्य में बढ़ती खेल संस्कृति प्रतिबिंबित होनी चाहिए। डॉ.अमित अग्रवाल वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2021 की तैयारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। राज्य सरकार 4 जून से 13 जून तक इस कार्यक्रम की मेजबानी करेगी। डॉ. अग्रवाल ने संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रम के सुचारु आयोजन की योजना बनाने में शामिल निजी एवं सरकारी निकायों के बीच बाधामुक्त संचार सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि इस दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रमों एवं आयोजनों का विस्तृत घटनाक्रम तैयार किया जाना चाहिए। आयोजन के प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर दिया जाना चाहिए और पोस्टर्स एवं होर्डिंग को सावधानीपूर्वक ऐसी जगह लगाया जाना चाहिए जहां से उनकी अधिकतम पहुंच सुनिश्चित हो सके। अग्रवाल ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए की जा रही तैयारियों का जायजा लेने के लिए प्रमुख हितधारकों के साथ विस्तृत चर्चा की और उन्हें इससे संबंधित नए सुझाव देने के लिए भी कहा ताकि आयोजन को और अधिक सफल बनाया जा सके। उन्होंने सुझाव दिया इस कार्यक्रम के दौरान हालांकि मुख्य रूप से पंचकूला के अलावा शाहबाद, अंबाला, चंडीगढ़ और दिल्ली में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, लेकिन कुछ प्रचार कार्यक्रमों को उभरते खिलाड़ियों के क्षेत्रों में आयोजित करने की योजना बनाई जा सकती है ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसमें शामिल किया जा सके। डॉ. अग्रवाल ने कहा 8 मई को पंचकूला के इन्द्रधनुष सभागार में खेलो इंडिया यूथ गेम्स का शुभंकर और लोगो लॉन्च किया जाएगा।

दिल्ली दरबार में पहुंचा रेलवे द्वारा मकानों का रास्ता रोकने का मामला

-हाई स्पीड ट्रेनों के लिए सभी रेलवे ट्रैक सुरक्षित बनाने हैं
-नगर निगम का प्रस्ताव सुप्रीम कोर्ट में जवाब दाखिल करने का आधार बनेगा

सोनीपत, (हि.स.)। सोनीपत में रेलवे लाईन के दोनों ओर दीवार खड़ी किए जाने से मकानों का रास्ता बंद होने से बचाने का मामला दिल्ली दरबार में पहुंचा है। एक प्रतिनिधिमंडल को क्षेत्रीय रेलवे प्रबंधक डिंपीगर्ग ने आश्वासन दिया है कि यदि रास्ते के लिए जमीन नगर निगम लीज पर लेने का प्रस्ताव भेजेगी तो उसे रेलवे बोर्ड की मंजूरी के लिए भेज दिया जायेगा। बुधवार को मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन के नेतृत्व में डीआरएम कार्यालय पहुंचे प्रतिनिधिमंडल को डिंपी गर्ग ने सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का हवाला देकर घरों का रास्ता देने से साफ तौर पर इंकार कर दिया। डिंपी गर्ग ने कहा कि दिसंबर 2021 में पूर्व मंत्री कविता जैन जी उनसे मिली थी जिस पर तीन माह का समय गुजर चुका परंतु आवास मालिकों ने अपने मकान पीछे हटा कर रास्ता बनाने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया। डीआरएम डिंपी गर्ग ने कहा कि हमें हाई स्पीड ट्रेनों के लिए सभी रेलवे ट्रैक सुरक्षित बनाने हैं इसलिए रास्ता देने का कोई प्रावधान नहीं हो सकता। राजीव जैन ने डी.आर.एम को सुझाव दिया कि रेलवे जिन शर्तों पर पार्कों व रास्तों की जमीन लीज पर देता है इसी तर्ज पर हम नगर निगम से प्रस्ताव भिजवाने का प्रयास करेंगे। राजीव जैन ने सोनीपत जिले में तीन पार्क तथा घरौंडा में रास्ते के लिए जमीन देने का उदाहरण दिया। राजीव जैन ने मकान मालिकों को घरौंडा नगर पालिका से रास्ते के लिए जमीन लीज पर लेने के कागज निकलवा कर स्थानीय नगर निगम में आवेदन करने का सुझाव दिया। नगर निगम से प्रस्ताव पास करवाने का प्रयास करेंगे ताकि रेलवे प्रशासन को सुप्रीम कोर्ट में जवाब दाखिल करने का आधार मिल सके।

अधिकारी ने मानी मांगे, जनस्वास्थ्य विभाग कर्मियों का आंदोलन स्थगित

फतेहाबाद, (हि.स.)। लंबित मांगों को लेकर ऑल हरियाणा पीडबल्यूडी मैकेनिकल कर्मचारी यूनियन सम्बंधित हरियाणा कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर आंदोलन कर रहे कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल और अधिकारियों के बीच आज बातचीत हुई। कार्यकारी अभियंता मंडल फतेहाबाद जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के लिखित बुलावे पर यूनियन शिष्टमंडल के प्रतिनिधियों की मीटिंग कार्यकारी अभियंता के कार्यालय में हुई। इस बैठक में कर्मचारियों की लंबित पड़ी मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई व कार्यकारी अभियंता के द्वारा कर्मचारियों की सभी मांगों पर पूर्ण सहमति जताई गई और जल्द से जल्द सभी मांगों को पूरा करने का आश्वासन यूनियन शिष्टमंडल को लिखित में मिनट्स ऑफ मिनट्स जारी किए गए। अधिकारी द्वारा दिए गए आश्वासन के बाद यूनियन शिष्ट मंडल द्वारा 3 मई तक दिए जाने वाले धरने को स्थगित करने का फैसला लिया गया। यूनियन के राज्य वरिष्ठ उपप्रधान मुंशीराम कम्बोज ने बताया कि कच्चे कर्मचारियों का लगभग 5 महीने से रुका हुआ वेतनमान तुरंत प्रभाव से ठेकेदारों के खाते में डलवा दिया गया जो 2 दिन के अंदर सभी कर्मचारियों के खाते में डलवा दिया जाएगा। इसके अलावा स्टाफ क्वार्टर नंबर 13 से अवैध कब्जा हटवा कर 3 मई तक इसे कर्मचारी ईश्वर सिंह को अलॉट कर दिया जाएगा। इसके अलावा जिन कर्मचारियों की बरसाती बकाया है, उनके ऑफिस ऑर्डर तुरंत प्रभाव से कर दिए गए। आउटसोर्सिंग पर लगे कर्मचारियों का डाटा कौशल विकास निगम के पोर्टल पर अपडेट कर दिया जाएगा। अधिकारी द्वारा दिए गए आश्वासन से कर्मचारी नेता संतुष्ट नजर आए और उन्होंने इसे कर्मचारियों के संघर्ष की जीत बताया। मीटिंग में हरीचंद कंबोज राज्य सलाहकार, मुंशीराम कंबोज राज्य वरिष्ठ उप प्रधान, शमशेर सिंह कुंडू राज्य उपप्रधान, फकीर चंद सैनी जिला प्रधान, राहुल सैनी, विनोद, रामकरण, पवन, सुरेश शर्मा आदि कर्मचारी नेता उपस्थित रहे।

डीसीपी के नेतृत्व में चलाया गया ओप्रेशन वर्चस्व

धीरज गुप्ता। रियल लाइफ सिंघम के नाम से पहचान रखनें वाले द्वारका जिला के डीसीपी शंकर चौधरी और उनकी टीम के द्वारा क्राइम और क्रिमिनल के खिलाफ चलाए जा रहे ओप्रेशन 'वर्चस्व' के तहत मुहिम चलाई गई। जिसके तहत पिछले 72 घंटे के अंदर16 मुजरिमों को सलाखों में पहूंचाया गया। स्नेचिंग, नशाखोरी, साइबर क्राइम और मर्डर जैसी अलग अलग वारदातों में शामिल सभी मुजरिमों की उम्र लगभग 22 से 35 के बीच है। स्नेचिंग मामले में स्पेशल टीम ने मुजरिम से 11 गोल्ड चैन और एक बाईक बरामद की है। वही नशाखोरी के खिलाफ मुहिम में लगभग 80 किलो गांजा बरामद किया गया है। इसके अलावा वारदात को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले हथियार भी बरामद किए गए।

2.साइबर क्राइमः साइबर क्राइम को रोकने के लिए पिछले दिनों अलग साइबर थाना खोला गया जिसके अंतर्गत साइबर सेल की टीम द्वारा एक साइबर क्राइम का केस भी साल्व किया। जिसमें एक स्टूडेंट ने अपनी टीचर को सबक सिखाने के लिए उनका फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट बना कर उनकी कुछ फोटो उसमें डाल दी और साथ में अपनी टीचर का फोन नंबर भी डाल दिया। जिसके कारण उन्हें कई कॉल आने लगी। जिनसे परेशान होकर टीचर द्वारा साइबर क्राइम में शिकायत दर्ज की। साइबर क्राइम की टीम ने जल्द ही आरोपी को पकड़ लिया जिसके पास से एक मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद कर लिया गया।

3. मर्डर केसः दिल्ली पुलिस की द्वारका जिला टीम द्वारा 24 घंटे के अंदर ही एक मर्डर केस को भी सुलझा लिया गया है । जो की डाबडी थाना के अंतर्गत आता हैं आरोपी को महावीर एनक्लेव से उसकी पत्नी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया और उसके पास से वारदात में इस्तेमाल किए गए चाकू और कपड़ो को भी बरामद कर लिया गया हैं। बढ़ते हुए क्राइम को रोकने के लिए डीसीपी ने 'पंजे पे शिकंजा' ओप्रेशन के तहत खास तौर पर क्रिमिनल्स को एक मैसेज भी पहुंचाने का प्रयास किया है कि क्राइम और क्रिमिनल्स की अब खैर नहीं। क्रिमिनल के साथ साथ उन्हें पनाह देने वाले मकान मालिक और काम देने वाले लोगों पर भी उचित कार्रवाई की जाएगी। कुल मिलाकर सभी वारदातों में एक कॉमन बात जो सामने आई हैं वो यह हैं कि सभी आरोपी युवा वर्ग की उम्र से हैं और सभी कही ना कही नशे की लत और अज्ञानता में शामिल है, जोकि हमारी भावी युवा पीढ़ी के लिए एक चिंता का विषय हैं।

स्वतंत्रता सेनानी जवाहरलाल दर्डा की जन्मशताब्दी पर जारी होगा 100 का स्मारक सिक्का

जयपुर, (हि.स.)। प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और पत्रकार जवाहर लाल दर्डा (बाबूजी) की जन्मशताब्दी के अवसर पर भारत सरकार 100 रुपये का स्मारक सिक्का जारी करने जा रही है। जवाहर लाल दर्डा कांग्रेस पार्टी के एक अनुभवी राजनेता होने के साथ साथ अपने समय के जाने माने पत्रकार भी थे। उन्होनें लोकमत समाचार पत्र की नींव रखी। सिक्कों का संग्रह और अध्ययन करने वाले सुधीर लुणावत के अनुसार जवाहर लाल दर्डा की स्मृति में जारी होने वाले 100 रुपये के सिक्के का कुल वजन 35 ग्राम होगा जिसमे 50 प्रतिशत चांदी, 40 प्रतिशत तांबा, 5 प्रतिशत निकल और 5 प्रतिशत जस्ते का मिश्रण होगा। इस सिक्के की गोलाई 44 मिलीमीटर होगी। सुधीर के अनुसार सिक्के के अग्र भाग पर जवाहर लाल दर्डा के फोटो के ऊपर देवनागरी में जवाहर लाल दर्डा की जन्म शताब्दी लिखा होगा। वही फोटो के नीचे अंग्रेजी में Birth Centetnary of Shri Jawaharlal Darda लिखा होगा तथा फोटो के दाएं और बाएं 1923-2023 लिखा होगा। वही सिक्के के दूसरी तरफ अशोक स्तम्भ के दाएं और बाएं भारत -INDIA लिखा होगा व अशोक स्तम्भ के नीचे अंकित मूल्य 100 लिखा होगा। वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग ने इस सिक्के को जारी करने का गजट नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है। सुधीर के अनुसार 2 जुलाई 2023 को जवाहर लाल दर्डा की जन्म जयंती के दिन इस सिक्के के जारी होने की संभावना है। यह एक स्मारक सिक्का होगा जो कभी भी बाजार में प्रचलन में नही आएगा। जारी होने के बाद भारत सरकार की टकसाल द्वारा एक संग्रहणीय वस्तु की तरह बिक्री किया जाएगा। देश विदेश में बाबूजी के चाहने वाले और सिक्कों के संग्रहकर्ता इसे एक धरोहर के रूप में सहेजकर रखेंगे।

21 जिलों के 55 रॉयल्टी ठेकों की ई-ऑक्शन से नीलामी प्रक्रिया शुरू

जयपुर, (हि.स.)। राज्य सरकार ने खनन पट्टों से निकलने वाले खनिज पर देय राजस्व की वसूली के लिए 21 जिलों के 55 रॉयल्टी ठेकों की ई-प्लेटफार्म पर नीलामी प्रकिया शुरू कर दी है। इससे पहले इसी माह 19 जिलों के 73 रॉयल्टी ठेकों की ई नीलामी प्रक्रिया आरंभ की जा चुकी है। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस, पेट्रोलियम एवं पीएचईडी डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया है कि माइंस विभाग द्वारा जारी खनन पट्टों से निकाले जाने वाले खनिज पर वसूल किए जाने वाले रॉयल्टी कलेक्सन कॉन्ट्रेक्ट (आरसीसी), एक्सेस रॉयल्टी कलेक्सन कॉन्ट्रेक्ट (ईआरसीसी), जिला स्तरीय मिनरल फाउण्डेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी), राज्य स्तरीय मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट (आरएसएमईटी) आदि के लिए दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 295 करोड़ 35 लाख रुपये से अधिक की आरक्षित राशि के इन ठेकों की ई-नीलामी सूचना जारी कर दी गई है। आरसीसी, ईआरसीसी, डीएमएफटी और आरएसएमईटी वसूली के यह ठेकें 21 जिलों के खनि अभियंताओं के क्षेत्राधिकार के हैं। इनमें जयपुर, अजमेर, जोधपुर, बाड़मेर, उदयपुर, सिरोही, नागौर, भीलवाड़ा, पाली, भरतपुर, करौली, बूंदी, चित्तोडगढ़, दौसा, अलवर, डूंगरपुर, राजसमंद, झालावाड, बारां, चुरु व टोंक जिले में स्थित खननपट्टों, क्वारी लाईसेंसों, व परमिट क्षेत्रों में विभिन्न खनिजों की रॉयल्टी आदि वसूली से संबंधित हैं। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि देश-दुनियां में कहीं से भी कोई भी व्यक्ति इस ई-नीलामी प्रक्रिया में हिस्सा ले सके इसके लिए माइंस विभाग ने ई-ऑक्शन की पारदर्शी व्यवस्था से राज्य के 55 रॉयल्टी ठेकों की ई-नीलामी के लिए विभागीय वेबसाइट पर विस्तृत जानकारी के साथ ही भारत सरकार द्वारा प्रधान खनिजों के नीलामी के ऑनलाईन एमएसटीसी पोर्टल पर ई-नीलामी की जानकारी उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने बताया कि ई-ऑक्शन में हिस्सा लेने वाले इच्छुक व्यक्तियों को भारत सरकार के पोर्टल पर पंजीयन कराना होगा वहीं पहले से पंजीकृत व्यक्ति, फर्म या कंपनी को दुबारा पंजीयन की आवश्यकता नहीं होगी। एसीएस डॉ. अग्रवाल ने बताया कि यह ठेके मुख्यतः माइनर मिनरल्स ग्रेनाइट, जिप्सम, मारबल, मेसेनरी स्टोन, क्वार्टज, फैल्सपार, सोपस्टोन, डोलोमाइट, सिलिका सेंड आदि की खानों से आरआरसी, ईआरआरसी, डीएमएफटी, आरएसएमईटी आदि के शुल्क, अधिशुल्क वसूली के लिए दिए जा रहे हैं।

चीन में बर्ड फ्लू के एच3एन8 स्ट्रेन से मानव के संक्रमित होने का पहला केस

बीजिंग, (हि.स.)। दुनिया में कहर बरपा चुके कोरोना की कभी तेज तो कभी धीमी पड़ती रफ्तार के बीच चीन के हेनान प्रांत में बर्ड फ्लू के एच3एन8 स्ट्रेन से मानव के संक्रमित होने का पहला केस सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने इस की पुष्टि की है। आयोग ने कहा है कि इस संक्रमण का लोगों में फैलने का जोखिम कम है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के मुताबिक चार साल के बच्चे में यह स्ट्रेन मिला है। उसे बुखार सहित कई अन्य लक्षण थे। इसके बाद उसके स्वास्थ्य जांच की गई। जांच में वह संक्रमित पाया गया। बच्चे का कोई भी करीबी वायरस से संक्रमित नहीं था। बच्चा अपने घर में पाली गई मुर्गियों और कौवे के संपर्क में आने से संक्रमित हुआ है। स्वास्थ्य आयोग ने कहा कि यह स्ट्रेन घोड़ों, कुत्तों और पक्षियों में पहले ही पाया जा चुका है। लेकिन इस स्ट्रेन से किसी इंसान के संक्रमित होने का ये पहला केस है।

संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी, आने वाले सालों में खतरनाक प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ेगा

वाशिंगटन (ईएमएस)। बीमारियों, प्राकृतिक आपदाओं से परेशान हो चुकी दुनिया को आने वाले सालों में और खतरनाक प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ सकता है। अपनी एक रिपोर्ट में संयुक्त राष्ट्र ने यह बात कही है। संयुक्त राष्ट्र आपदा जोखिम ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि दुनिया 2015 से लगातार हर साल करीब 400 आपदाओं को झेल रही है, जिसकी संख्या 2030 तक बढ़कर 560 होने का अनुमान है। वहीं अगर 1970 से 2000 के बीच की अवधि को देखने पर मध्यम से बड़े स्तर की आपदाओं की संख्या 90 से 100 के बीच थी। इस साल अगर देख तब पिछले साल की तुलना में ज्यादा गर्मी पड़ रही है और इसकी शुरूआत भी जल्दी हो गई है। अगर यही हाल रहा तब 2030 तक आते आते गर्म हवाओं का सिलसिला अपने चरम पर होगा। यह 2001 की तुलना में तीन गुना ज्यादा और सूखा पड़ने में भी 30 फीसदी का इजाफा होगा। जलवायु परिवर्तन की वजह से केवल प्राकृतिक आपदाओं में ही बढ़ोतरी नहीं हो रही है, बल्कि कोविड-19, आर्थिक मंदी, खाद्य समस्या जैसी कई विपदाओं की वजह भी जलवायु परिवर्तन ही है। लोगों को इसका अंदाजा ही नहीं है कि प्राकृतिक आपदाओं के चलते हम कितना नुकसान झेल चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र का कहना है, अगर हमने जल्दी ही इस संतुलित करने की शुरूआत नहीं की, तब आगे जो नुकसान होगा उसकी भरपाई करना या उस संभाल पाना हमारे बस की बात नहीं होगी। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि समाज को आपदाओं के जोखिम से निपटने के लिए आर्थिक स्तर पर भी दोबारा सोचने की जरूरत है, अभी हमारा 90 फीसदी कोष आपाताकालीन मदद के लिए होता है, 6 फीसद पुनर्निर्माण और 4 फीसद आपदा को रोकने पर खर्च होता है। हर तूफान या भूकंप भयानक स्थिति में नहीं बदलता है, अगर सही तरह से योजना बनाई जाए, तब बहुत सारे नुकसान से बचा जा सकता है। 1990 में दुनिया को आपदाओं से करीब 70 बिलियन डॉलर सालाना का नुकसान हुआ था जो अब बढ़कर 170 बिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है। हालांकि अगर जनहानि की बात की जाए, तब उसमें काफी गिरावट आई है, समय रहते चेतावनी जारी हो जाने से जान के नुकसान पर काफी नियंत्रण हुआ है। पिछले पांच सालों में आंकड़े में इजाफा हुआ तब उसके पीछे कोरोना भी एक बहुत बड़ी वजह रही है। इसके अलावा जहां पर यह आपदा आई वहां के लोग इसके आदी नहीं थे, मसलन मोंजेम्बिक में उष्णकटिबंधीय चक्रवात का आना। यही नहीं आपदाओं का एक दूसरे से जुड़ाव भी बड़े नुकसान की वजह बना है, जैसे गर्म हवाओं का चलना और इससे जंगल की आग, जिससे तापमान में बढ़ोतरी और वन्य जीवन का नुकसान। अगर समाज अपने सोचने के तरीके में बदलाव नहीं लाता है और आने वाली आपदाओं के लिए पहले से तैयारी नहीं करके रखता है, तब आपदा के विपदा में बदलने में देर नहीं लगेगी। आपदाएं भी संपन्न देशों के बजाए गरीब देशों पर ज्यादा मार कर रही हैं।चूंकि देश पहले ही आर्थिक रूप से विपन्न है उस पर नुकसान की भरपाई राष्ट्र को बरबादी की कगार पर ला रही है।

यूएन महासचिव से मिले रूसी राष्ट्रपति, पुतिन को यूक्रेन वार्ता का सकारात्मक परिणाम आने की उम्मीद

नई दिल्ली, (हि.स.)। यूक्रेन युद्ध पर विराम लगाने की मंशा के चलते संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस ने मास्को यात्रा के दौरान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस यूक्रेन में चल रहे रूसी आक्रमण के बीच नागरिकों की मदद के लिए मास्को में हैं। मंगलवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने क्रेमलिन की 13 फुट सफेद लंबी मेज पर संयुक्त राष्ट्र के महासचिव गुटेरेस से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि वह चाहते हैं कि यूक्रेन के साथ चल रही वार्ता का सकारात्मक परिणाम निकले। पुतिन ने कहा कि मारियुपोल में स्थिति "कठिन" और "लगभग दुखद" थी। बैठक के दौरान पुतिन ने कहा कि जब रूस का "सैन्य अभियान" चल रहा था। अभी भी "एक राजनयिक चैनल के माध्यम से समझौते होने की उम्मीद है। गुटेरेस ने देश में मानवीय संकट को लेकर चिंता जताई और मानवीय गलियारों के माध्यम से लोगों को बाहर निकालने के लिए कहा। पुतिन से मुलाकात से पहले मंगलवार को गुटेरेस ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की।

इस बैठक के बाद लावरोव ने यूक्रेन के साथ किसी शांति वार्ता करने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि रूस इस चुनौती का कूटनीतिक समाधान निकालना चाहता है। गुटेरेस ने कहा कि यूक्रेन पर हमलों की जांच कराने की उनकी कोई मंशा नहीं हैं। जांच के लिए मानवाधिकार सहित अन्य कई संगठन हैं। सर्गेई लावरोव के इस बयान के सामने आने के बाद गुटेरेस और पुतिन की मुलाकात के दौरान कुछ असाधारण परिणाम निकलने की संभावना कम दिख रही है। मॉस्को में पुतिन से मिलने के बाद गुटेरेस गुरुवार को यूक्रेन की राजधानी कीव का दौरा करेंगे। यहां वह यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ बैठक करेंगे।

ब्रिटेन में शादी के बाद भी महिलाएं नहीं हटा रही सरनेम

लंदन (ईएमएस)। एक सवाल हमेशा से बना रहा है कि शादी के बाद महिला को अपना सरनेम बदलने की जरूरत क्यों है? महिलाओं के आजाद होने के पैमाने क्या हैं? इसके जवाब में ही एक मानक शादी के बाद सरनेम बदलने या ना बदलने की आजादी को भी गिना जाता है। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन में शादी के बाद महिलाओं में अपना सरनेम नहीं हटाने का चलन बढ़ रहा है, ताकि उनकी पहचान बनी रहे। खास बात ये है कि महामारी के दौरान हर साल इस तरह के आवेदनों में 30% का उछाल देखा गया है। आवेदनों में ज्यादातर महिलाएं अपने सरनेम को मिडिल नाम की तरह इस्तेमाल करने की मंजूरी मांग रही हैं। वहीं, पति के सरनेम को उसके बाद लगा रही हैं। अभी कुछ सालों से भारत समेत दुनिया के कई देशों में आमतौर पर पति के नाम के साथ अपना सरनेम लगाने का भी चलन बढ़ा है। खबरों की मानें तो बीते साल ऐसे आवेदनों में खासा उछाल आया है, जो एक दशक में सबसे ज्यादा है। विशेषज्ञ महिलाओं द्वारा अपना सरनेम बनाए रखने के पीछे की वजह लॉकडाउन में महिलाओं को ज्यादा खाली समय मिला। उस समय उन्होंने अपने नए नाम के लिए डॉक्यूमेंट बनवाना शुरू किया। एक और वजह है- महिलाओं में बढ़ती आत्मनिर्भरता और समर्पण की जगह साझेदारी भावना। सेम जेंडर पार्टनर्स ने भी अलग होने के बावजूद मिडिल नेम बनाए रखने के आवेदन किए हैं। उन्होंने अलग-अलग शहरों में रहते हुए भी एक-दूसरे से जुड़ाव बनाए रखने को इसकी वजह बताई है। 10 सालों में ऐसे मामलों की संख्या में बढ़ोतरी तेजी से हुई है। महिलाएं काम को तवज्जो दे रही हैं और कई जगह तो पति से ज्यादा सैलरी पा रही हैं। ऐसे में, शादी के बाद अपना बर्थ नेम हटाकर पति का सरनेम लगाएं या नहीं, इसे लेकर वो खुद फैसला कर रही हैं। ताजा उदाहरण अमेरिकन एक्ट्रेस निकोला पेलत्ज का है। उन्होंने इसी महीने ब्रुकलिन बेकहम से शादी की। अपना सरनेम रखते हुए अपने मूल नाम (निकोला पेलत्ज) को मिडिल नेम बना लिया। अब उनका नाम निकोला पेलत्ज बेकहम हो गया है। मालूम हो कि आज की दुनिया में महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं है, वे अपनी पहचान खुद बना रही हैं।

टूरिस्ट वोट को व्हेल ने नीचे से मारी जबरदस्त टक्कर, पर्यटक हवा में उछले

मैक्सिको सिटी (ईएमएस)। समुद्र तट पर अवकाश का आनंद उठाने का मजा कुछ और ही होता है है। पर छुट्टियों का मजा एक सजा में तब्दील हो जाए तब क्या कहेंगे। मैक्सिको के समुद्री तट पर कुछ ऐसा ही हुआ यहां एक बड़ी व्हेल मछली ने तेज रफ्तार मैक्सिकन टूर बोट को नीचे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि इसके यात्री हवा में उड़ गए। शुक्रवार को मैक्सिको तट पर हुए इस हादसे में तीन बच्चों सहित सात लोग घायल हो गए। घटना का वीडियो भी सामने आया है। हादसे के बाद बोट में सवार तीन लोगों को नौसेना द्वारा अस्पताल ले जाया गया। वीडियो में दिख रहा है कि पानी के अंदर से अचानक व्हेल नाव को टक्कर मार देती है। घटना बाजा कैलिफोर्निया प्रायद्वीप के पूर्वी तट के ला पेज पर हुई है। व्हेल देखने वाले लोगों के लिए यह जगह किसी स्वर्ग से कम नहीं है, इसीलिए दुनियाभर से व्हेल मछलियों को देखने के लिए लोग यहां आते हैं। अधिकारियों का निर्देश है कि टूरिस्ट बोट हर समय समुद्री जानवरों से दूर रहें। बोट अपनी स्पीड लिमिट से ज्यादा थी या नहीं इसकी जांच भी अटॉर्नी जनरल कर रहे हैं। वहीं, आधिकारिक प्रवक्ता बेंजामिन गार्सिया ने कहा कि व्हेल समुद्र के ऊपर आ गई और तभी उसने नाव को चोट मारी, जिसके कारण कुछ यात्री घायल हुए हैं। मैक्सिको नौसेना ने घटना के तुरंत बाद रेसक्यू ऑपरेशन चलाया और घायलों को अस्पताल ले गई। गार्सिया ने आगे कहा कि किस प्रजाति की व्हेल ने नाव को टक्कर मारी है यह स्पष्ट नहीं हो सका है। टक्कर के कारण क्या व्हेल घायल हुई है यह भी नहीं पता चला है। दिसंबर के बाद यहां बड़ी मात्रा में व्हेल देखने को मिलती हैं। यहां हंपबैक्स, ब्लू, ओरका और ग्रे-व्हेल्स दिखती है। बाजा-बे यूनेस्को द्वारा संरक्षित वन्यजीव स्थल है, यानी यहां बड़ी नावों और शिकारियों से व्हेल बची रहती है।

यूक्रेन के परमाणु केंद्रों के लिए कार्यदल स्थापित करेगी आईएईए

कीव, (हि.स.)। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने कहा है कि एजेंसी यूक्रेन के परमाणु केंद्रों में कर्मचारियों के लिए सहायता और समर्थन के लिए कार्यदल की स्थापना करेगी। चेर्नोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र (एनपीपी) के विशेषज्ञ मिशन का नेतृत्व करने वाले ग्रॉसी 26 अप्रैल को यूक्रेन पहुंचे। उन्होंने मंगलवार को ट्वीट कर कहा, "आईएईए यूक्रेन के परमाणु स्थलों को सुरक्षित रखने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे सहायता और सहायक कर्मचारियों के समन्वय के लिए कार्यसमूह का गठन करेगी।" उन्होंने कहा कि विशेषज्ञ पहले ही रेडियोलॉजिकल आकलन करने और सुरक्षा उपायों की निगरानी प्रणालियों को बहाल करने के लिए उपकरणों का पहला बैच यहां ला चुके हैं। ग्रॉसी ने चेर्नोबिल एनपीपी में 36 साल पहले घटित घटना के पीड़ितों की स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि चेर्नोबिल बिजली संयंत्र में 26 अप्रैल, 1986 को दुर्घटना हुई थी। इसे इतिहास में सबसे खौफनाक परमाणु दुर्घटना माना जाता है। उल्लेखनीय है कि यूक्रेन में चार सक्रिय बिजली संयंत्रों में 15 परमाणु रिएक्टर हैं। यहां 1986 के परमाणु त्रासदी का केंद्र रहा चेर्नोबिल संयंत्र भी है। इस त्रासदी में जानमाल की भारी क्षति हुई थी। रूसी सेना चेर्नोबिल और जपोरिजिया में सबसे बड़े सक्रिय बिजली संयंत्र पर नियंत्रण करने में कामयाब रही है।

कराची हमले के बाद पाकिस्तान में चीन के अधिकारियों की सुरक्षा बढ़ाई गई

इस्लामाबाद, (हि.स.)। कराची में फिदायीन हमले के बाद पाकिस्तान सरकार ने मुल्क में संचालित चीन के परियोजना स्थलों और कार्यरत चीन के नागरिकों की सुरक्षा बढ़ा दी है। पाकिस्तान में चीन के नेसकॉम, एनडीसी और एसपीड़ी नियंत्रित कई परियोजनाएं हैं। चीन ने फिदायीन हमले के बाद एमएसएस और एमपीएस के उच्चस्तरीय संयुक्त प्रतिनिधिमंडल को पाकिस्तान का दौरा करने को कहा है। महिला बलूच विद्रोही के कराची हमले के बाद पाकिस्तान में मौजूद चीन के सभी अधिकारियों की सुरक्षा दोगुना बढ़ा दी गई है। बलूच विद्रोहियों के खिलाफ अभियान शुरू करने के लिए चीन अपने खुफिया एजेंट भी भेज रहा है। चीन के दूतावास ने मंगलवार को हमले के फौरन बाद अपने नागरिकों, कंपनियों और परियोजनाओं को पाकिस्तान में सुरक्षा स्थिति पर पूरा ध्यान देने, सुरक्षा उपायों में सुधार करने और जब तक आवश्यक न हो बाहर न जाने की सलाह दी है। इसके बाद पाकिस्तान ने सभी परियोजनाओं की सुरक्षा बढ़ाई। कराची में मंगलवार दोपहर हुए फिदायीन हमले में 5 लोग मारे गए।

यह हमला कन्फ्यूशियस इंस्टीट्यूट के पास एक कार के करीब हुआ। मारे गए 5 लोगों में से तीन चीन की महिला प्रोफेसर हैं। चौथा उनका पाकिस्तानी ड्राइवर और पांचवां गार्ड है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने चीन के दूतावास जाकर घटना पर शोक जताया। फिदायीन हमले के फौरन बाद बलूच लिबरेशन आर्मी ने वीडियो जारी किया। इसमें चीन और पाकिस्तान को सीधी धमकी दी गई है। वीडियो में एक नकाबपोश व्यक्ति कहता है- 'हम पाकिस्तानी फौज और चीन की सरकार से कहते हैं कि वो बलूचिस्तान से चले जाएं। वो हमारे गांवों को तबाह कर चुके हैं। हमने चीनियों पर हमले के लिए एक नई यूनिट बनाई है। ये उन चीनियों को निशाना बनाएगी जो चाइना-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर यानी (सीपीईसी) के लिए काम कर रहे हैं।' उल्लेखनीय है कि बलूचिस्तान के नागरिक शुरू से इस कॉरिडोर का का विरोध कर रहे हैं। यहां के समंदर में चीन के ट्राले मछलियां पकड़ते हैं और उन्हें एक्सपोर्ट करते हैं। इससे फिशिंग के जरिए रोजी-रोटी कमा रहे बलूच मछुआरों के सामने भूखा मरने की नौबत आ गई है। हर साल सैकड़ों बलूच नागरिकों को पाकिस्तानी फौज अपहृत करती है और उन्हें प्रताड़ित कर मार डालती है। हाल के दिनों में बलूच विद्रोहियों ने 60 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया है।

आज का इतिहास 28 अप्रैल

1740 पेशवा बाजीराव प्रथम की मृत्यु नर्मदा नदी के किनारे हुई.

1748 ब्रिटिश में जहाज बाउंटी के विद्रोही चालकों ने कप्तान विलियम ब्लिग और 18 नाविकों को दक्षिण प्रशांत महासागर में एक छोटी सी नौका में छोड़ दिया.

1889 पुर्तगाल के तानाशाह एवनियों डी. ओलिवेरा सालाजार का जन्म हुआ.

1910 तुर्की के सैनिकों ने अल्बानिया में विद्रोह का दमन किया.

1924 जाम्बिया के नेता केनेथ कौंडा का जन्म हुआ था.

1936 शाह फारूख मिश्र की गद्दी पर बैठे.

1937 सद्दाम हुसैन का जन्म हुआ.

1943 नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडागास्कर के निकट जर्मनी पनडुब्बी से जापानी पनडुब्बी में सवार हुए .

1945 द्वितीय विश्व युद्ध में इटली के तानाशाह बेनिटी मुसोलिनी और उसकी प्रेमिका को भीड़ ने मार दिया.

1978 अफगानिस्तान में सैनिक क्रांति में राष्ट्रपति मुहम्मद दाऊद और उनके मंत्रिमंडल के कई सदस्य मारे गये.

2000 भरतपुर के आयुध डिपो में आग भड़की,3 मरे.

2002 भारत द्वारा पीजे–10 मिसाइल का प्रक्षेपण.

2005 भारतीय रिजर्व बैंक ने वर्ष 2005–2006 के लिए ऋण एवं मौद्रिक नीति की घोषणा की.

म्यांमार की अपदस्थ नेता आंग सान सूकी को भ्रष्टाचार के पहले केस में पांच साल की सजा

नैपीताव, (हि.स.)। नोबल पुरस्कार विजेता और आंग सान सूकी को सैन्यशासित म्यांमार की अदालत ने भ्रष्टाचार का दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई है। म्यांमार के एक विधि अधिकारी ने बताया कि अपदस्थ नेता आंग सान सूकी को भ्रष्टाचार के पहले मामले में पांच साल की जेल की सजा सुनाई गई है। उल्लेखनीय है कि म्यांमार की सैन्य सरकार सूकी के खिलाफ मुकदमों की सुनवाई बंद कमरे में करवा रही है। सूकी को पिछले साल फरवरी में सेना के तख्तापलट के बाद हटा दिया गया था। अब उन्हें 15 साल तक की जेल और जुमार्ने का सामना करना पड़ रहा है। सूकी के खिलाफ भ्रष्टाचार के 11 आरोपों में से यह पहला केस है। इन मामलों में प्रत्येक में अधिकतम 15 साल की सजा का प्रावधान है। आंग सान सूकी के समर्थकों और स्वतंत्र विधि विशेषज्ञों ने सजा के फैसले की निंदा करते हुए इसे अनुचित ठहराया है। इन लोगों ने इस फैसले को 76 वर्षीय सूकी को राजनीति से हटाने के मकसद से उठाया गया कदम बताया है। उन्हें अन्य मामलों में पहले ही छह साल कैद की सजा सुनाई जा चुकी है।

बिल्ली से दूर जाने के डर से महिला ने कर ली उससे शादी

वाशिंगटन (ईएमएस)। कुछ लोग घर में जानवर पालकर रखते हैं, उन्हें उनसे अलग होने के ख्याल से भी डर लगता है। कुछ लोग होते हैं कि वे अपने जानवर के साथ रहने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। कुछ ऐसा ही किया डेबोराह होज नाम की महिला ने, जिसने अपनी पालतू बिल्ली से ही शादी कर ली। 49 साल की डेबोराह होज ने बाकायदा पार्क में सेरेमनी ऑर्गनाइज करके इंडिया नाम की अपनी कैट से शादी रचाई। महिला की परेशानी ये थी कि उसे अक्सर घर के मकानमालिक जानवर को अपने साथ नहीं रखने के लिए कहते थे, जिसके समाधान के तौर पर महिला ने अपनी पालतू बिल्ली के साथ शादी कर ली। डेबोराह ने शादी का कार्यक्रम एक पार्क में आयोजित किया। वे खुद टक्सीडो सूट पहने हुए थीं और गोल्ड लेम कैट के साथ उन्होंने साथ जीने-मरने की कस्में खाईं। रिपोर्ट के मुताबिक डेबोलाह का दावा है, कि पिछले कई सालों से उनके मकानमालिक उन्हें 2 डॉग्स और एक कैट की वजह से घर में रहने नहीं देते थे। उन्हें बार-बार घर बदलना पड़ रहा था। डेबोराह बताती हैं कि वहां अपनी कैट इंडिया के बिना रह नहीं सकतीं।वे कैट को अपने बच्चों के बाद जिंदगी की सबसे अहम चीज मानती हैं। पेशे से कोच डेबोराह को कैट से दूर होने का डर सताता रहता था, इसके बाद में उन्होंने उससे शादी करके पति-पत्नी बनने का फैसला किया। डेबोराह ने शादी कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें उनके दोस्त भी शामिल हुए।

नाइजीरिया में एक स्वास्थ्य कर्मचारी अवैध बंकरों के पास हुए धमाके के बाद छिड़काव करते हुए। (फोटो-ईएमएस)

इंडोनेशिया में पाम आयल निर्यात पर रोक से भारत पर असर की संभावना कमः रेटिंग एजेंसी

नई दिल्ली (ईएमएस)। रेटिंग और बाजार परामर्श एजेंसी क्रिसिल रिसर्च की जारी एक ताजा रिपोर्ट में इंडोनेशियों से पाम आयल निर्यात पर रोक से भारत के बाजार पर कोई खास असर पड़ने की संभावना नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार इंडोनेशिया ने कच्चे पाम तेल आरबीडी पाम तेल के निर्यात पर पाबंदी नहीं लगाई है जो भारत की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। क्रिसिल रिसर्च के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि हाल ही में जारी इंडोनेशियाई अधिकारियों के नवीनतम स्पष्टीकरण के अनुसार, पिछले सप्ताह घोषित निर्यात प्रतिबंध में आरबीडी ओलियन के निर्यात को रखा गया है। उसमें कच्चे पाम तेल (सीपीओ) और आरबीडी पाम तेल के निर्यात पर पाबंदी नहीं है। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत ने नवंबर-मार्च 2022 के दौरान 56.4 लाख टन खाद्य तेल का आयात किया, जिसमें से 47 फीसदी माल खाद्य पाम तेल और उसके व्युत्पादों का था। इस तरह पाम तेल और उसके उत्पाद का आयात इस दौरान 26 लाख 50 हजार टन के करीब बनाते हैं। इसमें इंडोनेशियाई बाजार की हिस्सेदारी 37 फीसदी है जबकि मलेशिया और थाईलैंड ने शेष 63 फीसदी का योगदान दिया है। जानकारी के मुताबिक इंडोनेशिया से कुल पाम के तेल का आयात 9.8 लाख टन के करीब था, जिसमें से सीपीओ और आरबीडी पामोलिन पांच लाख टन और 4.8 लाख टन था। उद्योग के लोगों के अनुसार रिफाइंड पाम तेल और आरबीडी ओलीन मिश्रित हैं और इस प्रकार इस 4.8 लाख टन आरबीडी आयात में से ओलियन का हिस्सा 2.5 लाख टन के करीब होगा। इसकी भरपाई आने वाले महीनों में मलेशिया और थाईलैंड के बाजार से हो सकती है। क्रिसिल रिसर्च का कहना है कि हालांकि आरबीडी ओलियन पर प्रतिबंध लगाने के लिए इंडोनेशिया का यह कदम अल्पकालिक मूल्य अस्थिरता पैदा कर सकता है और यह भारतीय खाद्य तेल रिफाइनरों के लिए अनुकूल होगा क्योंकि इससे देश में सीपीओ आयात का हिस्सा बढ़ेगा।

रूस के साथ रुपए और रूबल में व्यापार का तरीका निकाले सरकारः फियो

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय निर्यातकों के संगठन फियो ने यूक्रेन के साथ जंग में उलझे रूस के साथ रुपए-रूबल विनिमय में द्विपक्षीय व्यापार शुरू करने के तरीके तलाशने का सरकार से अनुरोध किया है। फियो के एक अधिकारी ने कहा कि यूक्रेन पर हमला करने के कारण रूस पर लगे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रतिबंधों के कारण भारतीय निर्यातकों को रूस से भुगतान प्राप्त करने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में सरकार को पांच-छह बैंकों को चिह्नित कर रुपए एवं रूबल में कारोबार करने की सुविधा शुरू करने पर ध्यान देना चाहिए। इससे भारत एवं रूस के बीच कारोबार सुगम हो सकेगा। फरवरी के आखिरी में रूस ने यूक्रेन पर हमला शुरू किया तो अमेरिका एवं यूरोपीय देशों ने उसे भुगतान प्रणाली से प्रतिबंधित कर दिया। इसकी वजह से वह डॉलर में भुगतान नहीं कर पा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को रुपया-रूबल व्यापार का एक तरीका निकालना होगा। सरकार ने जिस तरह ईरान के साथ व्यापार में रास्ता निकाला था, वैसा ही रूस के मामले में भी निकालना होगा। उन्होंने कहा कि हमारा सुझाव है कि हम रूस से आयात रुपए में करें और रूस उस रुपए को अलग खाते में रखकर हमारे निर्यात के लिए भुगतान कर दे। उन्होंने कहा कि असली मुद्दा रुपए के बरक्स रूबल के लिए विनिमय दर तय करना है। वित्त वर्ष 2021-22 में भारत ने रूस को 3.2 अरब डॉलर मूल्य के उत्पादों का निर्यात किया, जबकि रूस से आयात 8.7 अरब डॉलर रहा है।

FEDERATION OF INDIAN EXPORT ORGANISATIONS

तेल की कीमत बढ़ने से भारत में बढ़ी महंगाई, मौद्रिक सख्ती जरूरीः आईएमएफ

वाशिंगटन (ईएमएस)। आईएमएफ की एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यूक्रेन-रूस युद्ध के कारण तेल की कीमतों में हुई तेजी के चलते भारत में महंगाई बढ़ी है। उन्होंने कहा कि इस स्थिति को ठीक करने के लिए मौद्रिक सख्ती जरूरी है। इसके अलावा उन्होंने संरचनात्मक कमजोरियों को दूर करके वृद्धि क्षमता में सुधार पर भी जोर दिया। आईएमएफ के एशिया और प्रशांत विभाग की कार्यवाहक निदेशक ऐनी-मैरी गुल्डे-वुल्फ ने कहा कि अनुमानों के अनुसार 2022-23 में देश की अर्थव्यवस्था 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है, जो 0.8 प्रतिशत अंक कम है। उन्होंने कहा कि वृद्धि अभी भी मजबूत है, लेकिन इसमें पर्याप्त गिरावट है। दुनिया भर में नीति निर्माता महंगाई को काबू में करने के उपाए कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महंगाई बढ़ने की मुख्य वजह यूक्रेन में जारी युद्ध है। भारत खासतौर से तेल और अन्य वस्तुओं के आयात पर निर्भर है। आईएमएफ अधिकारी ने कहा कि अल्पावधि में कमजोर परिवारों की मदद करने और बुनियादी ढांचे के निवेश पर ध्यान देने की नीति उपयुक्त है। उन्होंने मौद्रिक सख्ती और संरचनात्मक कमजोरियों को दूर करने की सिफारिश की।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का बाजार मूल्यांकन 19 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली (ईएमएस)। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के शेयरों में बुधवार को हुई तेजी की वजह से कंपनी का बाजार मूल्यांकन बढ़कर 19 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया। बाजार मूल्यांकन के इस निशान को पार करने वाली आरआईएल पहली भारतीय कंपनी बन गई। बीएसई पर आरआईएल के शेयर 1.85 प्रतिशत बढ़कर 2,827.10 रुपए के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गए। शेयर की कीमत में तेजी के बाद बीएसई पर कंपनी के कारोबार में कंपनी का बाजार मूल्यांकन 19,12,814 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इससे पहले इस साल मार्च में आरआईएल का बाजार मूल्यांकन 18 लाख करोड़ रुपए के पार चला गया था। इस साल अब तक आरआईएल के शेयर 19 फीसदी से ज्यादा चढ़े हैं। जानकारों के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज सभी खंडों में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। तेल और गैस की कीमतों में उछाल के कारण इसका पेट्रोकेमिकल व्यवसाय बहुत अच्छा रहा है।

मैक्रोटेक डेवलपर्स का मुनाफा बढ़कर 1,202 करोड़ हुआ

नई दिल्ली (ईएमएस)। रियल्टी कंपनी मैक्रोटेक डेवलपर्स लिमिटेड का मुनाफा 2021-22 में कई गुना बढ़कर 1,202.37 करोड़ रुपए पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष 2020-21 में कंपनी ने 40.16 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। वित्त वर्ष के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 9,579.17 करोड़ रुपए पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 5,771.65 करोड़ रुपए थी। बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में कंपनी का मुनाफा बढ़कर 535.46 करोड़ रुपए रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 310.56 करोड़ रुपए था। तिमाही के दौरान कंपनी की कुल आय बढ़कर 3,516.41 करोड़ रुपए पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाह में 2,611.17 करोड़ रुपए थी।

मारुति सुजुकी का मार्च में एक्सपोर्ट में रहा जलवा

- सबसे ज्यादा मारुति सुजुकी डिजायर की गई एक्सपोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में बनी कारों के एक्सपोर्ट में मारुति सुजुकी का पिछले महीने, यानी मार्च में भी जलवा देखने को मिला है और सबसे ज्यादा मारुति सुजुकी डिजायर एक्सपोर्ट की गई है। इसके बाद मारुति स्विफ्ट हैचबैक दूसरी सबसे ज्यादा एक्सपोर्ट की गई मेड इन इंडिया कार है। पिछले महीने यानी मार्च 2022 में एक्सपोर्ट में किन टॉप 20 मेड इन इंडिया कारों का जलवा रहा? मार्च 2022 कार एक्सपोर्ट ब्रेकअप देखें तो मारुति डिजायर सबसे ज्यादा एक्सपोर्ट की गई कार रही, जिसकी कुल 6,578 यूनिट विदेशों में भेजी गईं। इसके बाद मारुति स्विफ्ट का नंबर रहा, जिसकी कुल 4,962 यूनिट एक्सपोर्ट की गई। तीसरे नंबर पर फॉक्सवैगन वेंटो रही, जिसकी कुल 4484 यूनिट एक्सपोर्ट की गई। निसान सनी चौथे नंबर पर रही, जिसकी कुल 4280 यूनिट एक्सपोर्ट की गई। पांचवें स्थान पर किआ सेल्टॉस रही, जिसकी कुल 3300 यूनिट पिछले महीने एक्सपोर्ट की गई। मार्च 2022 में भारत में बनीं कारों की एक्सपोर्ट लिस्ट देखें तो छठे नंबर पर रही मारुति एस-प्रेसो की कुल 3050 यूनिट एक्सपोर्ट की गई। इसके बाद मारुति अर्टिगा की कुल 2717 यूनिट एक्सपोर्ट की गई। 8वें नंबर पर रही ह्यूंदै वरना की कुल 2282 यूनिट एक्सपोर्ट की गई। इसके बाद किआ सॉनेट की कुल 2154 यूनिट एक्सपोर्ट की गई। 10वें नंबर पर रेनो काइगर रही, जिसकी कुल 1993 यूनिट एक्सपोर्ट की गई। इसके बाद होंडा सिटी की कुल 1929 यूनिट एक्सपोर्ट की गई। 12वें नंबर पर रही मारुति सिलेरियो की कुल 1902 यूनिट एक्सपोर्ट की गई। पिछले महीने भारत से एक्सपोर्ट की गई कारों की लिस्ट में 13वें स्थान पर ह्यूंदै क्रेटा रही, जिसकी कुल 1833 यूनिट एक्सपोर्ट की गई। इसके बाद मारुति सिआज का नंबर रहा, जिसकी कुल 1802 यूनिट एक्सपोर्ट की गई। 15वे नंबर पर मारुति सुजुकी विटारा ब्रेजा रही, जिसकी कुल 1715 यूनिट एक्सपोर्ट की गई। मारुति जिम्नी की कुल 1711 यूनिट एक्सपोर्ट की गई। इसके बाद ह्यूंदै ग्रैंड आई10 नियॉस की कुल 1663 यूनिट एक्सपोर्ट की गई। ह्यूंदै औरा की कुल 1633 यूनिट एक्सपोर्ट की गई। 19वें नंबर पर रही फॉक्सवैगन पोलो की कुल 1392 यूनिट और 20वें नंबर पर रही ह्यूंदै सेंट्रो की कुल 1329 यूनिट एक्सपोर्ट की गई। बता दें कि भारत देसी कार कंपनियों के साथ ही विदेशी ऑटोमोबाइल कंपनियों के लिए मैन्यूफैक्चरिंग हब है और यह तैयार कारें विदेशों में एक्सपोर्ट की जाती हैं। पिछले कुछ महीनों के आंकड़े देखें तो मेड इन इंडिया कारों के निर्यात में अच्छी बढ़ोतरी हुई है।

टोयोटा रूमियन एमपीवी सेगमेंट में आ सकती है जल्द

-भारत में टाटा-महिंद्रा और ह्यूंदै-किआ से होगी जंग

नई दिल्ली (ईएमएस)। टोयोटा कंपनी की अपकमिंग कारों में टोयोटा रूमियन एमपीवी सेगमेंट में आ सकती है, वहीं एसयूवी सेगमेंट में भी कुछ खास आने वाला है। यहां बताना जरूरी है कि टोयोटा की भारत में सुजुकी के साथ पार्टनरशिप है और दोनों के संयुक्त प्रयास से टोयोटा ग्लैंजा हैचबैक के साथ ही अर्बन क्रूजर एसयूवी लॉन्च हुई है। टोयोटा इस साल में भारत में किआ कारेन्स, ह्यूंदै अल्काजार और महिंद्रा मराजो समेत अन्य पॉपुलर कंपनियों की पॉपुलर 6-7 सीटर सस्ती एमपीवी को टक्कर देने के लिए नई एमपीवी टोयोटा रूमियन लॉन्च कर सकती है। हालांकि, इस बारे में कंपनी ने कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। टोयोटा की अपकमिंग एमपीवी में 1.5 लीटर 4 सिलिंडर नेचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन देखने को मिल सकता है, जो कि 105 बीएचपी की पावर और 138 न्यूटन मीटर टॉर्क जेनरेट करेगा। इस एमपीवी को भी 5 स्पीड मैनुअल और 4 स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन ऑप्शन के साथ लॉन्च किया जा सकता है। टोयोटा जल्द ही मारुति सुजुकी के साथ मिलकर नई कॉम्पैक्ट या मिडसाइज एसयूवी लॉन्च कर सकती है, जिसका कोडनेम टोयोटा डी22 है। इस एसयूवी को डायहत्सु न्यू जेनरेशन आर्किटेक्चर प्लेटफॉर्म पर डिवेलप किया जाएगा। यह एसयूवी इस साल दीवाली तक लॉन्च की जा सकती है। टोयोटा की इस मिडसाइज एसयूवी का एक्सटीरियर और इंटीरियर टोयोटा कोरोला क्रॉस पर बेस्ड हो सकता है। टोयोटा की अपकमिंग एसयूवी में हाइब्रिड टेक्नॉलजी के साथ ही अडवांस ड्राइवर असिस्टेंट सिस्टम और कनेक्टेड कार टेक्नॉलजी समेत कई खास फीचर्स देखने को मिल सकते हैं। बता दें कि भारत में टाटा नेक्सॉन, ह्यूंदै वेन्यू, किआ सॉनेट और महिंद्रा एक्सयूवी300 जैसी कॉम्पैक्ट एसयूवी के साथ ही मिडसाइज एसयूवी में किआ कारेन्स और अन्य बड़ी कारों को टक्कर देने के लिए टोयोटा आने वाले समय में किफायती एसयूवी और एमपीवी लॉन्च कर सकती है।

चीन में लॉकडाउन से गहरा सकता है सेमीकंडक्टर चिप संकट

नई दिल्ली (ईएमएस)। शंघाई समेत चीन के कई शहरों में कोविड-19 संक्रमण को रोकने के लिए फिर से लॉकडाउन लगा हुआ है। अगर यह लॉकडाउन लंबे समय तक रहता है तो देश में वाहन निर्माताओं और इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स मेकर्स का कामकाज और प्रभावित हो सकता है। इसकी वजह है कि चीन में लॉकडाउन से उपजे अवरोधों के चलते सेमीकंडक्टर की कमी का संकट और गहरा सकता है क्योंकि सप्लाई प्रभावित हो रही है। दुनिया में कोविड19 की वजह से पहले से सेमीकंडक्टर चिप की कमी का संकट है। साल 2020 में कोरोनावायरस को देखते हुए सेमीकंडक्टर चिप के उत्पादन और सप्लाई में पैदा हुए अवरोधों से यह संकट पैदा हुआ। यह संकट दूर होने की दिशा में बढ़ने लगा था लेकिन फिर रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू हो गया और अब चीन के कई शहरों में फिर से लॉकडाउन है। इससे चिप आपूर्ति प्रभावित हो रही है। चीनी आयात भारतीय ऑटोमोबाइल, स्टील और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रों को पूरा करता है, इसलिए किसी भी लॉकडाउन का इन क्षेत्रों पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। कई इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स और सब-कंपोनेंट्स को चीन से सोर्स किया जाता है। केयर रेटिंग्स की रिपोर्ट में आशंका जताई गई है कि रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन के वर्तमान हालात के चलते आने वाले दिनों में सेमीकंडक्टर चिप की कमी का संकट बना रह सकता है। इससे देश में गाड़ियों का उत्पादन, स्मार्टफोन, टीवी समेत तमाम इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम्स का उत्पादन प्रभावित होगा। सेमीकंडक्टर चिप का किसी भी देश में पूरी तरह से उत्पादन नहीं होता है। इसकी उत्पादन की प्रक्रिया कई देशों से होकर गुजरती है, जिसमें सबसे बड़ा योगदान रूस, यूक्रेन और चीन जैसे देशों का है।

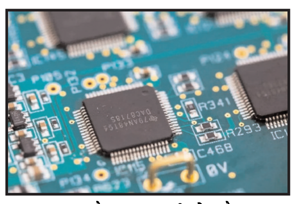

भारत में वीवो टी1 प्रो 5जी होगा अगले महीने लांच

-12जीबी तक रैम और 64एमपी कैमरा जैसी है खूबियां

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में चाइनीज कंपनी वीवो अपने नए डिवाइस वीवो टी1 प्रो 5जी को लॉन्च करने की तैयारी में है। यह स्मार्टफोन को मई में लॉन्च हो सकता है। एक लीक से फोन के फीचर्स का खुलासा हो गया है। टिप्स्टर सुधांशु अंभोरे ने ट्वीट कर फोन के फीचर्स लीक किए हैं। पता चला है कि आगामी वीवो स्मार्टफोन में 6.4 इंच की फुल-एचडी प्लस एमोलेड डिस्प्ले के साथ 90 हट्र्ज का रिफ्रेश रेट मिलेगा। इसके अलावा फोन के फ्रंट में वॉटरड्रॉप डिस्प्ले नॉच में सेल्फी कैमरा को जगह मिल सकती है। स्पीड और मल्टीटास्किंग के लिए स्नैपड्रैगन 778जी चिपसेट के साथ 8 जीबी रैम और 4जीबी वर्चुअल रैम सपोर्ट मिल सकता है। कैमरा सेटअप की बात करें तो फोन के पिछले हिस्से में ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप मिल सकता है। फोन के बैक पैनल पर 64 मेगापिक्सल प्राइमरी कैमरा सेंसर, साथ में 8 मेगापिक्सल अल्ट्रा-वाइड एंगल लेंस और 2 मेगापिक्सल मैक्रो कैमरा सेंसर दिया जा सकता है। सेल्फी व वीडियो कॉलिंग के लिए फोन के फ्रंट में 16 मेगापिक्सल का कैमरा सेंसर मिल सकता है। इसके अलावा फोन में फोटो, वीडियो और अन्य चीजों को सेव करने के लिए 128 जीबी की इंटरनल स्टोरेज मिल सकती है। 66 वॉट फास्ट चार्ज सपोर्ट के साथ 4700 एमएएच की बैटरी मिल सकती है। फोन एंड्रॉयड 12 पर आधारित फनटच ओएस 12 के साथ उतारा जा सकता है।

लिथियम अर्बन को 5,000 इलेक्ट्रिक कारों की आपूर्ति करेगी टाटा मोटर्स

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेट्रोल और डीजल के बेहतर विकल्प के तौर पर उभरे इलेक्ट्रिक वाहनों की दुनिया में टाटा मोटर्स इस समय अव्वल है। टाटा मोटर्स ने 2 अप्रैल को एक ही दिन में 712 इलेक्ट्रिक कारों की डिलीवरी की थी। कंपनी ने महाराष्ट्र और गोवा के विभिन्न शहरों में लोगों तक कार की चाबी सौंपी थी। 22 अप्रैल को कंपनी ने चेन्नई में 101 इलेक्ट्रिक कारों की डिलीवरी की थी। इनमें 70 नेक्सन ईवी और 31 टिगोर ईवी इलेक्ट्रिक कार शामिल थीं। टाटा मोटर्स का कहना है कि अब वह लिथियम अर्बन को 5000 इलेक्ट्रिक कारों की सप्लाई करेगी। कंपनी ने कहा है कि उसने इलेक्ट्रिक व्हीकल पर आधारित शहरों में ट्रांसपोर्ट सर्विस मुहैया कराने वाली लिथियम अर्बन टेक्नोलॉजीज के साथ इलेक्ट्रिक कारों की आपूर्ति के लिए एक सौदा किया है। इस सौदे के अंतर्गत लिथियम अर्बन कर्मचारियों के परिवहन के लिए देशभर में 5,000 टाटा एक्सप्रेस-टी इलेक्ट्रिक कारों को तैनात करेगी। टाटा मोटर्स कई चरणों में इन इलेक्ट्रिक वाहनों की आपूर्ति करेगी और अगले साल तक डिलीवरी पूरा कर देगी। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हिकल्स के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने मीडिया को बताया कि लिथियम अर्बन के साथ यह समझौता साझा गतिशीलता वाले क्षेत्र में इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने की दिशा में एक बड़ी छलांग है। उन्होंने बताया कि उन्हें लिथियम अर्बन टेक्नोलॉजीज के साथ अपनी लंबी साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए खुशी हो रही है।

लिथियम अर्बन टेक्नोलॉजीज के संस्थापक संजय कृष्णन ने कहा कि 5,000 वाहनों का यह ऑर्डर असल में लिथियम और टाटा मोटर्स के अलावा समूची ईवी पारिस्थितिकी के लिए एक अहम मौका है। टाटा मोटर्स ने जुलाई, 2021 में फ्लीट सेवा ग्राहकों के लिए एक्सप्रेस ब्रांड टाटा-टी इलेक्ट्रिक सिडान) लॉन्च किया था। इसका 21.5 किलोवाट बैटरी पैक 213 किलोमीटर का रेंज देता है। वहीं, 16.5 किलोवाट बैटरी पैक 165 किलोमीटर का रेंज देता है। एक्सप्रेस-टी एक्सप्रेस-टी की शुरुआती तौर पर टाटा टिगोर ईवी का रीब्राडेड मॉडल है। एफएएमई सब्सिडी के तहत भारतीय बाजार में टाटा एक्सप्रेस-टी की शुरुआती कीमत 9.54 लाख रुपये है, जो 10.64 लाख रुपये तक जाती है। कंपनी के मुताबिक 16.5 किलोवाट बैटरी पैक को 0-80 फीसदी चार्ज होने में 90 मिनट का समय लगता है। 21.5 किलोवाट बैटरी पैक को 0 से 80 फीसदी चार्ज करने में 110 मिनट का समय लगता है। इस इलेक्ट्रिक कार को नॉर्मल चार्जर या किसी भी 15ए प्लग प्वाइंट की मदद से चार्ज किया जा सकता है।

दैनिक पंचांग

28 अप्रैल 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.30 बजे से
चंद्र	मीन में	मिथुन	08.28 बजे से
मंगल	कुंभ में	कर्क	10.41 बजे से
बुध	वृष में	सिंह	12.57 बजे से
गुरु	मीन में	कन्या	15.09 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	17.20 बजे से
शनि	मकर में	वृश्चिक	19.35 ब.से
राहु	मेष में	धनु	21.51 बजे से
केतु	तुला में	मकर	23.56 बजे से
		कुंभ	01.42 बजे से
		मीन	03.15 बजे से
		मेष	04.46 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2022 वर्ष का 118 वां दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2079 **शक संवत्** 1944 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 00.27 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 17.40 बजे को समाप्त। **योग** वैधृति 16.28 बजे को समाप्त। **करण** गर 12.22 बजे तदनन्तर वणिज 00.27 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 14° 05' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871232 **जूलियन दिन** 2459697.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** रमजान **तारीख** 26 **विशेष** प्रदोष व्रत।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का राशिफल

शुभ संवत 2078, शाके 1943, सौम्य गोष्ठ, वैशाख कृष्ण पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे तथा शुक्रोदय पूर्वे तिथि त्रियोदशी, गुरुवासरे, उ.मा.नक्षत्रे, वैधृत योगे, गर करणे, मीन की चंद्रमा, भद्रा सांय 5/24 तक प्रदोष क्रत, मूल प्रारंभ सांय, 6/03 तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलकारक होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य बुद्धिमान, कुशल वक्ता, शासक तथा प्रशासक, उत्तम वृत्ति वाला, शिक्षक, शिक्षा विद, दानी, मानी, शिक्षा शास्त्री, लेक्चरार प्रोफेसर शिक्षक तथा मठ मंदिर निर्माण कर्ता तथा दानी मानी, उद्योगपति हावेंगा।

मेष राशि :- उन्नति, सिद्ध, वाहन भय, शरीर कष्ट, प्रवास से सफलता मिल सकती है।
वृष राशि - खर्च, सिद्ध, बाधा, शुभ कार्य, कष्ट, मांगलिक कार्य एवं शुभ समाचारों का भी योग है।
मिथुन राशि - राज से हानि, घरेलू विरोध, अपव्यय, शिक्षा लेखन कार्य में रुकावट का योग है।
कर्क राशि - संतान कष्ट, अधिक कष्ट, खर्च, शत्रु भय, धार्मिक कार्य एवं शुभ कार्यो में व्यसत्ता।
सिंह राशि - सफलता, हर्ष, भय, तबादला, विवाद, कुछ प्रसन्नता का योग, पारिवारिक सुख होगा।
कन्या राशि - हानि, अपव्यय, रोग, मातृ कष्ट, शिक्षा जगत संतोष रहेगा, व्यापार बढ़ेगा।
तुला राशि - लाभ, संतान सुख, रोग भय, झंझट, लेखन कार्य सामान्य प्रगति का योग है।
वृश्चिक राशि - अभी सिद्ध, स्वजन कष्ट, यश, संतान पक्ष अपेक्षाकृत अच्छा रहेगा, प्रसन्नता रहे।
धनु राशि - राज कष्ट, भय, स्त्री कष्ट, सिद्ध, धन लाभ, सामाजिक कार्य, व्यवधान की संभावना है।
मकर राशि - विवाद, कष्ट, यात्रा हानि, घरेलू कष्ट, नौकरी की स्थिती सामान्य रहेगी।
कुंभ राशि - यश, शुभकार्य, मुकदमों से लाभ, धार्मिक व कुछ अच्छे कार्य भी हो सकते हैं।
मीन राशि - रोग भय, अभीष्ट सिद्ध, अल्प हानि, नौकरी में अनबन।

सरे ने चोटिल केमार रोच की जगह कॉलिन डी ग्रैंडहोम को टीम में किया शामिल

लंदन, (हि.स.)। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर कॉलिन डी ग्रैंडहोम चोटिल केमार रोच की जगह शॉर्ट टर्म रिप्लेसमेंट के रूप में सरे से जुड़ेंगे। रोच को काउंटी चैंपियनशिप 2022 के शुरूआती दो महीनों के लिए सरे के साथ अनुबंधित किया गया था, लेकिन हैम्पशायर के खिलाफ अपनी पारी की जीत के दौरान उनकी हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई। सरे के क्रिकेट निदेशक एलेक स्टीवर्ट ने कहा, "केमार की चोट के बाद हमें अगले तीन चार दिवसीय मैचों के लिए कॉलिन की सेवाएं हासिल करने की खुशी है। उसके पास पहले से ही काउंटी खेल का अच्छा अनुभव है और इससे टीम की गुणवत्ता और संतुलन में सुधार होगा।" ऑस्ट्रेलियाई सीमर डैन वॉरॉल के आने से सरे को भी मजबूती मिलेगी, जिन्होंने अपने ब्रिटिश पासपोर्ट की बदौलत स्थानीय खिलाड़ी के रूप में क्लब से तीन साल का करार किया है। यूके में वॉरॉल के आगमन में पारिवारिक कारणों से देरी हुई, लेकिन उन्हें पिछले हफ्ते समरसेट मैच के दौरान द ओवल में देखा गया। वह अपने पूर्व काउंटी ग्लूस्टरशायर के खिलाफ पदार्पण करने के लिए तैयार हैं।

मेरा इरादा आरसीबी के खिलाफ अच्छी लेंथ से गेंदबाजी करना था : कुलदीप सेन

पुणे, (हि.स.)। राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाज कुलदीप सेन ने कहा कि उनका इरादा रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ मैच में अच्छी लेंथ से गेंदबाजी करना था। कुलदीप ने आरसीबी के खिलाफ चार विकेट लिए, जिसकी बदौलत राजस्थान 29 रनों से मैच जीतकर अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। कुलदीप ने कहा कि उन्हें आरसीबी के गेंदबाजों जोश हेजलवुड और मोहम्मद सिराज को देखने के बाद पिच की प्रकृति का अंदाजा हो गया। कुलदीप सेन ने मैच के बाद कहा, "चोट के कारण मैं पिछले कुछ मैचों में नहीं खेल सका। पहली पारी को देखकर और जिस तरह से सिराज और हर्षल ने गेंदबाजी की, मुझे एहसास हुआ कि गेंद एक अच्छी लेंथ से रुक रही थी, इसलिए संजू ने मुझे हिट करने के लिए कहा। डेक कठिन था, योजना इसे अच्छी लंबाई पर रखने की थी। हम आसान रन नहीं देना चाहते थे।" कुलदीप सेन के चार विकेट और रियान पराग की 56 रनों की नाबाद पारी की बदौलत मंगलवार को यहां एमसीए स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को 29 रनों से शिकस्त दी। कुलदीप के अलावा रविचंद्रन अश्विन ने तीन और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो विकेट लिए। 145 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की टीम 19.3 ओवर में 115 रनों पर सिमट गई। पराग ने बेहतरीन फील्डिंग करते हुए आरसीबी की पारी के दौरान चार कैच भी लिए।

हम बेहतर कर सकते हैं, बस सभी को अपने आप पर भरोसा करना है : रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली, (हि.स.)। आईपीएल 2022 के पहले सात मैचों में तीन जीत और चार हार के साथ दिल्ली कैपिटल्स इस समय अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। सीजन के पहले भाग पर मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कहा, "हम सीजन के पहले भाग में ओवरट्रेन न करने के लिए खुद को तैयार करते हैं, कोशिश करते हैं और आगे बढ़ते हैं। लेकिन हमारा प्रदर्शन एक जीत, एक हार और फिर एक जीत रहा है। इसलिए, हमें जरूरत है पहले दो तीन ओवरों में अच्छे प्रदर्शन करना और फिर उसे अंत तक जारी रखना।" सीजन के आगामी दूसरे भाग के बारे में बोलते हुए, पोंटिंग ने कहा, "मुझे पता है कि हम बेहतर कर सकते हैं, बस हम सभी को भरोसा करना है, हमें विश्वास करना है, हमें उत्साहित रहना है और सकारात्मक रहना है, और अगर हम ये कर ले जाएंगे, तो निश्चित रूप से हमारे लिए चीजें बदल जाएंगी। हम यहां से जितना कठिन प्रयास करेंगे, यह उतना ही कठिन होता जाएगा। हम बस अच्छे रहने और आराम करने जा रहे हैं और उन चीजों को दोहराते रहेंगे जो हम कर रहे हैं।" परिवार के एक सदस्य के कोरोना संक्रमित निकलने के बाद एहतियाती पांच-दिवसीय आईशोलेशन में रहने के बाद पोटिंग फिर से टीम में शामिल हो गए हैं। उन्होंने कहा, "मैं फिर से बाहर वापस आकर काफी राहत महसूस कर रहा हूं, वास्तव में एक और पांच दिनों के बाद मैंने खेल का काफी मिस किया। फिर से बाहर आकर अच्छा लगा।" टीम के पिछले मैच को क्वारंटाइन से देखने के अपने अनुभव को साझा करते हुए पोंटिंग ने कहा, "यह निराशाजनक था। मुझे लगता है कि मैंने तीन या चार रिमोट कंट्रोल तोड़ दिए और पानी की कुछ बोतलें दीवारों में फेंक दी और इस तरह की चीजें तब होती हैं, जब आप साइड-लाइन पर होते हैं, एक कोच होने के नाते आप नियंत्रित नहीं कर सकते कि बीच में क्या हो रहा है, तो यह काफी कठिन है, लेकिन जब आप वास्तव में मैदान पर नहीं होते हैं, तो यह थोड़ा अधिक निराशाजनक होता है। दिल्ली कैपिटल्स की टीम गुरुवार, 28 अप्रैल 2022 को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टाटा आईपीएल 2022 के अपने अगले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स से भिड़ेगी।

सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप : मध्य प्रदेश, स्मार्ट हॉकी अकादमी, रायपुर व राउंडग्लास पंजाब सेमीफाइनल में

ग्वालियर, (हि.स.)। मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी, स्मार्ट हॉकी अकादमी, रायपुर, राउंडग्लास पंजाब हॉकी अकादमी और साई-अकादमी ने दूसरी हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला अकादमी राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2022 के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। मंगलवार को खेले गए पहले क्वार्टरफाइनल मुकाबले में मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी ने एचएआर हॉकी अकादमी को 2-0 से हराया। कनक पाल (3') और समीक्षा यादव (19') ने एक-एक गोल करके मध्य प्रदेश हॉकी को प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बनाने में मदद की।

दूसरे क्वार्टर फाइनल में स्मार्ट हॉकी अकादमी रायपुर ने सैल्यूट हॉकी अकादमी को 2-0 से हराया। विजेता टीम के लिए कुदरत (13') और कप्तान मोलीशा वर्मा (47') ने गोल दागे। तीसरे क्वार्टर फाइनल में राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी ने जय भारत हॉकी अकादमी को 2-0 से हराया। नमनीत कौर (5') और सना (10') ने दो शुरूआती गोल करके राउंडग्लास पंजाब हॉकी अकादमी को टूनार्मेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाने में मदद की। चौथे क्वार्टर फाइनल में, साई अकादमी ने हिम अकादमी को 8-0 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

हमारी टीम में खिलाड़ी जीतने की जिम्मेदारी लेते हैं : राहुल तेवतिया

मुंबई, (हि.स.)। गुजरात टाइटन्स के बल्लेबाज राहुल तेवतिया ने कहा कि फ्रेंचाइजी के हर मैच में, एक खिलाड़ी व्यक्तिगत रूप से हमेशा खड़ा रहा है और यह कठिन परिस्थितियों में टीम के लिए अच्छा है, खिलाड़ी जीतने की जिम्मेदारी लेते हैं, जो उनके पक्ष के लिए काफी लाभकारी है। तेवतिया ने कहा, "हमारे खेल को देखते हुए, हर खेल में एक व्यक्तिगत खिलाड़ी था जो बाहर खड़ा था। ऐसा नहीं है कि हम एक से तीन खिलाड़ियों पर निर्भर हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ पहले मैच में, मैं और मिलर (डेविड मिलर) थे, फिर अगला मैच में अभिनव मनोहर थे, तब लॉकी फर्ग्यूसन ने अच्छी गेंदबाजी की और अंत में, डेविड मिलर थे जिन्होंने एक मैच खत्म किया। यह एक टीम गेम है, टीम अधिक मायने रखती है। हमें खुशी है कि हमेशा कोई ऐसा होता है जो कठिन समय का हिस्सा बनता है और जिम्मेदारी लेता है।" अपनी टीम के लिए कुछ मैच खत्म करने वाले और राजस्थान रॉयल्स के साथ अपने कार्यकाल के दौरान आक्रामक बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपनी 'मैच-फिनिशर' छवि के बारे में कहा कि मैच जीतने से जिम्मेदारियां आती हैं और उनके लिए जिम्मेदारियां आना बहुत अच्छा लगता है। शेल्डन कॉटरेल और ओडियन स्मिथ जैसे वेस्टइंडीज के गेंदबाजों का सामना करने और छक्के मारने पर, ऑलराउंडर ने कहा कि वह यह नहीं देखते हैं कि गेंदबाज कौन हैं, बल्कि अपना सारा ध्यान गेंद को देखने और मारने पर लगाते हैं। ड्रेसिंग रूम की संस्कृति और खेल के कुछ सबसे बड़े क्रिकेट सितारों के साथ ड्रेसिंग रूम और फील्ड साझा करने पर सवाल किए जाने पर तेवतिया ने कहा, "ड्रेसिंग रूम में, आपको ऐसा नहीं लगता कि आप सितारों के बीच हैं। माहौल काफी आरामदायक है और सभी के साथ समान व्यवहार किया जाता है। मैदान पर भी, हम यह नहीं देखते हैं कि कौन बल्लेबाजी या गेंदबाजी कर रहा है, हम सिर्फ एक टीम के रूप में अपना सर्वश्रेष्ठ देने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।" फ्रैंचाइजी की बात करें तो टाइटन्स वर्तमान में 7 मैचों में 12 अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। वे 27 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद से भिड़ेंगे।

आरसीबी के खिलाफ अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हूं : रियान पराग

पुणे, (हि.स.)। राजस्थान रॉयल्स के हरफनमौला खिलाड़ी रियान पराग ने मंगलवार को चल रहे आईपीएल 2022 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ 31 गेंदों में नाबाद 56 रनों की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने चार छक्के और तीन चौके लगाए। उनकी इस पारी की बदौलत राजस्थान रॉयल्स की टीम 20 ओवरों में 8 विकेट पर 144 रनों के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच सकी। कुलदीप सेन के चार विकेट और रियान पराग की 56 रनों की नाबाद पारी की बदौलत मंगलवार को यहां एमसीए स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को 29 रनों से शिकस्त दी। कुलदीप के अलावा रविचंद्रन अश्विन ने तीन और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो विकेट लिए। 145 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की टीम 19.3 ओवर में 115 रनों पर सिमट गई। पराग ने बेहतरीन फील्डिंग करते हुए आरसीबी की पारी के दौरान चार कैच भी लिए। पराग ने प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीतने के बाद उन पर विश्वास दिखाने के लिए अपनी टीम को श्रेय दिया और कहा कि वह बैंगलोर के खिलाफ अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हैं। मैच के बाद पराग ने कहा, "मैच में अपने प्रदर्शन से थोड़ा संतोष मिला । रॉयल्स ने पिछले तीन वर्षों से मुझ पर विश्वास दिखाया है, और मैं उन्हें थोड़ा-थोड़ा करके भुगतान कर रहा हूं। मुझे दबाव पसंद है और मैं बस अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर रहा हूं। टाइम-आउट के दौरान, संगकारा बाहर आए और हम सहमत थे कि इस विकेट पर 140 का स्कोर अच्छा था। हमने आखिरी दो ओवरों में बड़ा जाने का फैसला किया। मैं हसरंगा को उसके दूसरे ओवर में निशाना बनाना चाहता था, लेकिन हमने विकेट खो दिए, और इसलिए मुझे हेजलवुड और हर्षल के बाद रणनीति बनानी पड़ी।" इस जीत के साथ राजस्थान रॉयल्स आठ मैचों में छह जीत के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। दूसरी ओर, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर नौ मैचों में पांच जीत के साथ पांचवें स्थान पर बनी हुई है।

नो बॉल विवाद पर रोवमैन पॉवेल ने कहा-पीछे मुड़कर देखने का वक्त नहीं

मुंबई, (हि.स.)। जेएसडब्ल्यू-जीएमआर की सह-स्वामित्व वाली दिल्ली कैपिटल्स फ्रैंचाइजी टाटा आईपीएल 2022 का अपना अगला मैच 28 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेलेगी। मैच से पहले दिल्ली के पावर-हिटर रोवमैन पॉवेल ने शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हुए मैच के दौरान बहुचर्चित नो-बॉल विवाद पर कहा कि टीम के पास पीछे मुड़कर देखने का वक्त नहीं। राजस्थान के खिलाफ रोमांचक और नाटकीय अंतिम ओवर की पहली तीन गेंदों पर तीन छक्के लगाने वाले पॉवेल ने कहा कि अब उनकी टीम के लिए पीछे की चीजों को भुलाकर आगे देखने का वक्त है और फिर टीम के पास अतीत में खोने की फुर्सत भी नहीं। कैरेबियाई खिलाड़ी ने कहा, "यह कुछ ऐसा है जिसे हमें बहुत तेजी से भुलाना होगा। आगे हमारे कई मैच होने और इस कारण हमारे पास अतीत में खोने की फुर्सत भी नहीं है। हमें हमेशा आगे की ओर देखना होगा क्योंकि कुछ महत्वपूर्ण मैच सामने हैं। अगले दौर के लिए क्वालीफाई करने के लिए हमें अब अपने खेल पर ध्यान देना होगा।" उन्होंने आगे कहा, "ईमानदारी से कहूं तो मैं एक ओवर में छह छक्के मारने को लेकर काफी आश्वस्त था। पहले दो छक्के लगाने के बाद मेरे मन में चल रहा था कि अब क्या होगा। उसी वक्त मैंने तीसरा छक्का लगा दिया। मैं उम्मीद कर रहा था कि यह नो बॉल होगी, लेकिन अंपायर का फैसला अंतिम होता है और हम क्रिकेटर्स के रूप में इसे स्वीकार करते हैं और आगे बढ़ जाते हैं।" अपने मौजूदा फॉर्म के बारे में पॉवेल ने कहा, " अच्छा लग रहा है। मैं पिछले कुछ मैचों से इसकी तलाश कर रहा था, और फिर अंत में में कुछ गेंदों को बल्ले के बीचो-बीच आते हुए देखकर अच्छा लगा। मुझे अब अपने पिछले मैच से आगे के मैचों की खातिर आत्मविश्वास हासिल करना है। अब मैं अपने इस फार्म को टूनार्मेंट के अगले चरण में स्थानांतरित कर देना चाहता हूं।" दिल्ली कैपिटल्स के आने वाले मैचों के बारे में इस 28 वर्षीय बल्लेबाज ने कहा, "आगे कुछ महत्वपूर्ण मैच हैं। हम तालिका में सातवें स्थान पर हैं। टूनार्मेंट के इस चरण के लिहाज से यह खराब जगह नहीं है। अब हमें सीढ़ियां चढ़ने की जरूरत है। हम अपने लक्ष्य को पाने को लेकर आश्वस्त हैं, जो कि शीर्ष-4 में पहुंचना है। एक बार में हम शीर्ष-4 के लिए योग्य बन जाते हैं तो हमारे पास 2022 आईपीएल जीतने का मौका होगा। "

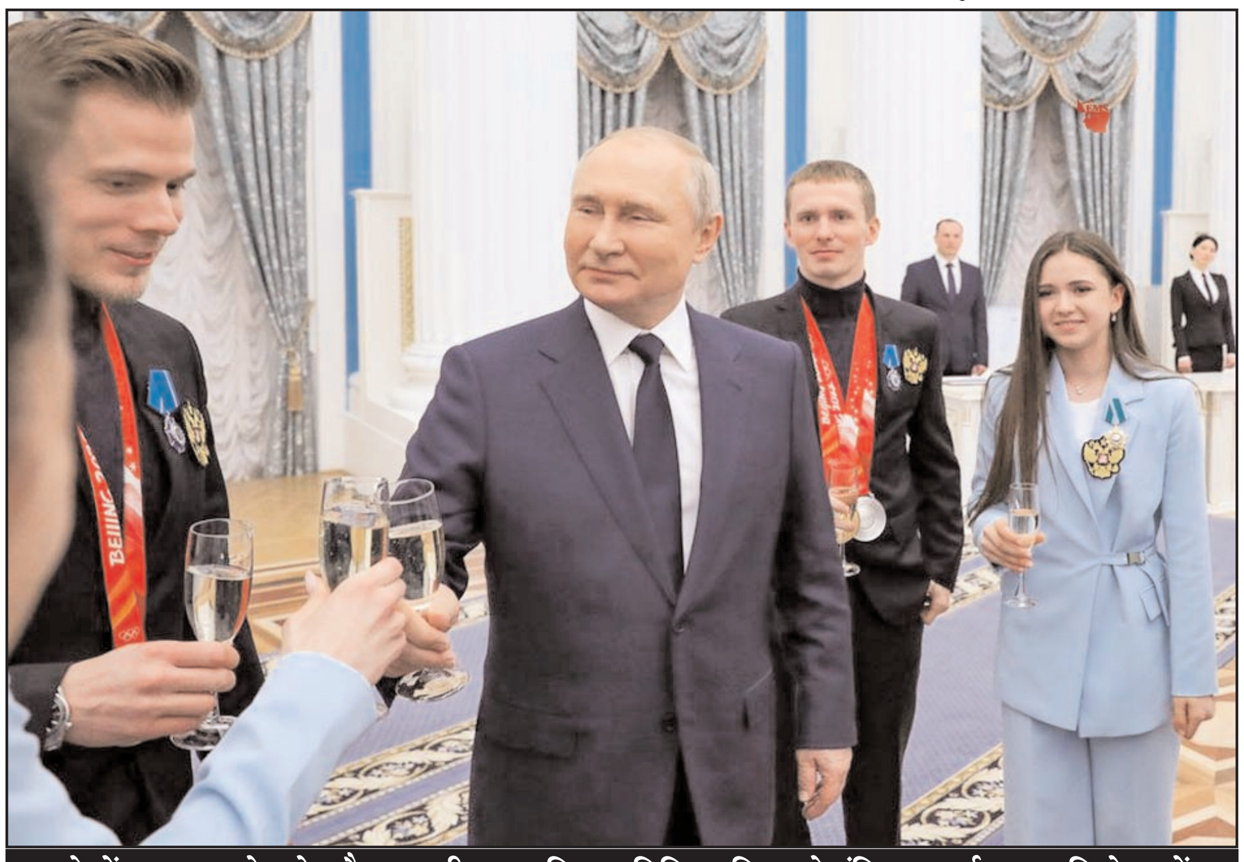

मास्को में एक समारोह के दौरान रुसी राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतिन ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं का सम्मान करते हुए। (फोटो-ईएमएस)

मेरा मार्गदर्शन करने में कोच आशीष नेहरा की बड़ी भूमिका रही है : यश दयाल

मुंबई, (हि.स.)। गुजरात टाइटंस के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल ने कहा है कि उनका मार्गदर्शन करने में मुख्य कोच आशीष नेहरा की बड़ी भूमिका रही है। उन्होंने कहा,"वह मेरा मार्गदर्शन करते रहते हैं। मैं अपनी लय हासिल कर रहा हूं, जो अच्छा है। वह बहुत सहायक है। वह मेरे लिए फायदेमंद रहे हैं। मैंने बहुत सी चीजें सीखी हैं जो मैं पहले नहीं जानता था। वह चाहते हैं कि मैं प्रगति करूं और इससे मुझ पर सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।" आईपीएल जैसे बड़े मंच पर बड़े खिलाड़ियों को गेंदबाजी करते हुए अपने अनुभवों पर दयाल ने कहा कि लीग में गलती की गुंजाइश बहुत कम होती है। उन्होंने कहा, "आपको हर गेंद पर ध्यान देना होता है। प्रयास ज्यादा होते हैं, दिमाग ज्यादा काम करता है। सक्रिय रहना महत्वपूर्ण है और मैं अनुभव हासिल कर रहा हूं, जो मेरे लिए अच्छा है।" गेंदबाज ने टिप्पणी की कि उनकी योजना वैसी ही है जैसी उनके घरेलू क्रिकेट के दिनों में थी, अपनी सर्वश्रेष्ठ गेंद फेंकने की। भारत की राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के अपने मौके पर दयाल ने कहा कि वह जल्द से जल्द उस स्तर तक पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं। फ्रैंचाइजी की बात करें तो टाइटन्स वर्तमान में 7 मैचों में 12 अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। वे 27 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद से भिड़ेंगे।

संजू सैमसन ने आरसीबी पर मिली जीत का श्रेय रियान पराग को दिया

पुणे, (हि.स.)। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के कप्तान संजू सैमसन ने मंगलवार को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ मिली 29 रनों की जीत का श्रेय रियान पराग को दिया और कहा कि जिस तरह टीम ने शुरूआत की थी, उसे देखते हुए यह शानदार जीत है। रॉयल्स पावरप्ले में फॉर्म में चल रहे जोस बटलर सहित तीन विकेट गंवाकर मुश्किल में थी। लेकिन पराग के 56 रनों की शानदार नाबाद पारी ने आरआर को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ जीत दिलाने में मदद की। कप्तान ने कहा कि वे लगातार पराग का समर्थन कर रहे हैं, और अंततः उसने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। मैच के बाद सैमसन ने कहा, "यह वास्तव में एक शानदार जीत है। पहले 15 ओवरों में शुरूआत के बाद, हमें रियान पराग पर विश्वास था। हम पिछले तीन-चार वर्षों से उसका समर्थन कर रहे हैं और उसने आज दुनिया को दिखाया कि वह कैसा बल्लेबाज है। मुझे लगा कि हम दूसरी पारी में बिना किसी ओस के 10-15 रन कम थे। पिच बदल रही थी और दो गति थी, इसलिए 150-160 एक अच्छा स्कोर होता। यह कुछ ऐसा था जिसका हम इंतजार कर रहे थे। टीम के सभी खिलाड़ियों ने अब तक मैच जीतने वाला प्रदर्शन किया है।" उन्होंने कहा,"दूसरी पारी से ठीक पहले हमने जो बातचीत की थी, वह यह थी कि जब आप 200 रनों का पीछा कर रहे होते हैं तो केवल एक गियर होता है। लेकिन 150 जैसे योग के लिए, यह केवल दबाव डालने की बात थी क्योंकि बल्लेबाजों को गियर बदलना पड़ता था।

ड्रेसिंग रूम वातावरण वास्तव में महत्वपूर्ण है। हम विकेट और प्रतिद्वंद्वी के अनुसार कुछ बदलाव करते हैं, लेकिन संचार बहुत महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए, करुण को सिर्फ इसलिए छोड़ दिया गया क्योंकि हमें डेरिल मिशेल के एक ओवर की आवश्यकता थी और वह इसे समझता है। वह बाद में वापस आ सकता है।" कुलदीप सेन के चार विकेट और रियान पराग की 56 रनों की नाबाद पारी की बदौलत मंगलवार को यहां एमसीए स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को 29 रनों से शिकस्त दी। कुलदीप के अलावा रविचंद्रन अश्विन ने तीन और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो विकेट लिए। 145 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की टीम 19.3 ओवर में 115 रनों पर सिमट गई। पराग ने बेहतरीन फील्डिंग करते हुए आरसीबी की पारी के दौरान चार कैच भी लिए।

कोहली के खराब फॉर्म पर डु प्लेसिस ने कहा- महान खिलाड़ी इस तरह के चरणों से गुजरते हैं

पुणे, (हि.स.)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के लिए विराट कोहली की फॉर्म चिंता का कारण बनी हुई है, लेकिन कोहली को आरसीबी के कप्तान फाफ डु प्लेसिस का समर्थन प्राप्त था। फाफ ने कोहली का बचाव करते हुए कहा कि महान खिलाड़ी इस तरह के चरणों से गुजरते हैं। 145 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बेंगलुरू का शीर्ष क्रम फिर विफल रहा और उसने 58 रन पर चार विकेट गंवा दिए और इससे उबर नहीं पाए। कोहली के खराब फॉर्म को लेकर आरसीबी के कप्तान ने कहा कि महान खिलाड़ी कभी न कभी इस तरह की चीजों से गुजरते हैं और इन चीजों को बदलने के लिए वह कोहली के साथ हैं। पारी की शुरूआत करने उतरे कोहली पुल शॉट का प्रयास करते हुए सिर्फ 9 रन बनाकरर आउट हो गए। इस सीजन में वह 9 मैचों में सिर्फ 128 रन ही बना पाए हैं। फाफ डु प्लेसिस ने मैच के बाद कहा, "हमें बल्लेबाजी क्रम को बदलने की कोशिश करनी होगी और देखना होगा कि क्या यह काम करता है। हमें कोशिश करनी होगी और सकारात्मक खेलना होगा। आखिरी मैच के बाद हमने यही चर्चा की, उससे [कोहली] सर्वश्रेष्ठ हासिल करने की कोशिश की।

महान खिलाड़ी इस तरह के चरणों से गुजरते हैं। हम चाहते थे कि वह सीधे अंदर आ जाए ताकि वह किनारे पर बैठकर खेल के बारे में न सोचे। वह एक महान खिलाड़ी है और हम अभी भी उनका समर्थन करते हैं और उम्मीद है कि आगे के मैचों में वह आत्मविश्वास के साथ खेलेंगे।" डु प्लेसिस ने स्वीकार किया कि उनके शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों में निरंतरता की कमी है और उनकी टीम को जल्द ही इस समस्या का समाधान करना होगा। उन्होंने कहा, "यह काफी हद तक हमारे द्वारा खेले गए पिछले मैच के समान है, इसमें थोड़ा असंगत उछाल है। हमने 20 रन अधिक दिए और गिराए गए कैच से हमें 25 रनों का नुकसान हुआ। 140 उस पिच पर एक बराबर स्कोर था। यही वह चीज है जिसे हमें ठीक करने की आवश्यकता है [शीर्ष क्रम की बल्लेबाजी]। खेल की मूल बातें नहीं बदलती हैं। आपको शीर्ष चार में किसी के माध्यम से बल्लेबाजी करने की जरूरत है और हमने ऐसा नहीं किया है।" कुलदीप सेन के चार विकेट और रियान पराग की 56 रनों की नाबाद पारी की बदौलत मंगलवार को यहां एमसीए स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को 29 रनों से शिकस्त दी। कुलदीप के अलावा रविचंद्रन अश्विन ने तीन और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो विकेट लिए।

उप्र में विभिन्न धार्मिक स्थलों से अभी तक 6,031 लाउडस्पीकर उतारे गए

-राज्य में 29,674 लाउडस्पीकरों की आवाज को मानक के अनुरूप किया गया धीमा

लखनऊ। देशभर में धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर को लेकर जहां बवाल हो रहा है तो वहीं उत्तर प्रदेश की जनता इसको लेकर राज्य सरकार के आदेश का स्वेच्छा से पालन कर रही है। सभी धर्मों के लोग स्वयं ही मंदिर-मस्जिदों में लगे अतिरिक्त लाउडस्पीकर को उतारने का काम कर रहे हैं। साथ ही मानक के अनुरूप लाउडस्पीकर की आवाज को धीमा कर रहे हैं। अपर पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने बताया कि प्रदेश में चल रही इस कार्रवाई में सभी धार्मिक स्थलों से शुक्रवार को अपराह्न 01.30 बजे तक कुल 6,031 लाउडस्पीकर उतारे गए हैं, जबकि 29,674 लाउडस्पीकरों की आवाजों को धीमा किया गया है। आगे की कार्रवाई चल रही है। इसमें सभी धर्मों के धर्मगुरुओं और लोगों का पूरा सहयोग मिल रहा है। शुक्रवार अपराह्न 01.30 बजे तक आगरा जोन में 30, मेरठ जोन में 1215, बरेली जोन में 1070, लखनऊ जोन में 912, कानपुर जोन में 1056, गोरखपुर जोन में 02, प्रयागराज जोन में 01, वाराणसी जोन में 1366, लखनऊ कमिश्नरेट में 190, गौतमबुद्धनगर में 19 और वाराणसी कमिश्नरेट में 170 लाउडस्पीकर हटाए गए हैं। प्रशांत कुमार ने बताया कि लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस दोनों धर्मों के लोगों से बातचीत करने के बाद आपसी सहमति मिलने पर लाउडस्पीकर को उतारने का कार्य कर रही है। इसमें सभी धर्मों के धर्मगुरु प्रशासन का पूरा सहयोग कर रहे हैं। पुलिस और प्रशासन के लोग मंदिर, मस्जिद और गुरुद्वारों में लाउड स्पीकर उतरवाये जाने का कार्य किया जा रहा है। बलरामपुर जनपद स्थित शक्तिपीठ देवी पाटन के मंदिर में भी तीन लाउडस्पीकर को उतरवाया गया है। शक्तिपीठ के मुताबिक राज्य सरकार के निर्देशों का पालन करते हुए देवी पाटन मंदिर में चार स्पीकरों में से तीन

स्पीकरों को उतरवा दिया है। महंत ने सभी धर्म गुरुओं और लोगों से से अपील की है कि जनहित में राज्य सरकार द्वारा उठाये जा रहे इस कदम में सहयोग दें। सादुल्लानगर थाना प्रभारी ने बताया कि बड़ी मस्जिद अलाउद्दीनपुर से अतिरिक्त लाउडस्पीकर को उतरवाया गया। साथ ही सिद्धेश्वरनाथ मंदिर और अलाउद्दीनपुर के शिव मंदिर में लगे दो लाउडस्पीकर उतारे गये हैं। राज्य सरकार के आदेश के बाद लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, बलरामपुर बस्ती, प्रयागराज, मथुरा, कानपुर, नोएडा, कन्नौज समेत प्रदेश के सभी जनपदों के मंदिर, मस्जिद और धार्मिक स्थलों पर लगे अतिरिक्त लाउड स्पीकर को उतारने का काम तेजी से किया जा रहा है। इसमें सभी धर्मों के लोगों का पूरा-पूरा सहयोग मिल रहा है। राज्य गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव अवनीश अवस्थी ने बीते दिनों शासनदेश जारी करते हुए सभी थानों को निर्देशित किया था कि विशेष अभियान चलाकर अवैध और तेज आवाज में बजने वाले लाउडस्पीकर को हटाया जाए। 30 अप्रैल तक कार्रवाई की रिपोर्ट शासन को भेजनी है और ऐसा न करने पर संबंधित थाना इंचार्ज के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद पुलिस ने जिला प्रशासन और सभी धर्मों के सहयोग से लाउडस्पीकर को उतारने का काम शुरू किया।

मुख्यमंत्री ने की थी सराहना - मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते दिनों एक बैठक में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर द्वारा परिसर से लाउडस्पीकर हटाए जाने की पहल की सराहना की थी। उन्होंने कहा था कि सभी लोगों को धार्मिक विचारधारा के अनुसार उपासना पद्धति को मानने की पूरी स्वतंत्रता है। इसके लिए माइक और साउंड सिस्टम का उपयोग किया जा सकता है, लेकिन यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि इस प्रकार की आवाज उस धार्मिक परिसर से बाहर न जाए और किसी को भी असुविधा नहीं होनी चाहिए।

बादल और मजीठिया समेत कई विधायकों को सरकारी फ्लैट खाली करने के आदेश

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब में सत्ता परिवर्तन होने के बाद विधानसभा द्वारा विधायकों को फ्लैट आवंटित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके कारण पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल तथा कई पूर्व विधायकों को तुरंत प्रभाव से फ्लैट खाली करने के निर्देश जारी किए जा चुके हैं। पूर्व कांग्रेस सरकार के मंत्री पहले ही सरकारी आवास खाली कर चुके हैं और उनके आवास आगे आवंटित भी किए जा चुके हैं। चंडीगढ़ में पंजाब के मुख्यमंत्री तथा मंत्रियों को छोड़कर विधायकों के कोटे में 65 फ्लैट आते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल को पिछली सरकार के समय सेक्टर चार में 37 नंबर फ्लैट अलाट किया गया था। दिलचस्प बात यह है कि यह फ्लैट बादल को हराने वाले गुरमीत सिंह खुड्डिया को अलाट किया गया है। अब लंबी हलके से चंडीगढ़ आने वाले लोगों को कोई

परेशानी नहीं होगी। फ्लैट वही है केवल मालिक बदला है। ड्रग्स मामले में जेल में बंद अकाली नेता बिक्रमजीत सिंह मजीठिया को भी फ्लैट नंबर 39 खाली करने के निर्देश जारी किए गए हैं। हालांकि मजीठिया की पत्नी गुनीत कौर ने स्पीकर को आवेदन करके यह फ्लैट उन्हें बतौर विधायक अलाट करने के लिए कहा था लेकिन मंगलवार को हुई बैठक में स्पीकर ने उनकी अर्जी खारिज कर दी है। विधानसभा में अकाली दल के तीन विधायक हैं। ऐसे में वरिष्ठता के आधार पर केवल दूसरी बार के विधायक मनप्रीत इयाली को ही फ्लैट दिया जाएगा। स्पीकर द्वारा फ्लैट नंबर 39 पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को हराने वाले डाक्टर चरणजीत सिंह को अलाट किया गया है।

पत्रकारिता के नैतिक मूल्यों का पालन करे मीडियाः उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, (हि.स.)। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने बुधवार को मीडिया से पत्रकारिता के नैतिक मूल्यों का पालन करने और समाचारों की कवरेज में जवाबदेह होने का आह्वान किया। उन्होंने खबरों को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत करने और उन्हें सनसनीखेज बनाने की बढ़ती हुई प्रवृत्ति के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह जनता को गलत सूचना देने के समान है। नायडू ने कहा कि कई बार इस तरह की गलत सूचना घबराहट पैदा कर सकती है। उन्होंने कहा कि सच्चाई के नजदीक रहें और सनसनी से दूर रहें। नायडू ने नेल्लोर में ऑल इंडिया रेडियो एफएम स्टेशन में 10 किलोवाट एफएम संचालन के लिए 100 मीटर ऊंची टॉवर का उद्घाटन किया। आकाशवाणी स्टूडियो पहुंचने के बाद नायडू ने लाइव प्रसारण के माध्यम से अपना विशेष संबोधन दिया और एफएम टावर नेल्लोर के लोगों को समर्पित की। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता जाहिर की कि जब वे सूचना एवं प्रसारण मंत्री थे तब उन्होंने जिस स्टेशन की नींव रखी थी वह आज कार्यरत है। नायडू ने इस बात पर जोर देकर कहा कि लोकतंत्र में प्रेस की आजादी अनिवार्य है। उन्होंने यह भी कहा कि मीडिया विभिन्न मुद्दों के बारे में लोगों

को शिक्षित करने तथा लोकतंत्र को मजबूत बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस बारे में उन्होंने राष्ट्रीय विकास में प्रसारण मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख किया। उपराष्ट्रपति ने डिजिटल युग में मीडिया की व्यापक पहुंच को देखते हुए मीडिया को समाज की वास्तविकताओं का उल्लेख करने और पत्रकारिता के प्रमुख सिद्धांतों के प्रति हमेशा प्रतिबद्ध रहने का परामर्श दिया। उन्होंने कहा कि मीडिया के लिए आत्मनिरीक्षण और आत्म-नियंत्रण करने की जरूरत है। उन्होंने यह सुझाव भी दिया कि लोगों को ऐसे मीडिया संगठनों को प्रोत्साहित करना चाहिए जो ईमानदार और नैतिक पत्रकारिता का अनुपालन करते हों। सोशल मीडिया के उदय का जिक्र करते हुए उन्होंने फेक न्यूज की घटनाओं के बारे में चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि लोगों को गैर सत्यापित और निराधार जानकारी दूसरों को नहीं देनी चाहिए।

दाऊद के धन से महाराष्ट्र को अशांत करने की साजिशः संजय राऊत

-कहा, डी कंपनी के युसुफ लकड़ावाला से 80 लाख रुपये लेने वाले राणा दंपति से ईडी ने क्यों नहीं की पूछताछ

मुंबई, (हि. स.)। शिवसेना प्रवक्ता तथा राज्यसभा सदस्य संजय राऊत ने कहा कि अंडरवर्ल्ड डान दाऊद इब्राहिम के पैसे से महाराष्ट्र को अशांत करने की साजिश रची गई है। इसी साजिश के तहत डी कंपनी के बदमाश युसुफ लकड़ावाला से 80 लाख रुपये लेने वाली अमरावती की सांसद नवनीत राणा तथा उनके पति विधायक रवि राणा से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूछताछ नहीं की। राऊत ने भारतीय जनता पार्टी पर डी कंपनी से जुड़ी देश विरोधी शक्तियों को बचाने का आरोप लगाया है। संजय राऊत ने बुधवार को पत्रकारों से कहा कि डी कंपनी से जुड़े बदमाश युसुफ लकड़ावाला को ईडी ने 200 करोड़ रुपये मनी लॉड्रिंग

मामले में गिरफ्तार किया था। ईडी ने युसुफ लकड़ावाला की हर ट्रांजेक्शन की जांच की ,लेकिन सांसद नवनीत राणा तथा विधायक रवि राणा को किए गए 80 लाख रुपये के ट्रांजेक्शन की जांच नहीं की। उसे इस जांच के लिए किसने बचाया, यह अपने आपमें बड़ा सवाल है। उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में भाजपा का एक नेता के इशारे पर ईडी की कार्रवाई होती है। अब उस नेता को सामने आकर जनता को जवाब देना चाहिए। इस मामले की जांच मुंबई क्राइम ब्रांच का आर्थिक विभाग करने वाला है। राऊत ने कहा कि महाराष्ट्र में दाऊद के धन से ही हनुमान चालीसा का पाठ करने, लाउड स्पीकर के उपयोग जैसे भड़काऊ मुद्दे उठाए जा रहे हैं। इन मुद्दों के माध्यम से महाराष्ट्र में अशांति फैलाई जा रही है। राज्य सरकार महाराष्ट्र में किसी भी स्थिति में अशांति फैलने नहीं देगी। पुलिस साजिशकताओं के चेहरे से पर्दा उठाएगी।

बाहुबली मुख्तार अंसारी के रिश्तेदारों की 5.10 करोड़ की संपत्ति कुर्क

गाजीपुर। जिला प्रशासन ने एक बार फिर माफिया मुख्तार अंसारी के खिलाफ बड़ी कार्यवाही की है। पुलिस प्रशासन ने बुधवार को मुख्तार के साले शरजील रजा, अनवर शहजाद के नाम की 5.10 करोड़ सम्पत्ति को कुर्क किया है। क्षेत्राधिकारी सदर ओजस्वी चावला ने बताया कि आईएस-191 गैंग लीडर मुख्तार अंसारी के खिलाफ जिलाधिकारी के निर्देश पर गैंगस्टर के तहत कुर्की की कार्यवाही की गई है। मुख्तार अंसारी की सदर कोतवाली क्षेत्र के बबेड़ी गांव स्थित बेनामी संपत्ति कुर्क गई है, जो कि माफिया डॉन मुख्तार अंसारी के सालों के नाम पर दर्ज है। बबेड़ी गांव स्थित गाटा संख्या 446 रखवा 0.3134 हेक्टयर जमीन को जिला प्रशासन के आला अफसरों की मौजूदगी में कुर्क

की गई, जिसकी बाजार कीमत 5 करोड़ 10 लाख रुपये बताई जा रही है। इससे पहले भी मुख्तार अंसारी गैंग के ऊपर कुर्की की कई बड़ी कार्यवाही की जा चुकी हैं।

इलेक्ट्रिक वाहनों में आग लगने को लेकर गडकरी ने फिर दिया बयान

नई दिल्ली (ईएमएस)। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर में हाल में आग लगने की घटनाओं के बीच केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कंपनियों से गड़बड़ी वाले वाहनों को वापस मंगाने को लेकर तुरंत कदम उठाने का आग्रह किया। मार्च, अप्रैल और मई में पारा चढ़ने के साथ इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बैटरी में कुछ समस्या होती है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि देश की इलेक्ट्रिक व्हीकल इंडस्ट्री ने अभी काम करना शुरू किया है तथा सरकार उनके लिए कोई बाधा पैदा नहीं करना चाहती। उन्होंने कहा, "लेकिन सरकार के लिये सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है और मानव जीवन के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता।" हाल के दिनों में इलेक्ट्रिक वाहनों में आग लगने की कुछ घटनाओं के बाद उनका बयान मायने रखता है। इन घटनाओं में कुछ लोगों की मौत हो गयी जबकि कुछ गंभीर रूप से जख्मी हुए। एक कार्यक्रम में

गडकरी ने कहा कि कंपनियां खराब वाहनों को ठीक करने के लिये उन्हें वापस मंगाने को लेकर तुरंत कदम उठा सकती हैं। उन्होंने कहा, "मार्च, अप्रैल और मई में पारा चढ़ता है। ऐसे में ईवी बैटरी में कुछ समस्या होती है।

मुझे लगता है कि इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों में आग लगना पारा चढ़ने से जुड़ा है।" मंत्री ने कहा कि सरकार ईवी को लोकप्रिय बनाना चाहती है। गडकरी ने कहा, "हम समझते हैं कि इलेक्ट्रिक व्हीकल इंडस्ट्री ने अभी काम करना शुरू किया है। हम उसके लिये कोई बाधा पैदा नहीं करना चाहते। लेकिन सुरक्षा सरकार के लिये सर्वोच्च प्राथमिकता है और मानवीय जीवन के साथ कोई समझौता नहीं हो सकता। सरकार ने ओला के इलेक्ट्रिक स्कूटर में पुणे में आग लगने की घटना के बाद पिछले महीने जांच के आदेश दिये थे। मंत्रालय ने सीफीस केंद्र से उन परिस्थितियों की जांच करने को कहा गया है, जिसकी वजह से आग लगी। साथ ही इससे बचाव के उपाय सुझाने को कहा गया है। मंत्रालय ने सीफीस से इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिये उठाये जाने वाले कदमों के बारे में सुझाव देने को कहा है।

गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का पलटवार, कहा- 'दिग्विजय सिंह ने एक कौम को ही बता दिया बिकाऊ'

भोपाल, (हि.स.)। प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के उस बयान पर पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने भाजपा पर गरीब मुसलमान बच्चों को पैसे देकर पत्थरबाजी कराने का आरोप लगाया था। गृह मंत्री मिश्रा ने कहा कि दिग्विजय सिंह ने भाजपा पर आरोप लगाने के चक्कर में एक कौम को ही बिकाऊ बता दिया। दरअसल, दिग्विजय सिंह का मंगलवार को एक कार्यक्रम का वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वे भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहते नजर आ रहे कि भाजपा गरीब मुसलमान बच्चों को पैसे देकर पत्थरबाजी कराती है। दिग्विजय ने यह भी कहा था कि उनके पास ऐसी शिकायतें आ रही हैं कि भाजपा के लोग कुछ गरीब मुस्लिम लड़कों को पैसा देकर खुद ही पत्थर फिंकवाते हैं और वह इन शिकायतों की जांच करवा रहे हैं। गृह मंत्री मिश्रा ने बुधवार को मीडिया से बातचीत के दौरान दिग्विजय सिंह के इस बयान को लेकर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि तुष्टीकरण की

नीति के कारण देश की सेना, पुलिस, संविधान और न्याय व्यवस्था पर सवाल उठाने वाले दिग्विजय सिंह अब गरीब मुसलमान लड़कों पर पैसे लेकर पत्थर फेंकने का आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह ने एक कौम को ही बिकाऊ बता दिया। आपके पास क्या सबूत हैं, उस कौम ने पत्थर फेंके।

किसी व्यक्ति के बारे में ऐसा बोलते तो इतनी पीड़ा नही होती, लेकिन रमजान के पवित्र माह में एक कौम को बदनाम करने का उनका यह प्रयास बेहद निंदनीय है। गृह मंत्री मिश्रा ने एक सवाल के जवाब में कांग्रेस को डूबता जहाज बताया। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर बहुत योग्य व्यक्ति हैं और कांग्रेस एक डूबता जहाज है। डूबते जहाज की सवारी कोई नहीं करना चाहता।

हमारे सहयोगी संरक्षक एवम् ब्यूरो प्रमुख

प्रधान सम्पादक – नरेन्द्र कुमार

सहयोगी संरक्षक

अनिल सेठी

नरेश ए बाबू-कार्यकारी निदेशक

कला सहयोगी-मोहित शुक्ला, रजनीश

सदस्य एवं रिपोर्टर

- राजकुमार कश्यप (दिल्ली) • दीपक कुमार (पटियाला)
- वीरेन्द्र कुमार ठाकुर • वीरेंद्र सिंह बघेल (फरीदाबाद)
- अनीता सिंह • राम नाथ • मुकेश गुप्ता, मीनाक्षी निगम
- मोहम्मद शमशेर (दिल्ली) • मुकेश जोशी (उत्तराखण्ड)
- अशोक कुमार, काजल शर्मा (गुरूग्राम)
- अवध किशोर त्रिपाठी (अहमदाबाद)
- श्याम लाल (मेरठ) • रामनरेश सिंह (पडरौना, उत्तरप्रदेश)
- नवीन सुरेल, तालबहेट, ललितपुर, (झाँसी)
- ओम शुक्ला, मनीष शुक्ला, शिवम शुक्ला (कानपुर)
- ओमपाल वर्मा, इन्द्रमणी मंडल (रायपुर छत्तीसगढ़)
- फ्रूमू लामों सिलीगुड़ी, रोशन कुमार मिश्रा (पश्चिम बंगाल)
- सतीश कुमार जट्टपुरा (करनाल)

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक हैं।

समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री, लेख, रचनाओं, एवम् विज्ञापनों में लेखकों और विज्ञापन दाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा की किसी भी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही मान्य होगा।

विशेष :- किसी भी परिस्थिति में निर्णय लेने का अधिकार केवल संपादक को है।

S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092

संपर्क – 011-35631400

Customer Care No.

83750 00628

ADVERTISMENT RATE TARIFF PLAN

FULL PAGE | HALF PAGE | QUARTER PAGE

FULL FRONT PAGE	₹1,20,000/-
FULL INNER PAGE	₹60,000/-
FULL BACK PAGE	₹90,000/-
HALF FRONT PAGE	₹66,000/-
HALF PAGE INNER	₹36,000/-
HALF PAGE BACK	₹51,000/-
QTR. PAGE FRONT	₹36,000/-
QTR. PAGE INNER	₹21,000/-
QTR. PAGE BACK	₹30,000/-

Classifieds Ads. Per Column / 3 CM. Rs.2100/-

Visiting Card Size Advertisements:

Front Page Rs. 6000/- Back Page Rs. 4500/-

Inner Page Rs.3000/-

DELHI CRIME 28 apr 2022:Layout 1 4/27/2022 7:12 PM Page 8

आलिया, प्यार के बारे में तुम क्या सोचती हो?

-जब रणबीर कपूर ने पूछा था आलिया भट्ट से

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ब्रह्मास्त्र के सेट पर एक दूसरे के करीब आए लेकिन दोनों की पहली मुलाकात संजय लीला भंसाली की फिल्म के सेट पर हुई थी। इसके बाद दोनों 2014 में आलिया की फिल्म हाइवे के सेट पर मिले थे जहां आलिया और रणबीर के बीच फिल्म समेत कई मुद्दों पर बात हुई थी। इस दौरान रणबीर कपूर ने आलिया भट्ट से प्यार के बारे में क्या सोचती हैं ये पूछा था। एक रिपोर्ट के अनुसार रणबीर ने आलिया से पूछा था, आलिया प्यार के बारे में तुम क्या सोचती हो? ये कितना जरूरी है तुम्हारे लिए। फिलहाल तो तुम उन लड़कियों में शामिल हो जो नहीं नहीं मैं करियर पर फोकस कर रही हूं। रणबीर कपूर के इस सवाल का आलिया भट्ट ने भी शानदार जवाब दिया था। उन्होंने कहा था, ह्यमैं ये नहीं कर रही लेकिन मैं अभी तक प्यार में पड़ी नहीं हूं लेकिन उम्मीद जरूर करती हूं। रॉकस्टार एक्टर ने तब आलिया भट्ट से ये भी पूछा था कि तुम किसी ऐसे शख्स से शादी करना चाहोगी जो तुम्हें एक्टिंग करते नहीं देखना चाहता हो? आलिया भट्ट ने इसके रिप्लाई में भी कहा था, नहीं, मैं पूरी जिंदगी एक्टिंग नहीं करूंगी लेकिन मैं तब तक चाहूं तब तक एक्टिंग करना चाहती हूं। आलिया भट्ट ने आगे कहा था कि अगर कोई मुझसे ऐसा चाहता था वो मुझे नहीं चाहता। आपको बता दें कि रणबीर-आलिया को एक दूसरे से प्यार ब्रह्मास्त्र के सेट पर हुआ। दोनों इस फिल्म में पहली बार साथ में स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के फैंस को भी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। मालूम हो कि आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की शादी लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। शादी से पहले भी आलिया भट्ट कई दफे कह चुकी थीं कि रणबीर कपूर उनके क्रश हैं और आखिरकार दोनों ने पांच सालों के रिलेशनशिप के बाद शादी की। आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने 14 अप्रैल को अपने घर वास्तु में शादी की। इस दौरान उनका परिवार और खास दोस्त ही मौजूद रहे।

इंटरव्यू बीच में छोड़ने की वजह से सुर्खियां बटोर रही माहिरा

-शहनाज गिल के फैंस ने ली चुटकी

मुंबई (ईएमएस)। बिग बॉस 13 फेम माहिरा शर्मा इन दिनों एक इंटरव्यू को बीच में छोड़ने की वजह से सुर्खियां बटोर रही हैं। माहिरा शर्मा का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में माहिरा शर्मा मोटापे का मजाक बनने पर इंटरव्यू बीच में छोड़कर बाहर निकल जाती हैं। रिपोर्टर को वीडियो में यह कहते हुए सुना जा सकता है, लोग कभी कहते हैं कि तुम बहुत मोटे हो, कभी वे कहते हैं कि तुम बहुत पतले हो। उनके साथ भी ऐसा हो रहा है, मेरे साथ माहिरा शर्मा हैं। हालांकि अब ये वीडियो सोशल मीडिया से हटा दिए गए हैं, हालांकि, माहिरा ने एंकर को यह कहते हुए रोक दिया कि उन्हें यह सवाल पसंद नहीं आया। एक्ट्रेस को फिर इंटरव्यू से बाहर निकलते हुए देखा गया। ये वीडियो सोशल मीडिया पर पहले वायरल हुआ और फिर इसे हटा दिया गया। वहीं कुछ लोग रिपोर्टर की आलोचना कर रहे हैं, तो दूसरी ओर शहनाज गिल के फैंस इसे उनके कर्म बता रहे हैं। शहनाज गिल के फैंस का आरोप है कि बिग बॉस 13 के अपनी जर्नी के दौरान माहिरा ने शहनाज को बॉडी शेम भी किया था। सोशल मीडिया यूजर्स में से एक ने लिखा, माहिरा शर्मा, जिन्होंने मोटापे की वजह से मेरी शहनाज का मजाक उड़ाया था, उन पर अब हर एक रिपोर्टर तंज कस रहा है।

काम की बात करें, तो माहिरा शर्मा अपने रूमर्ड ब्वॉयफ्रेंड पारस छाबड़ा के साथ म्यूजिक वीडियो डरपोक माहिया में नजर आ रही हैं। यह म्यूजिक वीडियो दो दिन पहले रिलीज कर दिया गया था। गाने का संगीत मीत ब्रदर्स ने तैयार किया है। गाने को खुशबू ग्रेवाल ने गाया है। बता दें कि माहिरा शर्मा बिग बॉस 13 से घर-घर मशहूर हो गई थीं. शो में शहनाज गिल के साथ उनकी फाइट और पारस छाबड़ा के साथ उनकी लव स्टोरी सुर्खियों में रही थी। माहिरा तब से कई म्यूजिक वीडियो में नजर आ चुकी हैं।

'शूल' के लिए नवाजुद्दीन सिद्दीकी को नहीं मिली थी फीस

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने फिल्म इंडस्ट्री में पॉपुलेरिटी मिलने से पहले बहुत सारे छोटे-मोटे रोल प्ले किए, जिनमें से कई फिल्मों के लिए शायद उन्हें क्रेडिट भी नहीं दिया गया। ऐसी ही एक फिल्म थी 'शूल', जिसका निर्देशन ईश्वर निवास ने किया था। 1999 में रिलीज हुई इस फिल्म में नवाज ने वेटर का रोल प्ले किया था और उन्हें इसके पैसे भी नहीं दिए गए थे। फिल्म में रवीना टंडन और मनोज बाजपेयी ने लीड रोल प्ले किए थे। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने हाल ही में बताया कि फिल्म में उन्हें वेटर का रोल करने के लिए 2500 रुपए देने का वादा किया था, लेकिन बाद में नवाज को पैसे नहीं दिए गए। एक्टर ने अपने पैसों के लिए प्रोड्क्शन ऑफिस के 6-7 महीने तक लगातार चक्कर लगाए। जब उन्हें इसके बाद भी पैसे नहीं मिले तो एक्टर ने पैसे निकालने का एक शातिर तरीका निकाला। नवाज ने कहा, मैंने कई फिल्मों के छोटे रोल प्ले किए थे। इनमें से बहुत से रोल्स के बारे में तो मैं लोगों को बताता भी नहीं हूं कि मैं इन फिल्मों में हूं। मुझे जिंदगी चलाने के लिए पैसे की जरूरत थी। मैंने शूल फिल्म में रवीना टंडन और मनोज बाजपेयी से ऑर्डर लेने वाले वेटर का रोल प्ले किया था। मुझे इस रोल के लिए 2500 रुपए देने का कहा था, लेकिन वो पैसे मुझे कभी नहीं दिए गए। ऐसा मेरे साथ कई बार हुआ, लेकिन ये वाला इंसिडेंट मुझे याद है।"

सारा तेंदुलकर जल्द ही ग्लैमर वर्ल्ड में कर सकती हैं एंट्री

सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा जल्द बॉलीवुड डेब्यू कर सकती हैं। मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक, सारा की फिल्मों में काफी दिलचस्पी है और वह अपना करियर ग्लैमर वर्ल्ड में बनाना चाहती हैं। फिलहाल, वह एक प्रोफेशनल मॉडल हैं और उन्होंने एक्टिंग के गुर भी सीखे हैं। सारा ने लंदन यूनिवर्सिटी से मेडिसिन की पढ़ाई की है। इससे पहले उनकी धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल में स्कूलिंग हुई है। वह 24 साल की हैं। सारा तेंदुलकर के इंस्टाग्राम अकाउंट पर 19 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं, जिनमें बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन, रणवीर सिंह, सारा अली खान, आलिया भट्ट समेत कई अन्य सेलेब्स के नाम शामिल हैं। सारा अक्सर यहां अपनी ग्लैमरस तस्वीरें, वीडियो शेयर करती रहती हैं। सूत्रों के मुताबिक, सारा ज्यादा सुर्खियों में नहीं रहती हैं, इसलिए उनकी एक्टिंग स्किल्स के बारे में लोगों को अभी तक पता नहीं है। वो काफी टैलेंटेड हैं। सारा के माता-पिता भी उनके फैसलों में उनका सपोर्ट करते हैं और बेटी के एक्ट्रेस बनने के फैसले से उन्हें कोई आपत्ति नहीं है।

फिगर के चलते मटका कहकर बुलाते थे मृणाल को

-बॉडी शेमिंग का शिकार हो चुकी है जर्सी की एक्ट्रेस

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान से लेकर, मलाइका अरोड़ा, पलक तिवारी, अनेरी वजानी सहित कई हसीनाएं बॉडी शेमिंग का शिकार हो चुकी हैं। इस लिस्ट में शाहिद कपूर की जर्सी एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर का नाम भी शामिल है। मृणाल ने अब खुद बॉडी शेमिंग पर खुलकर बात की है। हाल ही में एक इंटरव्यू में मृणाल ठाकुर ने बॉडी शेमिंग पर बात की और बताया कि कैसे एक समय पर ट्रोल्स उन्हें उनके फिगर के चलते मटका कहकर बुलाते थे। सोशल मीडिया पर उनकी बॉडी पर कई बार ऐसे कॉमेंट किए गए। उनके शरीर के साथ ही उनके लुक्स पर भी भद्दी बातें कही गईं और ऐसा एक-दो बार नहीं बल्की कई बार हुआ। ट्रोलिंग और बॉडी शेमिंग पर बात करते हुए मृणाल ने बताया कि कैसे ट्रोल्स उनके कर्वी फिगर के लिए उन पर हमला करते थे। वह कहती हैं- अगर मैं वजन कम करती हूं तो पहले मैं अपने चेहरे से वजन कम करना शुरू करती हूं, फिर मेरा ऊपरी शरीर और फिर यह मेरे निचले शरीर तक पहुंचता है। लेकिन, इसके बाद भी मेरा शेप ऐसा ही रहेगा। मृणाल ने यह भी बताया कि ट्रोल्स ने अक्सर उन्हें डिमोटिवेट किया और कम आत्मविश्वास महसूस कराया। वह कहती हैं- तो लोगों के मुझे मटका कहने पर या बुरा महसूस करने की जगह मैं इस पर बहुत गर्व महसूस करती हूं। एक्ट्रेस ने आगे बताया कि कैसे जीरो फिगर होना जरूरी नहीं है। जरूरी है फिट और स्वस्थ रहना। और फिर आप जीरो फिगर में अच्छे लगेंगे या बढ़े हुए वजन में, सब शरीर के आकार पर निर्भर करता है। क्योंकि, हम सभी के शरीर का आकार अलग-अलग होता है। बता दें कि सेलेब्स पर अक्सर लोगों की नजर होती है। उनकी ड्रेसिंग से लेकर, बॉडी स्ट्रक्चर तक को लोग बहुत ही नजदीक से फॉलो करते हैं। ऐसे में जहां, कई बार इन सेलेब्स को कुछ लोगों से प्यार मिलता है तो कुछ इनकी परेशानी की वजह भी बन जाते हैं। सेलेब्स को बॉडी शेम किया जाना भी बेहद आम बात है।

भूमि पेडनेकर ने शेयर किया ब्रेक-डे वीडियो

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर अपनी फिल्मों के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी सक्रिय रहने वाली भूमि पेडनेकर ने मंगलवार को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर अपने ब्रेक डे का एक वीडियो फैंस के साथ साझा किया है। इस वीडियो को साझा करते हुए भूमि ने लिखा-'ब्रेक-डे, रिकवरी फॉर द बॉडी, माइंड एंड सोल।' इस वीडियो में सबसे पहले भूमि पहाड़ों में चाय पीती हुईं नजर आ रही हैं, उसके बाद वर्कआउट, ब्रेकफास्ट और रीडिंग करती हुई दिख रही हैं। वीडियो को देखने के बाद यह साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि भूमि ने अपने ब्रेक डे का पूरा लुत्फ उठाया है। सोशल मीडिया पर भूमि के इस वीडियो को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। गौरतलब है कि भूमि पेडनेकर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'द लेडी किलर की शूटिंग के लिए मनाली में है। अजय बहल निर्देशित इस फिल्म में भूमि के साथ अभिनेता अर्जुन कपूर लीड रोल में नजर आएंगे। वहीं भूमि इस फिल्म के अलावा 'गोविंदा नाम मेरा', 'रक्षाबंधन', 'भक्षक' और 'भीड़' आदि फिल्मों में अभिनय करती नजर आएंगी।

टाइगर श्रॉफ को देख बेहोश हुई फैन

सोशल मीडिया पर टाइगर श्रॉफ को एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में टाइगर एक फीमेल फैन को हग करते हुए नजर आ रहे हैं। दरअसल मुंबई में टाइगर और तारा सुतारिया फिल्म 'हीरोपंती 2' के प्रमोशन के लिए पहुंचे थे। दोनों को देखने के लिए फैंस की भीड़ लग गई। इस दौरान टाइगर को देख एक फीमेल फैन बेहोश हो गई। जिसके बाद वहां मौजूद कुछ लोग ने पानी पिलाने की कोशिश की, लेकिन उसने पानी पीने से मना कर दिया। इसके बाद एक्टर ने उसे स्टेज पर बुलाया उसे गले से लगा लिया। वायरल वीडियो को देख सोशल मीडिया यूजर्स रिएक्ट कर रहे हैं। कुछ ने लिखा- 'छोटी बच्ची हो क्या?' अहमद खान की निर्देशित फिल्म 'हीरोपंती 2' 29 अप्रैल को रिलीज होगी।

रोहित शेट्टी की 'इंडियन पुलिस फोर्स' में विवेक ओबरॉय की एंट्री

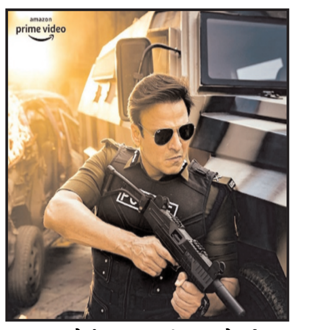

फिल्ममेकर रोहित शेट्टी की 'इंडियन पुलिस फोर्स' में सिद्धार्थ मल्होत्रा और शिल्पा शेट्टी के बाद अब बॉलीवुड एक्टर विवेक ओबेरॉय की भी एंट्री हो गई है। इसकी जानकारी खुद रोहित ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्टर जारी करते हुए दी है। पोस्टर में विवेक हाथों में बंधूक थामे, पुलिस की वर्दी पहने नजर आ रहे हैं। पोस्टर शेयर करते हुए रोहित शेट्टी ने लिखा- 'मिलिए हमारे स्क्वॉयड के सबसे सीनियर ऑफिसर से... स्वागत है विवेक।' रोहित की पोस्ट पर कमेंट करते हुए विवेक ने उन्हें शुक्रिया अदा किया है। विवेक ने लिखा-'शुक्रिया मेरे भाई! हर पल को बेहद प्यार कर रहा हूं। अपने 20 सालों में मैंने इस स्केल पर ना कोई एक्शन फिल्म देखी ना की। आप मास्टर हो।' उल्लेखनीय है कि रोहित शेट्टी की यह सीरीज एक्शन से भरपूर होगी। रिपोट्र्स के अनुसार, इस सीरीज में जितने भी बड़े एक्शन सीन होने वाले हैं, उन्हें रोहित शेट्टी खुद डायरेक्ट करेंगे। हालांकि, इस सीरीज का निर्देशन सुशांत प्रकाश कर रहे हैं। यह सीरीज एमेजॉन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। इससे पहले भी रोहित अपने कॉप यूनिवर्स के जरिए लोगों का खूब मनोरंजन कर चुके हैं। रोहित ने अपने यूनिवर्स की शुरूआत अजय देवगन के साथ फिल्म 'सिंघम' से की थी। इसके बाद वह 'सिंघम रिटर्न्स' लेकर आए। दोनों ही फिल्में सुपरहिट रहीं। फिर रणवीर सिंह पुलिस वाले बने और 'सिंबा' में नजर आए। इस कड़ी को आगे बढ़ाते हुए अक्षय कुमार ने 'सूर्यवंशी' की। वहीं अब सिद्धार्थ मल्होत्रा,विवेक ओबराय और शिल्पा शेट्टी भी इस लिस्ट में शामिल हो गई हैं। फैंस को इस सीरीज का बेसब्री से इन्तजार है।

जरीन खान की माँ अस्पताल में भर्ती, अभिनेत्री ने की फैंस से दुआ की अपील

फिल्म अभिनेत्री जरीन खान की माँ की तबीयत एक बार फिर से खराब हो गई है जिसके कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है और फिलहाल वह आईसीयू में हैं । इसकी जानकारी खुद अभिनेत्री ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर पोस्ट शेयर कर दी है। इसके साथ ही जरीन ने फैंस से अपनी माँ के लिए दुआ करने की अपील की है। हालांकि अभी तक साफ नहीं हो पाया है कि जरीन की माँ को हुआ क्या है? इससे पहले भी वह मार्च महीने में काफी बीमार हो गईं थी,जिसके बाद उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया था । वहीं फैंस सोशल मीडिया के जरिये जरीन की माँ के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं। जरीन खान अपनी माँ के बहुत करीब हैं। जरीन ने साल 2010 में सलमान खान की फिल्म 'वीर' से बॉलीवुड में कदम रखा था। कई लोग उन्हें कटरीना कैफ की हमशक्ल भी कहते हैं। वह आखिरी बार डिज्नी प्लस हॉटस्टार की फिल्म 'हम भी अकेले तुम भी अकेले' में नजर आईं थी।

अजय देवगन ने रनवे 34 के लिए गाया रैप सॉन्ग

अजय देवगन के फिल्म रनवे 34 के प्रमोशन में बिजी हैं। ऐसे में ही उन्होंने प्रमोशन के लिए एक रैप सॉन्ग गाया है। उनका यह सॉन्ग सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर और वायरल भी हो रहा है। इस रैप को यशराज मुखाते ने कंपोज किया है। इस रैप के शुरूआत में दोनों के बीच थोड़ी बहस भी होती है। लेकिन इसके बाद दोनों मान जाते हैं और गाना शुरू करते हैं। उनकी यह फिल्म 29 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में उनके साथ अमिताभ बच्चन, रकुल प्रीत सिंह और बमन ईरानी भी नजर आएंगे।

आम्रपाली और प्रदीप का 'जरा तावे देहिया' रिलीज

मुंबई, (हि.स.)। भोजपुरी फिल्मों की मशहूर अदाकारा आम्रपाली दुबे और प्रदीप पांडे 'चिंटू' का नया गीत 'जरा तावे देहिया' रिलीज हुआ है। जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार और आशीर्वाद मिल रहा है। इस गाने में चिंटू और आम्रपाली की हॉट और सिजलिंग केमेस्ट्री दर्शकों को अपनी ओर खींच रही है। आम्रपाली सोशल मीडिया के जरिए भी अपने फैंस से सीधे तौर पर जुड़ी रहती हैं। इस तड़कते-भड़कते सॉन्ग को वर्ल्डवाइड रिकाड्र्स भोजपुरी के आधिकारिक यू-ट्यूब चैनल पर देखा और सुना जा सकता है। इस सॉन्ग को ट्रेंडिंग सिंगर शिल्पी राज और सिंगर विजय चौहान ने साथ मिलकर गया है। लिरिक्स श्याम देहाती और संगीत रजनीश मिश्रा का है। भोजपुरी फिल्म लव विवाह डॉट कॉम के प्रोड्यूसर प्रदीप सिंह, प्रतीक सिंह और कोमल जी हैं। निर्देशन का काम अनंजय रघुराज ने किया है। रत्नाकर कुमार ने प्रस्तुत किया है, को-प्रोड्यूसर पदम सिंह हैं। इस फिल्म के स्टारकास्ट की बात करें तो इसमें प्रदीप पांडेय चिंटू, आम्रपाली दुबे के साथ अमित शुक्ला, संदीप यादव, करण पांडेय, संजय यादव और ज्योति पांडे अहम किरदार में नजर आने वाले हैं।

सूडोकु नवताल- 6054

★☆☆☆☆ सरल

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6053 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 6801

अ	क	मु	ग	अ	ए	अ	बा	ग	बां	ट
द	ज	ल	श	ज	मे	स	द	ह	कां	मो
र	स	न	रा	दी	छ	ज	आ	र्म	ख	ह
इं	स	ल	बी	दि	वा	स	र	ल	श	ब्ब
डि	आ	दो	ग	बो	ज	ना	प	सा	झ	तें
य	का	द	र	दि	ग	उ	खु	ण	ब	क
ती	व	लि	मी	या	प	र	दा	नां	व	सु
अं	एं	अ	या	द	ब	क	ग	ए	श	हा
क	ग	ल	प	र	गी	स	वा	औ	प	ग
अं	धा	का	नू	न	जी	त	ह	ओ	प	र
क	अ	म	रा	व	ती	स	आं	खें	प	म

शब्दजाल में 'अमिताभ' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

अजनबी,मेजर साब,मोहब्बतें,बागबां, आंखें,खुदा गवाह,शराबी,अंधा कानून, कालिया,सुहाग

शब्दजाल - 6800 का हल

अ	क	ल	व	दे	रं	गी	ला	न	ल	क
दि	म	ल	रु	व	ग	गी	र	इ	ट	ली
ल	स	म	ल	द्र	दे	पु	चं	पा	व	त
के	व	ग	य	पु	ब	न	प	न	ल	ज
क	क	ल	ग	श्री	सं	या	तू	ग	झ	वा
जी	क	पा	व	ह	ती	पू	ग	ण	घ	नी
उ	आ	डे	न	ल	ल	ल	श	र	ला	जिं
क	त्त	दा	ई	गा	व	क	फ	लो	श	दा
च	बा	जी	न	न	जी	ल	री	ग	प	बा
मो	पा	ल	का	व	ह	इ	श्क	र	प	द
ली	क	ल	रा	ख	न	रा	बा	द	प	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5754

7		2		4		6
3	32		33	5	33	
	4	1				3
2	26		35		39	7
		3		6	5	
1	27	5	35		27	4
		4	7	1		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5753 का हल

1	5	2	3	7	4	6
6	29	7	40	6	38	1
3	1	4	6	5	2	7
2	24	5	34	1	32	4
5	1	3	6	4	7	2
4	31	6	30	3	32	5
7	4	1	5	2	6	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वामी एवं संपादक इंद्रा द्वारा S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092 से जारी
Customer Care No:- 8375000628, For News & Advertisement- 8588881461, Email-info@delhicrimepress.in, Website- www.Delhicrimepress.in